जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 221 प्रभात बीकानेर, शनिवार 7 मार्च, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'मैं कांग्रेस का राज्यसभा का उम्मीदवार हूँ, कल पर्चा भर रहा हूँ, आप आ जाएं'

करमवीर बौद ने यह फोन भूपेन्द्र हूडा, सुरजेवाला, शैलजा आदि को किया, सभी नेता स्तब्ध रह गये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। कांग्रेस राज्यसभा टिकट देने के लिए कैसे प्रत्याशी चुनती है, यह उसकी संपूर्ण गाथा है।

जादू से टोपी से खरगोश निकालने की तरह कांग्रेस ने आखिरी समय में हरियाणा का अपना एकमात्र राज्यसभा टिकट एक अनजान व्यक्ति को दे दिया, जिसका नाम करमवीर बौद है, जो एक दलित हैं और कांग्रेस में उन्हें कोई नहीं जानता। उनके पास कोई संगठनात्मक अनुभव नहीं है, न ही उनका युवा कांग्रेस, एनएसयूआई या किसी अन्य पद से कोई संबंध है और वे हाल ही में पार्टी में शामिल हुए हैं।

हरियाणा के कांग्रेसी एक-दूसरे को संदेश भेज रहे हैं और पूछ रहे हैं कि वे आखिर कैसे दिखते हैं!!

दिलचस्प बात यह है कि वे हरियाणा सरकार के कर्मचारी थे, जो

- राहुल गांधी, करमवीर बौद, एक अपरिचित से पूर्व बसपा नेता का चयन कर, बहुत प्रसन्न हैं, क्योंकि उन्हें अपना एक दलित मिल गया, जो उनके दलित एजेंडे पर ''फिट'' बैठता है।
- बौद हरियाणा कांग्रेस के हल्कों में एक अपरिचित प्राणी हैं, जो कभी भी यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई या, अन्य किसी संगठनात्मक पद पर नहीं रहे, और हाल ही में कांग्रेस से जुड़े हैं।
- वे एक सरकारी कर्मचारी थे, तथा भ्रष्टाचार के आरोप में निलम्बित थे तथा फिर नौकरी से रिटायर होकर बसपा से जुड़े। तदोपरान्त कांग्रेस पार्टी में आए, पूर्व आईएएस अधिकारी के. राजू के संरक्षण में।
- हरदम की तरह राहुल गांधी ने दलित मामले के. राजू को सौंप रखे हैं तथा के. राजू ही दलित मामलों में पार्टी के सभी निर्णय लेते हैं। के. राजू की तगड़ी सिफारिश से करमवीर बौद को कांग्रेस का टिकिट मिला, क्या राहुल, जयजगत और के.सी. वेणुगोपाल के बारे में बिहार के अपने अनुभव के बाद कुछ नहीं सीखे कि, एक दलित पूर्व आईएएस अफसर के. राजू को दलित मामलों में सर्वेसर्वा बना दिया है।

दलित संगठन से जुड़े हुए थे और कभी-कभी सरकार और संगठन के बीच बड़े विवादों में मध्यस्थ का काम करते थे।

उन्हें बाद में भ्रष्टाचार के आरोपों में चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया था।

वे सेवानिवृत्त हुए और बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए, उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा का डॉक्टर बना यूपीएससी टॉपर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। राजस्थान के लिए गर्व का पल। कोटा के अनिल अग्निहोत्री, जो पेशे से डॉक्टर हैं, ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेस एग्जामिनेशन (सीएसई) 2025 में टॉप रैंक हासिल की है। यह उपलब्धि उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में हासिल की।

अनुज अग्निहोत्री ने इस परीक्षा में टॉप किया, जबकि राजेश्वरी सुवे एम

- डॉ. अनुज अग्निहोत्री ने तीसरे प्रयास में यह शानदार सफलता प्राप्त की है। उन्होंने मैडिकल साइन्स को बतौर विषय चुना था।

और आकाश धुल क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। अनुज ने मेडिकल साइंस को अपने वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

अपनी इस अद्वितीय उपलब्धि के बाद एनडीटीवी से बात करते हुए, 26 वर्षीय अनुज ने कहा, ''मैं अपनी सफलता का मुख्य कारण भाग्य को मानता हूं।''

अनुज की टॉप करने की यात्रा आसान नहीं थी। यह उनका तीसरा प्रयास था। पहले प्रयास में उन्हें दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ट्रम्प ईरान युद्ध के तनाव से टूट से रहे हैं?

वे वाइट हाऊस में अपनी ''ऑफिशियल'' कुर्सी में सम्मोहित से बैठे नज़र आए, अपनी पूजा में आंख बंद किए अपने प्रभु से मदद मांगते हुए

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 मार्च। सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान युद्ध के दबाव में झुकते हुए दिखाई दे रहे हैं।

कोई हैरानी नहीं कि ईरान ने, उनके वैनेज़ुएला अनुभव की तुलना में, जिस तरह जबरदस्त जवाबी हमला किया हैं और ईरान युद्ध में मदद देने को लेकर उनके नाटो सहयोगियों के बीच साफ मतभेद भी सामने आ गए हैं, ऐसी स्थिति में ट्रंप को अपने मौजूदा संकट से निकलने के लिए हर तरह की भौतिक, आध्यात्मिक और यहां तक कि अलौकिक मदद की जरूरत महसूस हो रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का निवास, द वाइट हाउस, आज असाधारण दृश्यों का गवाह बना। एक बूढ़े व्यक्ति की तरह ट्रंप आत्माओं की दुनिया से तुरंत मदद की प्रार्थना करते हुए एकदम स्तब्ध बैठे थे।

यह एक अजीब सा नाटक जैसा दृश्य था, जब अमेरिका के राष्ट्रपति को धार्मिक नेताओं द्वारा आशीर्वाद दिया जा रहा था, वह भी ओवल ऑफिस जैसे

- यह सच है कि, जिस ''आराम'' से वे वेनेज़ुएला पर विजय पा सके थे, उसकी तुलना में ईरान के आक्रामक जवाब ने उन्हें हिला दिया है। ट्रंप के आसपास विभिन्न धर्मों के धार्मिक गुरु, उनके सिर पर, कंधे पर हाथ लगाकर हिम्मत बढ़ाते नज़र आये। वे ऐसे हारे हुए व्यक्ति लग रहे थे मानो उन्हें दूसरी दुनिया से मदद की जरुरत महसूस हो रही थी।
- वैसे भी ट्रंप अब विरोधाभासी दावे कर रहे हैं, जिनका तथ्यों से कोई सरोकार नहीं लगता।
- एक तरफ तो वे, ईरानी दूतावासों के अधिकारियों से कह रहे हैं, कि वे अपनी जिम्मेवारी छोड़कर बाहर आ जायें, और अन्य देशों की सरकारों से संरक्षण की मांग करें। दूसरी ओर स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ का ट्रैफिक खुलवाने की कोशिश में, व्यवसायिक जहाजों को अमेरिकी नौ सेना की सुरक्षा में स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ पार करवाने का वादा करते हैं।

स्थान पर। ट्रंप अपनी कुर्सी पर चुपचाप बैठे थे और उनके चारों ओर कई धार्मिक नेता खड़े होकर गंभीर स्वर में शांति, सबके लिए न्याय और इसी तरह की बातें कर रहे थे।

इन धार्मिक नेताओं को अमेरिकी राष्ट्रपति को छूते हुए देखा गया, कुछ उनके हाथ पकड़ रहे थे, तो कुछ उनके कंधों पर हाथ रखे हुए थे। ट्रंप आंखें बंद किए, परेशान चेहरे के साथ अपनी कुर्सी पर असहज तरीके से बैठे दिखाई दे रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में एक अनजाने चेहरे को मुख्यमंत्री बना सकती है भाजपा

चर्चा है कि संघ पृष्ठभूमि वाली सीमा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। ऐसी संभावनाएँ हैं कि भाजपा नेतृत्व बिहार में नीतीश कुमार के स्थान पर राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में किसी कम पहचान वाली महिला नेता को नियुक्त कर सकता है, जैसा कि भजनलाल शर्मा के मामले में किया था।

अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, जैसे इज़राइल-ईरान युद्ध और एप्स्टीन फाइल्स में भाजपा और केन्द्र सरकार व्यस्तता के बीच, अंततः नीतीश कुमार को दरवाजा दिखा देने का निर्णय एक आश्चर्यचकित करने वाला कदम साबित हुआ है। लेकिन दो मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। पहला, भाजपा शॉक ट्रीटमेंट देने की अपनी क्षमता पर फलती-फूलती आ रही है। दूसरा, बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री होना पार्टी के लिए पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के चुनावों में मददगार साबित होगा। इससे भी ज्यादा

- इस कदम से भाजपा को कई लाभ होने की संभावना है, एक तो वह बिहार में नई शुरुआत का संकेत देना चाहती है। दूसरे पार्टी को उम्मीद है कि इससे पड़ौसी राज्य प.बंगाल, जहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, में भारी फायदा होगा।
- नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाने के असंभव कार्य में सफल होने के बाद भी भाजपा कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती है। मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा पर उपमुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार के पुत्र से पेशकश की गई है।
- सूत्रों ने कहा, भाजपा जद (यू) में विभाजन की कोशिश भी नहीं करेगी क्योंकि नीतीश कुमार के प्रति भारी सहानुभूति है लोगों, खासकर महिलाओं में, इसलिए भाजपा कोई दुस्साहस नहीं करेगी और नीतीश के प्रति भारी सद्भावना दिखाएगी।

फायदा उस स्थिति में होगा, अगर भाजपा नेतृत्व इस काम के लिए किसी कम पहचान वाली महिला नेता का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमेश सिंह कुशवाहा जदयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बने

पटना, 06 मार्च। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता उमेश सिंह कुशवाहा को लगातार तीसरी बार पार्टी का बिहार प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। शुक्रवार को पटना स्थित जदयू के प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक चुनाव की निर्धारित

- वे लगातार तीसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया।

प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार 'मुन्ना' और परमहंस कुमार ने उन्हें अध्यक्ष पद का प्रमाण-पत्र सौंपा। इससे पहले उमेश सिंह कुशवाहा ने चार सैट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। तय समय-सीमा तक इस पद के लिए उनके अलावा किसी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया। इसके बाद स्क्रूटनी प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें निर्विरोध बिहार प्रदेश अध्यक्ष घोषित कर दिया गया।

'अमेरिका ने दया की, भारत को रुस से कच्चा तेल लेने की अनुमति दी'

अमेरिका के ट्रैज़री सैक्रेटरी ने कहा कि भारत को यह काम चलाऊ छूट सिर्फ 30 दिनों के लिए दी गई है।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 06 मार्च। दया भाव दर्शाते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत को ''अस्थायी'' रूप से रूस से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दे दी है, और इस पर कोई दंडात्मक शुल्क नहीं लिया जाएगा और भारतीय सरकार ने इस प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार करते हुए रिफाइनरियों को रसोई गैस की कमी से बचने के लिए एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया, क्योंकि मध्य पूर्व युद्ध के कारण एलपीजी की भारी कमी हो सकती थी।

कतर से, जो भारत का प्रमुख एलपीजी आपूर्तिकर्ता है, चिंताजनक रिपोर्ट मिलने के बाद मोदी सरकार ने अमेरिकी राहत का तुरंत उपयोग किया, ताकि घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में आने वाले संकट को टाला जा सके।

''द फाइनेंशियल टाइम्स'' से एक

- स्कॉट बेसैंट ने कहा कि भारत इस अवधि में रुस से वही तेल खरीद पाएगा जो पहले से समुद्र में विचरण कर रहे टैंकरों में जमा है और इससे रुस को कोई फायदा नहीं होगा। लेकिन इससे ईरान युद्ध से बढ़े दबाव से भारत को कुछ राहत मिलेगी। तथापि, भारत को इसके लिए मौजूदा रेट पर ही कीमत अदा करनी होगी।
- इस अनुमति के साथ ही भारत ने तेल मंगाने की प्रक्रिया शुरु कर दी। दो टैंकर भारत की ओर निकल चुके हैं इनमें से हरेक में 7 लाख बैरल तेल है, चर्चा है कि तीसरा टैंकर भी भारत की ओर बढ़ रहा है।
- इस समय रुस का 9.5 लाख मिलियन बैरल कच्चा तेल समुद्री टैंकरों में जमा है और भारत के आसपास ही मंडरा रहा है।
- भारत सरकार ने भारतीय तेल कंपनियों को रसोई गैस का उत्पादन बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं।

साक्षात्कार में, कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल काबी ने कहा कि युद्ध के कारण खाड़ी देशों में ऊर्जा उत्पादन बंद हो सकता है, तेल की कीमत 150 प्रति बैरल तक पहुंच सकती है और ''दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को नीचे ला सकता है''।

कतर, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा लिक्विड नैचुरल गैस (एलएनजी) उत्पादक है, इस सप्ताह अपने रास लाफन संयंत्र पर एक ईरानी ड्रोन हमले के बाद उत्पादन रोकने पर मजबूर हो गया, जो कि इसका सबसे बड़ा एल पी जी संयंत्र है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका द्वारा रूसी तेल खरीद पर छूट की कांग्रेस ने निंदा की

नई दिल्ली, 06 मार्च। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट देने संबंधी बयान की कांग्रेस ने निंदा की है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने शुक्रवार को पार्टी

- पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका-इज़रायल के दबाव में काम कर रहे हैं।

मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका-इजरायल के दबाव में काम कर रहे हैं और सरकार की विदेश नीति स्वतंत्र नहीं रही। भारत को अमेरिका से अनुमति मिल गई है कि वह 30 दिनों तक रूस से तेल खरीद सके।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है नाटो देशों में

नाटो के सदस्य देश अमेरिका से अलग, स्वतंत्र विदेश नीति पर चलने के संकेत दे रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका का साथ देने से स्पेन के इनकार ने हाल के वर्षों में पश्चिमी गठबंधन के भीतर सबसे गंभीर मतभेदों में से एक को उजागर कर दिया है। हालांकि स्पेन नार्थ एटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइज़ेशन (नाटो) का सदस्य है, लेकिन प्रधानमंत्री पैडो सांचेज़ की सरकार ने साफ कर दिया है कि मैड्रिड न तो इस सैन्य अभियान में भाग लेगा और न ही स्पेन की जमीन को ईरान पर हमले के लिए इस्तेमाल करने देगा। इस रुख ने स्पेन को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ सीधे टकराव में ला दिया है और इससे ट्रांस-अटलांटिक गठबंधन की एकता पर भी बड़े सवाल उठे हैं।

- स्पेन द्वारा अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य अड्डों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देना इसी की शुरुआत माना जा रहा है।
- स्पेन का कहना है कि नाटो का सदस्य होने का मतलब अमेरिका के हरेक सैन्य अभियान में अनिवार्य रुप से भागीदारी करना नहीं है।
- स्पेन व अन्य देशों में अमेरिका के प्रति बढ़ते असंतोष की एक बड़ी वजह उन देशों की आंतरिक राजनीति भी है। स्पेन में जनभावना दूसरे देशों, खासकर मिडिल ईस्ट, में सैन्य हस्तक्षेप के सख्त खिलाफ है। स्पेन का मत है कि युद्ध लंबा खिंचा तो, मिडिल ईस्ट अस्थिर हो जाएगा और इससे यूरोप पर शरणार्थियों का भार पड़ेगा।
- स्पेन का यह रुख इराक वॉर की कटु स्मृतियों के कारण है। वर्ष 2003 में स्पेन की तत्कालीन सरकार ने इराक में अमेरिकन घुसपैठ का समर्थन किया था, इस पर स्पेन में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था, लोग सड़कों पर उतर आए थे। मैड्रिड में ट्रेन धमाके हुए, जिसमें 200 लोग मारे गए थे। बाद में जब वहां समाजवादी सरकार बनी तो उसने इराक से अपने सैनिक वापस बुला लिए थे।

विवाद की तात्कालिक वजह यह है कि स्पेन ने अमेरिका को अपने संयुक्त सैन्य ठिकानों, नेवल स्टेशन रोटा और मोरोन में अपने जॉइंट मिलिट्री बेस का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ युद्ध से जुड़ी कार्रवाई के लिए करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इन ठिकानों पर, लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय रक्षा समझौते के तहत, अमेरिकी सेना मौजूद रहती है और ये भूमध्यसागर तथा मध्य-पूर्व में अमेरिकी अभियानों के लिए महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक केन्द्र रहे हैं।

मैड्रिड ने जोर देकर कहा है कि इन ठिकानों का इस्तेमाल ऐसे आक्रामक सैन्य अभियानों के लिए नहीं किया जा सकता, जिनके लिए अंतरराष्ट्रीय कानून या संयुक्त राष्ट्र के फ्रेमवर्क के तहत कोई साफ मैनडेट न हो। इस तरह रेखा खींचकर सांचेज़ सरकार ने वॉशिंगटन को स्पेन की जमीन को इस संघर्ष के लिए लॉन्चिंग पैड के रूप में इस्तेमाल करने से रोक दिया।

यह विवाद जल्दी ही मैड्रिड और वॉशिंगटन के बीच एक डिप्लोमैटिक टकराव में बदल गया। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से स्पेन की आलोचना करते हुए कहा कि उसने गठबंधन की एकजुटता का साथ नहीं दिया और यहां तक कि ट्रेड में बदले की कार्रवाई का संकेत भी दिया। हालांकि स्पेन अपने फैसले पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने सिविल सेवा के सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी

नई दिल्ली, 06 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा,

- उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता व कड़ी मेहनत ने इस उपलब्धि तक पहुंचाया है।

सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई। उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता और कड़ी मेहनत ने उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में उन अभ्यर्थियों का भी हौसला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

किसी को अपना व्यक्तित्व छोड़कर दूसरे का व्यक्तित्व नहीं अपनाना चाहिए। –चैनिंग

राजस्थान में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण

राजस्थान, रेगिस्तान की भूमि, जहां बालू के टीले इतिहास की गाथाएं गुनगुनाते हैं और किले-महल सूरज की किरणों में चमकते हैं, आज एक अनोखे वैभव के दौर से गुजर रहा है। यह वैभव आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की चकाचौंध और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गहनता का मेल है। एक ओर जहां हाई-स्पीड रेलमार्ग, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं और डिजिटल हाईवे राजस्थान को भविष्य की ओर ले जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोक कला, पारंपरिक हस्तशिल्प और आध्यात्मिक विरासत नई ऊर्जा के साथ पुनरुत्थान कर रही है। यह नया अध्याय न केवल आर्थिक विकास का प्रतीक है, बल्कि राजस्थान की आत्मा को संरक्षित करते हुए उसे वैश्विक पटल पर चमकाने का माध्यम भी बन रहा है।

कल्पना कीजिए, जयपुर के हवा महल के नीचे से गुजराती मेट्रो ट्रेन, जो राजपूताना की भव्यता को आधुनिक गति प्रदान कर रही है। या फिर उदयपुर के झीलों के किनारे विकसित हो रही स्मार्ट टूरिज्म सुविधाएं, जहां ड्रोन तकनीक से संचालित लाइट शो फतेह सिंह के काल की कहानियां जीवंत कर देते हैं। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं जैसे राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम और स्मार्ट सिटी मिशन ने राज्य को इंफ्रास्ट्रक्चर का हब बना दिया है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और अजमेर जैसी शहरों में मेट्रो रेल, एयरपोर्ट विस्तार और हाईवे नेटवर्क का जाल बिछ चुका है। उदाहरणस्वरूप, दिल्ली-जयपुर हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, जो 2026 तक चालू होने की कगार पर है, यात्रा के समय को आधा कर देगा। इससे न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों के उत्पाद वैश्विक बाजार तक पहुंच सकेंगे।

यह इंफ्रास्ट्रक्चर केवल कंक्रीट और स्टील का ढांचा नहीं है; यह सांस्कृतिक पुल है। राजस्थान के गांवों में सोलर पैनल खेतों के बीच अपनी अलग छठा बिखेर रहे है। राज्य सरकार की राजस्थान क्राफ्ट प्रमोशन नीति ने हस्तशिल्प को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा है। ई-कॉमर्स साइट्स जैसे अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर बगरू प्रिंट, कठपुतली और बंधेज साड़ियां बिक रही हैं, जो सीधे कारीगरों के हाथों से ग्राहक तक पहुंचती हैं। जयपुर का ब्लू पॉटरी अब 3डी प्रिंटिंग तकनीक से संयोजित होकर आधुनिक डिजाइन में उपलब्ध है। यह पुनर्जागरण सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करता है, जहां परंपरा और तकनीक का संगम हो रहा है।

जोधपुर, ब्ल्यू सिटी , जहां थार एक्सप्रेसवे ने रेगिस्तान को पार करने का समय घटाकर दो घंटे कर दिया है, अब सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां के उम्मेद भवन पैलेस को होटल ताज ने पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया है, लेकिन साथ ही स्थानीय लोक संगीत को प्रमोट करने के लिए रूरल फेस्टिवल आयोजित हो रहे हैं। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है, जो 2025 में 10 करोड़ पर्यटकों का आंकड़ा पार कर चुका। इससे उत्पन्न राजस्व सांस्कृतिक संरक्षण में लगाया जा रहा है। उदाहरण के लिए, बीकानेर के जूनागढ़ किले में वर्चुअल रियलिटी (वीआर) टूर शुरू हुआ है, जो पर्यटकों को राठौड़ राजाओं के युग में ले जाता है। यह तकनीक न केवल शिक्षा प्रदान करती है, बल्कि राजस्थानी इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाती है।

> **आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षक बनेगा। राजस्थान अब न केवल इतिहास का भंडार है, बल्कि भविष्य का प्रतीक भी। यह पुनर्जागरण हमें सिखाता है कि परंपरा और प्रगति का संतुलन ही सच्ची प्रगति है। आने वाले दशक में राजस्थान विश्व पटल पर चमकेगा, अपनी नीली छत्रियों, सुनहरी रेत और आधुनिक आकाशचुंबी इमारतों के साथ। यह अध्याय अभी शुरू हुआ है, और इसका अंतिम पृष्ठ हम सब मिलकर लिखेंगे।**

उदयपुर, झीलों का शहर, स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकसित हो रहा है। यहां के पुष्कर झील पर फ्लोटिंग सोलर प्लांट न केवल ऊर्जा प्रदान कर रहा है, बल्कि सांस्कृतिक उत्सवों को रोशन कर रहा है। राजस्थान दिवस समारोह में ड्रोन शो के माध्यम से मेवाड़ की वीर गाथाएं दिखाई जाती हैं। यह मेल आधुनिकता और परंपरा का प्रतीक है। इसी तरह, अलवर में भर्तृहरि मंदिर के आसपास विकसित हो रही ग्रीन हाईवे परंपरागत लोक नृत्यों को स्टेज दे रही हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर ने रोजगार सृजन किया है – निर्माण क्षेत्र में 5 लाख नौकरियां पैदा हुईं, जो स्थानीय कलाकारों को सशक्त बना रही हैं। महिलाओं के स्वयं सहायता समूह अब डिजाइनर ब्लॉक प्रिंटिंग यूनिट चला रहे हैं, जो एयरपोर्ट पर स्टोर के माध्यम से बिकते हैं।

लेकिन यह पुनर्जागरण केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं। ग्रामीण राजस्थान में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बिछे सड़क नेटवर्क ने दूरदराज के गांवों को मुख्यधारा से जोड़ा है। बाड़मेर के रेगिस्तानी गांवों में सोलर-पावर्ड कम्युनिटी सेंटर्स लोक कथाओं और कठपुतली शो के लिए केंद्र बन गए हैं। यहां के मांगणियार संगीतकार अब यूट्यूब और स्पॉटिफाई पर अपनी रचनाएं अपलोड कर रहे हैं, जो सरहदी संस्कृति को वैश्विक बनाती हैं। राज्य की कलाकृति योजना ने 50 हजार कारीगरों को प्रशिक्षण दिया, जिसमें डिजिटल मार्केटिंग शामिल है। इससे उनकी आय दोगुनी हो गई। यह सांस्कृतिक पुनरुत्थान आर्थिक सशक्तिकरण का आधार बन रहा है।

आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने सांस्कृतिक पर्यटन को नया आयाम दिया। जयपुर का चौखी ढाणी अब इको-रिसॉर्ट के रूप में विकसित हो गया, जहां सोलर एनर्जी से चलने वाले पारंपरिक ढाबे लोक भोजन परोसते हैं। दुनिया भर से पर्यटक आकर घूमर नृत्य और कालबेलिया संगीत का आनंद लेते हैं, जो यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में हैं। कोटा में चंबल नदी पर बने ब्रिज ने बारादरी उत्सव को नया रूप दिया। यह सब राजस्थान को कल्चरल हब ऑफ इंडिया बनाने की दिशा में कदम है।

चुनौतियां भी हैं। तेज विकास में पर्यावरण संरक्षण जरूरी है। थार रेगिस्तान में हाईवे निर्माण से जैव विविधता प्रभावित हो रही है। लेकिन राज्य सरकार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दे रही है। सांस्कृतिक पुनर्जागरण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। आईआईटी जोधपुर और बीआईटीएस पिलानी जैसे संस्थान अब राजस्थानी कला पर शोध कर रहे हैं। स्टार्टअप्स जैसे राज दीर्घा पारंपरिक ज्वेलरी को मॉडर्न डिजाइन से जोड़ रहे हैं।

राजस्थान में मंदिरों के प्रति भाव एवं रुझान हमारी पुरातन संस्कृति की तरफ एक कदम है। कुछ प्रसिद्ध मंदिरों के अलावा अब छोटे-छोटे प्राकृतिक सुरम्य वातावरण में स्थित शिव मंदिर भी अपनी अलग छठा बिखेर रहे है।

यह नया अध्याय राजस्थान की आत्मा को मजबूत कर रहा है। जहां एक ओर बुलेट ट्रेन रेत के टीलों को पार करेगी, वहीं लोकवार्ता नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षक बनेगा। राजस्थान अब न केवल इतिहास का भंडार है, बल्कि भविष्य का प्रतीक भी। यह पुनर्जागरण हमें सिखाता है कि परंपरा और प्रगति का संतुलन ही सच्ची प्रगति है। आने वाले दशक में राजस्थान विश्व पटल पर चमकेगा, अपनी नीली छत्रियों, सुनहरी रेत और आधुनिक आकाशचुंबी इमारतों के साथ। यह अध्याय अभी शुरू हुआ है, और इसका अंतिम पृष्ठ हम सब मिलकर लिखेंगे।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राशिफल शनिवार 7 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र दिन 11:16 तक, वृद्धि योग प्रातः 6:52 तक, बालव करण सायं 7:18 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 11:16 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 5:29 से सायं 5:54 तक रहेगी। आज कल्पादि, चतुरथी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:16 से 9:44 तक, चर 12:38 से 2:05 तक, लाभ-अमृत 2:05 से 5:00 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:49, सूर्यास्त 6:27

मेष
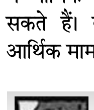
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

सिंह
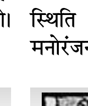
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

धनु
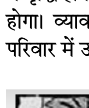
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
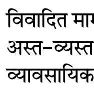
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
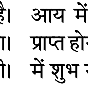
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
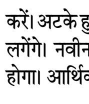
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
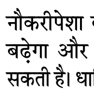
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
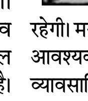
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
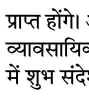
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
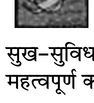
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
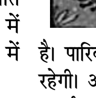
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

लैंगिक समानता : अधूरी वास्तविकता से पूर्ण समानता की ओर

अलका सक्सेना

समानता का अर्थ केवल अवसर देना नहीं,
बल्कि ऐसा समाज बनाना है
जहाँ अवसर, सम्मान और जिम्मेदारियाँ स्वाभाविक रूप से साझा हों।

लैंगिक समानता आधुनिक समाज के सबसे व्यापक रूप से स्वीकार किए गए आदर्शों में से एक है। संविधान, नीतियों और सार्वजनिक विमर्श में इसका स्पष्ट समर्थन दिखाई देता है। फिर भी जब हम जीवन की वास्तविक परिस्थितियों को देखते हैं, तो यह वादा अक्सर अधूरा प्रतीत होता है। अधिकारों की घोषणा और अनुभव की वास्तविकता के बीच का अंतर ही लैंगिक समानता की सबसे बड़ी चुनौती है।

इक्कीसवीं सदी ने महिलाओं की उपलब्धियों के अनेक नए अध्याय लिखे हैं। विज्ञान, शासन, व्यवसाय, शिक्षा और खेल-हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी क्षमता और नेतृत्व से स्थापित धारणाओं को बदला है। फिर भी प्रश्न बना रहता है कि क्या अवसरों की उपलब्धता मात्र से समानता सुनिश्चित हो जाती है, या वह तब साकार होती है जब सामाजिक और पारिवारिक संरचनाएँ भी उसे सहज रूप से स्वीकार करने लगें।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। स्वतंत्रता के बाद भारत में महिलाओं ने लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा तय की है और धीरे-धीरे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। फिर भी दिखाई देने वाली प्रगति हमेशा वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को प्रतिबिंबित नहीं करती।

आज महिलाएँ कार्यबल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और साथ ही घर-परिवार की जिम्मेदारियाँ भी निभाती हैं। इसके बावजूद उनकी पूर्ण और समान भागीदारी अब भी सीमित है। पितृसत्तात्मक सोच, गहरे सामाजिक संस्कार और अवसरों तक असमान पहुँच वास्तविक सशक्तिकरण के मार्ग में बाधा बनते हैं। भारत में लैंगिक समानता का औपचारिक समर्थन व्यापक है। यह संविधान में निहित है, नीतिगत ढाँचों में समाहित है और संस्थागत प्रतिबद्धताओं द्वारा सुदृढ़ किया गया है। शिक्षा और नेतृत्व में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है तथा भेदभाव और उत्पीड़न के विरुद्ध कानूनी सुरक्षा भी पहले से अधिक मजबूत हुई है। किन्तु सिद्धांत में हुई प्रगति हमेशा व्यवहार में समानता में परिवर्तित नहीं होती। अनेक महिलाओं के लिए समानता अब भी परिस्थितियों, संस्कृति और संदर्भ पर निर्भर रहती है।

व्यावसायिक क्षेत्रों में औपचारिक समानता अक्सर अनौपचारिक पूर्वाग्रहों के साथ सह-अस्तित्व में रहती है। भर्ती नीतियाँ भले ही लैंगिक रूप से तटस्थ हों, पर करियर के महत्वपूर्ण चरणों पर नेतृत्व की राह महिलाओं के लिए संकरी हो जाती है। प्रदर्शन के मानदंड समान दिखते हैं, फिर भी महिलाओं को अपनी विश्वसनीयता सिद्ध करने के लिए अक्सर अधिक प्रयास करना पड़ता है। बैठकों में अनदेखी, विचारों को पर्याप्त महत्व न मिलना, या आत्मविश्वास को आक्रामकता समझ लिया जाना, ये सूक्ष्म पूर्वाग्रह पेशेवर यात्राओं को प्रभावित करते रहते हैं। मातृत्व के साथ यह चुनौती और गहरी हो जाती है। भले ही नीतियाँ मातृत्व अवकाश और नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करती हों, पर धारणाएँ बदल जाती हैं। महिलाओं को अक्सर कम उपलब्ध या कम महत्वाकांक्षी मान लिया जाता है, चाहे उनका वास्तविक प्रदर्शन कैसा भी हो। घर पर देखभाल की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ जाती हैं, जबकि उनका समान पुनर्वितरण बहुत कम देखने को मिलता है।

घरेलू श्रम का असमान बँटवारा वास्तविक समानता के मार्ग में एक स्थायी बाधा है। महिलाएँ आज भी घरेलू कार्यों, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल तथा परिवार के भावनात्मक संतुलन को बनाए रखने की प्रमुख जिम्मेदारी निभाती हैं। पूर्णकालिक पेशेवर जीवन के बावजूद वे घर लौटकर अक्सर दूसरी पारी निभाती हैं। यह श्रम समाज की स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, फिर भी आर्थिक दृष्टि से इसे प्रायः कम महत्व दिया जाता है और यह लगभग अदृश्य बना रहता है।

इसका संचयी प्रभाव गहरा होता है, निरंतर थकान, सीमित अवकाश, करियर में रुकावटें और दीर्घकालिक तनाव धीरे-धीरे सामान्य बन जाते हैं। यह अपेक्षा कि महिलाएँ पेशेवर जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करें और साथ ही आदर्श घरेलू भूमिकाएँ भी निभाएँ, एक मौन किंतु स्थायी दबाव उत्पन्न करती है।

समानता का आकलन केवल प्रतिनिधित्व या शिक्षा तक पहुँच से नहीं किया जा सकता। उसे दैनिक जीवन की वास्तविकताओं में भी दिखाई देना चाहिए, परिवार में आपात स्थिति आने पर कार्य-समय कौन बदलता है, पदोन्नति का अवसर कौन छोड़ देता है, या करियर के लिए स्थानांतरण कौन करता है। यही प्रश्न औपचारिक अधिकारों और वास्तविक समानता के बीच के अंतर को उजागर करते हैं।

सांस्कृतिक अपेक्षाएँ भी इस असंतुलन को मजबूत करती हैं। समाज सफल महिलाओं का सम्मान तो करता है, पर उनकी प्राथमिक पहचान अब भी देखभाल करने वाली के रूप में देखी जाती है। एक सफल पुरुष से शायद ही कभी उसके घरेलू दायित्वों के बारे में पूछा जाता है, जबकि एक सफल महिला से अक्सर पूछा जाता है कि वह सब कुछ कैसे संभालती है। कार्यस्थलों पर लचीले कार्य-समय, अभिभावकीय अवकाश और बाल-देखभाल सुविधाओं जैसे सुधारों पर चर्चा बढ़ी है। परंतु केवल नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। सांस्कृतिक स्वीकृति और ईमानदार क्रियान्वयन के बिना लचीलापन प्रतीकात्मक ही रह जाता है। लैंगिक समानता के पक्ष में आर्थिक तर्क भी मजबूत हैं। कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी उत्पादकता, पारिवारिक आय और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास को सुदृढ़ करती है। परंतु समानता केवल आर्थिक रणनीति नहीं, बल्कि न्याय और गरिमा का प्रश्न भी है।

सच्ची प्रगति के लिए साझा जिम्मेदारी आवश्यक है। संस्थानों को पारदर्शी पदोन्नति प्रक्रियाएँ सुनिश्चित करनी होंगी, भेदभाव-विरोधी कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करना होगा और समावेशी कार्य-संस्कृति विकसित करनी होगी। समाज को उन मान्यताओं को चुनौती देनी होगी जो पुरुषत्व को केवल कमाने और स्त्रीत्व को केवल देखभाल से जोड़ती हैं। परिवारों के भीतर भी जिम्मेदारियों का न्यायपूर्ण बँटवारा आवश्यक है। इस परिवर्तन में पुरुषों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। लैंगिक समानता केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है; यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। वास्तविक परिवर्तन तब होगा जब समानता असाधारण दृढ़ता की मांग करना बंद कर देगी, जब जिम्मेदारियाँ स्वाभाविक रूप से साझा होंगी, करियर में विराम स्थायी हानि का कारण नहीं बनेगा और सम्मान बार-बार सिद्ध नहीं करना पड़ेगा।

प्रगति हुई है, पर यात्रा अभी अधूरी है। समानता की दिशा में उल्लेखनीय कदम अवश्य उठे हैं, किंतु वास्तविक परिवर्तन तब होगा जब समानता को सिद्ध करने या उसके लिए निरंतर संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। जब घर और कार्यस्थल दोनों में अवसर, सम्मान और जिम्मेदारियाँ स्वाभाविक रूप से साझा होंगी, तब लैंगिक समानता केवल नीतियों या घोषणाओं का विषय नहीं रहेगी, बल्कि जीवन की सामान्य और स्वीकृत व्यवस्था बन जाएगी।

उस दिन समाज की प्रगति का मापदंड यह नहीं होगा कि महिलाओं ने कितनी बाधाएँ पार कीं, बल्कि यह होगा कि उन्हें बाधाओं का सामना करना ही क्यों नहीं पड़ा। तब यह प्रश्न भी अप्रासंगिक हो जाएगा कि समाज लैंगिक समानता की दिशा में कितना आगे बढ़ा है, क्योंकि समानता स्वयं जीवन की स्वाभाविक वास्तविकता बन चुकी होगी।

समानता तब पूर्ण होगी
जब अवसर, सम्मान और जिम्मेदारियाँ
किसी सिद्धांत के कारण नहीं,
बल्कि स्वाभाविक रूप से साझा होंगी।

–अलका सक्सेना,
अतिरिक्त निदेशक जनसंपर्क
(सेवानिवृत)

सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के वक्तव्य : आचार संहिता अब अनिवार्य क्यों?

सुनील दत्त गोयल

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संस्थाएँ होती हैं – और इन संस्थाओं की साख उनके पदाधिकारियों के आचरण से तय होती है। न्यायपालिका, प्रशासन और आर्थिक नियामक संस्थाएँ देश की रीढ़ मानी जाती हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है, जहाँ सार्वजनिक पदों पर बैठे माननीय और महामहिम व्यक्ति अपने दायित्वों की मर्यादा लांघते हुए ऐसे वक्तव्य और टिप्पणियाँ कर रहे हैं, जिनका दूरगामी और नकारात्मक प्रभाव समाज, न्याय व्यवस्था और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

न्यायालयों से बाहर जाती टिप्पणियाँ और गिरती न्यायिक गरिमा : यह एक खुला सत्य है कि हमारे उच्च न्यायालयों के कुछ न्यायाधीश – चाहे वे सर्वोच्च न्यायालय में हों या विभिन्न उच्च न्यायालयों में – कभी-कभी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान ऐसी टिप्पणियाँ कर बैठते हैं जो न तो आवश्यक होती हैं और न ही रिकॉर्ड का हिस्सा बनती हैं। इससे भी अधिक गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब यही न्यायाधीश अदालत से बाहर सामाजिक कार्यक्रमों, सेमिनारों या सार्वजनिक मंचों पर व्यक्तिगत भावनाएँ व्यक्त करने लगते हैं।

भले ही यह अनजाने में हो या जानबूझकर – पर इसका असर न्याय व्यवस्था पर पड़ता है। निचली अदालतों में कार्यरत न्यायिक अधिकारी, विशेषकर मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारी, कई बार यह मान लेते हैं कि ऊपर से यही संदेश है, और उसी मानसिकता के साथ वे अपने निर्णय देने लगते हैं। यह स्थिति न्यायिक स्वतंत्रता और निष्पक्षता दोनों के लिए अत्यंत घातक है। न्याय का मूल सिद्धांत यही है कि फैसला केवल तथ्यों, साक्ष्यों और कानून के आधार पर हो – न कि किसी वरिष्ठ की टिप्पणी या भावनात्मक संकेत के प्रभाव में।

स्थानीय नियुक्तियाँ और निष्पक्षता पर प्रश्न

एक और संवेदनशील विषय है न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया। जब कोई वकील वर्षों तक किसी राज्य या ज़िले में प्रैक्टिस करता है और बाद में उसी क्षेत्र में न्यायाधीश बना दिया जाता है, तो यह मान लेना भोलेपन से कम नहीं कि वह अपने पुराने सामाजिक, पेशेवर या व्यक्तिगत संबंधों से पूरी तरह मुक्त रह पाएगा।

न्यायाधीश भी मनुष्य होते हैं। वे भी उसी समाज में रहते हैं, उसी समाज में सेवानिवृत्ति के बाद जीवन व्यतीत करते हैं। यही कारण है कि प्रशासनिक सेवाओं – जैसे केन्द्रीय एवं राज्य सेवाओं में यह सुनिश्चित किया जाता है कि अधिकारी को उसके गृह ज़िले में पोस्टिंग न मिले। ठीक यही सिद्धांत न्यायपालिका में भी लागू होना चाहिए।

यदि यह माना जाता है कि एक कनिष्ठ न्यायिक अधिकारी अपने गृह क्षेत्र में निष्पक्ष नहीं रह सकता, तो यह मान लेना कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश इससे अछूते रहेंगे – एक स्पष्ट दोहरा मानदंड है।

विशेष अदालतें: समाधान या नई समस्या?

उत्पीड़न से जुड़े मामलों – विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं से संबंधित मामलों – में एक और जटिल समस्या सामने आती है। कई बार जाँच में यह पाया गया है कि शिकायत झूठी या तथ्यहीन थी। इसके बावजूद न तो निर्दोष व्यक्ति को कोई मुआवज़ा मिलता है, न उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा की भरपाई होती है। उलटे, झूठी शिकायत करने वाला व्यक्ति बेखौफ घूमता रहता है। ऐसे मामलों में यदि शिकायत गलत सिद्ध हो जाए, तो शिकायतकर्ता पर कठोर आर्थिक दंड और दंडात्मक कार्रवाई अनिवार्य होनी चाहिए। अन्यथा न्यायालयों में मामलों का अंबार इसी तरह बढ़ता रहेगा।

दूसरी ओर, विशेष अदालतों और विशेष न्यायाधीशों की व्यवस्था भी कई सवाल खड़े करती है। जब यह कहा जाता है कि महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई केवल महिला न्यायिक अधिकारी करेंगी, या अनुसूचित जाति-जनजाति मामलों के लिए अलग अदालतें होंगी, तो इसका अप्रत्यक्ष संदेश यही जाता है कि सामान्य न्यायाधीश निष्पक्ष नहीं हो सकते। यदि न्यायपालिका स्वयं अपने अधिकारियों पर पूर्ण विश्वास नहीं दिखा पा रही, तो आम जनता से भरोसे की उम्मीद कैसे की जा सकती है? यह व्यवस्था सामाजिक विभाजन और मानसिक दूरी को भी बढ़ावा देती है, जबकि न्याय का सिद्धांत समानता पर आधारित होना चाहिए। आज़ादी के लगभग 80 वर्ष बाद यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भी हमें जाति, वर्ग और लिंग के आधार पर अलग-अलग न्यायिक ढाँचों की आवश्यकता है?

आर्थिक नीतियाँ और गैर-जिम्मेदार वक्तव्य

यह समस्या केवल न्यायपालिका तक सीमित नहीं है। लगभग एक दशक पहले भारतीय रिज़र्व बैंक के तत्कालीन गवर्नर – जो अब अमेरिका में रहते हैं – अपने कार्यकाल के दौरान एक अलग ही प्रवृत्ति के लिए जाने जाते थे। वे कार्यालय समय में आधिकारिक बयान देने से बचते थे, लेकिन शाम होते ही मीडिया मंचों से अर्थव्यवस्था, उद्योग और विभिन्न सेक्टरों पर टिप्पणियाँ करने लगते थे। आज भी ये श्रीमान अपने आप को सुर्ख़ियों में बनाये रखने के लिए आये दिन कोई न कोई अनावश्यक बयानबाजी मीडिया में करते रहते हैं चाहे वो गलत ही साबित हों।

उनके इन बयानों का सीधा असर भारतीय शेयर बाज़ार पर पड़ता था। कई बार शेयरों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सेबी की जाँचों में यह भी सामने आया कि कुछ वक्तव्यों के तुरंत बाद असामान्य ट्रेडिंग हुई, जिससे अंदरूनी जानकारी के संदेह को बल मिला। आज भी यह प्रवृत्ति पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। कुछ नेता और वरिष्ठ अधिकारी किसी सेक्टर या कंपनी पर बयान देकर बाज़ार को प्रभावित कर देते हैं, जबकि इसका खामियाज़ा आम निवेशक भुगतता है।

अनुशासन ही समाधान है

शेयर बाज़ार केवल निवेश का माध्यम नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर है। इसके उतार-चढ़ाव करोड़ों लोगों की बचत, मेहनत और भविष्य से जुड़े हैं। इसी तरह, न्यायपालिका केवल फैसले देने की संस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास की अंतिम शरण है। हालाँकि पिछले कुछ वर्षों में ऐसी घटनाओं में कमी आई है, लेकिन यह प्रवृत्ति पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

अतः मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह सभी सार्वजनिक पदों पर बैठे नेताओं और अधिकारियों को यह सख्त निर्देश दे कि वे ऐसे कोई सार्वजनिक वक्तव्य न दें, जिनसे शेयर बाज़ार, सामाजिक व्यवस्था, न्यायिक प्रणाली या किसी भी प्रकार की हिंसक अथवा अहिंसक घटना या दुर्घटना को बढ़ावा मिले – क्योंकि आम व्यक्ति इन सब से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है।

इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार और न्यायपालिका दोनों मिलकर यह सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्ति बिना सोचे-समझे कोई वक्तव्य न दें। एक स्पष्ट, लिखित और सख़्त आचार-संहिता लागू हो – चाहे वह न्यायाधीश हों, नियामक संस्थाओं के प्रमुख हों या राजनेता।

न्याय तभी सार्थक है जब वह निष्पक्ष हो और दिखे भी निष्पक्ष। और अर्थव्यवस्था तभी मजबूत होती है, जब उस पर भरोसा अडिग रहे। यही संविधान की आत्मा है और यही लोकतंत्र की सच्ची परीक्षा।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल, महानिदेशक,
इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

विश्व शांति के लिए पुष्कर में 43 दिवसीय "शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ" कल से

महायज्ञ के लिए खेरकड़ी रोड पर लगभग 80 बीघा क्षेत्र में भव्य यज्ञनगरी विकसित की गई है

पुष्कर, (निसं)। विश्वभर में बढ़ते युद्ध जैसे हालात, अंतरराष्ट्रीय तनाव और अस्थिरता के बीच भारत की आध्यात्मिक परंपरा से विश्व शांति के लिए एक बड़ी पहल होने जा रही है। तीर्थराज पुष्कर में 8 मार्च से 19 अप्रैल तक 43 दिवसीय "शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ" आयोजित किया जाएगा, जिसमें 3 करोड़ आहुतियां और 24 करोड़ गायत्री मंत्र जाप के माध्यम से वैश्विक संतुलन और शांति की कामना की जाएगी।

महा निर्माणी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में होने वाले इस महायज्ञ की तैयारियां लगभग एक वर्ष पूर्व ही शुरू हो गई थी। स्वामी प्रखर महाराज ने

> ■ **महायज्ञ में 3 करोड़ आहुतियां और 24 करोड़ गायत्री मंत्र जाप के माध्यम से वैश्विक संतुलन और शांति की कामना की जाएगी**

वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को पहले से ही भांपते हुए इस महायज्ञ का संकल्प लिया था। करपात्री महाराज के प्रमुख शिष्य स्वामी प्रखर महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित यह महायज्ञ विप्र फाउंडेशन और श्री प्रखर परोपकार मिशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। आयोजन समिति के मुख्य संयोजक सुशील ओझा ने बताया कि शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ का उद्देश्य विश्वभर में व्याप्त अशांति और भय को समाप्त कर शांति स्थापना का मार्ग प्रशस्त करना है।

स्वामी प्रखर महाराज का भी कहना है कि शास्त्रों में महायज्ञों के प्रभाव से सृष्टि-संतुलन और कल्याण का वर्णन मिलता है तो वर्तमान संघर्षपूर्ण वातावरण में आध्यात्मिक साधना के माध्यम से शांति का मार्ग भी प्रशस्त किया जा सकता है।

महायज्ञ आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक तिलक राज शर्मा ने बताया कि महायज्ञ के लिए शास्त्रीय मानकों के अनुरूप 200 हवन कुंडों का निर्माण किया गया है। इन कुंडों में लगभग 3 करोड़ आहुतियां अर्पित की जाएंगी, जबकि महायज्ञ स्थल पर 2000 से अधिक साधक 24 करोड़ गायत्री मंत्रों का जाप करेंगे।

आयोजन समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी ने बताया कि हवन कुंड केवल अग्नि वेदियां नहीं, बल्कि मां भगवती का मुख माने जाते हैं। महायज्ञ में प्रयुक्त हवन सामग्री से लेकर संपूर्ण विधि-विधान पूर्णतः शास्त्र सम्मत रखा गया है। यज्ञ में 200 चयनित ब्राह्मण दंपति बैठेंगे उन्हें भी विधिवत प्रायश्चित व संकल्प कराया गया है। वहीं 2000 से अधिक साधकों का चयन भी साक्षात्कार प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष अशोक जोशी ने बताया कि महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ 8 मार्च को सायं 4 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। महायज्ञ के लिए खेरकड़ी रोड पर लगभग 80 बीघा क्षेत्र में भव्य यज्ञनगरी विकसित की गई है, जो आगामी 43 दिनों तक साधना, जप और विश्व कल्याण के संकल्प का केंद्र बनेगी। महायज्ञ संचालक मंडल के सदस्य नवीन शर्मा के अनुसार वर्तमान वैश्विक संघर्ष की पृष्ठभूमि में भारत की आध्यात्मिक परंपरा से प्रेरित यह महायज्ञ विश्व समुदाय को शांति, सद्भाव और संतुलन का संदेश देगा। इस बीच महायज्ञ की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गुरुवार को स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जबकि यज्ञाचार्य, साधक और यजमान पहुंचने लगे हैं।

सार-समाचार

बजट के बाद कृषि और ग्रामीण परिवर्तन पर वेबिनार

बीकानेर (निसं)। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बजट के बाद कृषि और ग्रामीण परिवर्तन पर आयोजित वेबिनार में वेटरनरी विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी ऑनलाइन मोड से प्रतिभागी रहे। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. सुमंत व्यास ने इस वेबिनार को विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों और अन्य इकाइयों द्वारा लाईव प्रसारण को विद्याथियों एवं शिक्षकों हेतु सुनने एवं देखने हेतु निर्देशित किया। प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो राजेश कुमार धूड़िया ने बताया कि इस लाईव प्रसारण में विश्वविद्यालय के कुल 421 लोगो ने देखा और सुना जिनमें 330 पुरूष एवं 91 महिलाएं शामिल है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने कृषि हेतु बजट जारी किया है जिसका पूरा-पूरा लाभ किसानों एवं इस क्षेत्र से जुडे॰ लोगो को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कृषि एवं पशुपालन की विभिन्न योजनाओं की चर्चा करते हुए किसानो का ग्लोबल मार्केट से जुडने, खाद्य वस्तुओं के मूल्य संवर्धन, उन्नत तकनीको के हस्तांतरण, एकल स्वास्थ्य मिशन, किसान क्रेडिट कार्ड, योजना फसल बीमा योजना एवं देश की खाद्यान्न एवं पशुउत्पादकाता की स्थिति की जानकारी दी एवं देश में कृषकों की आर्थिक स्थिति उत्थान हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा का संदेश दिया। वेबिनार में वेटरनरी विश्वविद्यालय के निदेशक क्लिनिक्स प्रो. प्रवीण बिश्नोई, अधिष्ठाता वेटरनरी महाविद्यालय नवानियां प्रो. एस.के. शर्मा, अधिष्ठाता डेयरी विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर प्रो. राहुल सिंह पाल, कृषि विज्ञान केन्द्र नोहर के प्रभारी अधिकारी डॉ. सुरेश चन्द्र कांटवा विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में जुडे॰।श्रीगंगानगर में झुलसाने वाली गर्मी से मार्च की शुरुआत

अरब सागर के एंटी-साइक्लोन का असर, अधिकतम तापमान 36 डिग्री पार

श्रीगंगानगर,(निसं)। यहा पाकिस्तान बॉर्डर से सटे श्रीगंगानगर जिले में अब तेज गर्मी पड़ना शुरू हो गई है। अरब सागर में बने एंटी-साइक्लोन के प्रभाव से पश्चिमी राजस्थान में तेज गर्म हवाएं चल रही हैं, जिससे दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है और झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री रिकार्ड किया गया। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि बुधवार को न्यूनतम 16.7 डिग्री और अधिकतम 36.1 डिग्री रहा। पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, जो सामान्य से काफी ऊपर है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अरब सागर में बने इस एंटी-साइक्लोन सिस्टम के कारण आसमान साफ रह रहा है और पाकिस्तान की तरफ से गर्म हवाएं सीधे राजस्थान में प्रवेश कर रही हैं। इससे पश्चिमी जिलों में गर्मी का कहर बढ़ गया है। श्रीगंगानगर के अलावा बाड़मेर, चूरू, जोधपुर जैसे इलाकों में भी तापमान 36-38 डिग्री के आस-पास पहुंच चुका है।

सरूपसर में किसानों को गेहूं की फसल से काफी उम्मीद

सरुपसर,(निसं)। यहा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों खेतों में खड़ी गेहूं की फसल हवा के साथ लहलहा रही है। चारों ओर फैली हरियाली किसानों की मेहनत और अनुकूल मौसम का परिणाम है। समय पर बुवाई, सिंचाई और उचित देखभाल के कारण इस बार गेहूं की फसल की बढ़वार अच्छी हुई है। किसानों का कहना है कि इस बार मौसम ने भी काफी हद तक साथ दिया है, जिससे फसल की स्थिति बेहतर बनी हुई है। यदि आने वाले दिनों में मौसम अनुकूल बना रहता है, तो अच्छी पैदावार की उम्मीद है। किसान फिलहाल फसल की निगरानी और देखभाल में लगे हुए हैं ताकि किसी भी प्रकार के नुकसान से बचा जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों की यह हरियाली किसानों के लिए खुशहाली और उम्मीद लेकर आई है। किसानों को आशा है कि इस बार अच्छी पैदावार उनकी मेहनत का फल देगी और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

जिला स्तरीय समन्वय-समीक्षा समिति की बैठक 12 को

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर की दिसम्बर तिमाही की जिला स्तरीय समन्वय-समीक्षा समिति की बैठक 12 मार्च को प्रातः 11 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय सभागार में आयोजित की जाएगी। अग्रणी बैंक कार्यालय के मुख्य प्रबंधक लक्ष्मण राम मोडासिया ने बताया कि सभी जिला समन्वयको-बैंक नियंत्रकों को सभी आवश्यक सूचनाएं साथ लाने के लिए पत्र भेजा गया है।

व्यापार उद्योग मंडल का होली स्नेह मिलन आयोजित

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल, का होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यापार मंडल की विभिन्न एसोसिएट संस्थाओं के अध्यक्ष-मंत्री एवं प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंडल के अध्यक्ष जुगल राठी ने सभी का स्वागत करते हुए व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को आश्वस्त किया कि व्यापार जगत से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए मंडल सदैव प्रयासरत है तथा समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करवाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में सचिव संजय जैन सांड, कोषाध्यक्ष रवि पुरोहित, उपाध्यक्ष वेद अग्रवाल, मेघाराम गोदारा, सह सचिव प्रेम जोशी, इमरान राठौड़, मीडिया प्रभारी सुशील यादव, रमेश पुरोहित, जनक हर्ष, बजरंग लाल सेवग, शंकरलाल अग्रवाल, शांतिलाल कोचर, हरिओम पुरोहित, विजय बाफना, दामोदर महेश्वरी, संदीप बुडानिया, हरीश नाहटा, संजीव अरोड़ा, रतनलाल सोमानी, विजय रांका, विनोद धानुका, जयनारायण डागा सहित अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी प्रतिनिधियों ने कहा कि इस प्रकार के स्नेह मिलन कार्यक्रम निरंतर आयोजित होते रहने चाहिए, जिससे विभिन्न संस्थाओं के बीच आपसी संवाद, समन्वय एवं भाईचारा मजबूत होता है।

मौसम बदलने से मौसमी बीमारियों का प्रकोप

पूगल, (निसं)। यहा आसपास के ग्रामीण इलाकों में मौसम में बदलाव के कारण मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। तेज धूप और सुबह-शाम की ठंडक के चलते सरकारी अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। इन दिनों सर्दी, खांसी, बुखार और गले के संक्रमण से संबंधित बीमारियों के मामले अधिक सामने आ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, बदलते मौसम में लापरवाही बरतने से लोग तेजी से बीमार हो रहे हैं, जिसका सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर देखा जा रहा है। उप जिला अस्पताल पूगल के डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि वे बदलते मौसम में अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। ठंडी चीजों के सेवन से बचें और सुबह-शाम की हल्की ठंड से अपना बचाव करें। इसके अतिरिक्त, साफ-सफाई का ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है। किसी भी प्रकार की बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह दी गई है।

महिला दिवस सप्ताह के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बीकानेर, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा महिला औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार का कार्यक्रम किया गया। इस दौरान महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना के निर्देशानुसार प्रचेता विजयलक्ष्मी जोशी द्वारा योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं और बच्चियों को लेकर महिला अधिकारिता की सभी योजनाओं जैसे सखी, महिला सुरक्षा सलाह केंद्र पन्नाधाय सुरक्षा सम्मान केंद्र, लाडो प्रोत्साहन के विषय में बताया। पर्यवेक्षक रश्मि कल्ला ने एनीमिया एवं स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी दी। महिला औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र के स्टाफ द्वारा कार्यक्रम संचालित करते हुए महिला हुनर के तहत किए जाने वाले कार्यक्रमों का डेमो दिया गया। छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बेहतर प्रस्तुतीकरण देने वाली बेटियों को विभागीय डायरी और फोल्डर दिए गए तथा प्रचार प्रसार सामग्री दी गई।

सांसद एवं विधायक निधि के कार्यों को प्राथमिकता के साथ जल्द पूर्ण करें: कलेक्टर

■ जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

बीकानेर,(निसं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में शुक्रवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की मासिक समीक्षा बैठक जिला परिषद सभागार में आयोजित की गई। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को सांसद एवं विधायक निधि के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो कार्य पूर्ण हो गए हैं उनके पूर्णता प्रमाण पत्र अति शीघ्र भिजवाएं और जो कार्य अभी शुरू नहीं हुए हैं, उन्हें शीघ्र शुरू करवा कर जियोटैग करवाने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने अब तक स्वीकृत, प्रगतिरत और अप्रारंभ कार्यों की पंचायत समिति वार समीक्षा की और गत वर्षों के बकाया कार्यों का समायोजन अति शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई और कोताही ना बरती जाए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से इन कार्यों की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों पर लेबर बढ़ाने और वर्ष 2024-25 तक के अपूर्ण कार्यों को अति शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में वर्ष 2024-25 में स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। वृष्णि ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में स्वीकृत किए गए शौचालयों को अति शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा भी की और लंबित प्रकरणों का निस्तारण तीन से पांच दिनों में करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने ग्रामीण और विशेषकर सीमांत क्षेत्र के कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल, एसीईओ पंचायती राज श्रीमती प्रियंका तलानिया, एसीईओ ग्रामीण विकास दलीप कुमार, अधिशासी अभियंता रामनिवास शर्मा, अशोक गहलोत सहित अन्य तकनीकी अधिकारी और जिले के सभी विकास अधिकारी समेत अन्य स्टॉफ उपस्थित रहा।

पालनहार योजना के लाभार्थियों को करवाना होगा वार्षिक सत्यापन

बीकानेर, (निसं)। पालनहार योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए लाभान्वित बच्चों का वार्षिक सत्यापन (रिन्यूअल) करवाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एलडी पंवार ने बताया कि जिले में कुल 13,259 बच्चों को योजना का लाभ मिल रहा है, जिनमें से 12,698 बच्चों का वार्षिक सत्यापन हो चुका है, जबकि 561 बच्चे अभी सत्यापन से वंचित हैं। बीकानेर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में अभी भी 162 बच्चों का वार्षिक सत्यापन शेष है। अब तक श्रीडूंगरगढ़ में 110, खाजूवाला में 22, कोलायत में 58, लूणकरणसर में 34, नोखा में 88, पांचू में 59, बज्जू खालसा में 25 तथा पूगल में 3 बच्चे अभी सत्यापन से वंचित हैं।

पालनहार योजना के अंतर्गत अनाथ बालक-बालिकाओं, पेंशन प्राप्त कर रही तलाकशुदा या परित्यक्ता महिला के बच्चों, पुनर्विवाहित विधवा माता के बच्चों, नाता जाने वाली माता के बच्चों तथा विशेष योग्यजन माता-पिता के बच्चों को लाभान्वित किया जाता है। विभाग द्वारा इन बच्चों के संरक्षण एवं शिक्षा की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पालनहार परिवार को प्रति माह आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना के संशोधित नियम 2022 के नियम 9 ऑनलाइन आवेदन एवं अनुदान प्रक्रिया के अनुसार आवेदक द्वारा स्वयं के जीवित होने एवं बच्चों का विद्यालय या आंगनबाड़ी केंद्र में अध्ययनरत होने का वार्षिक सत्यापन करवाना अनिवार्य है।

पंवार ने बताया कि वार्षिक सत्यापन की प्रक्रिया तीन तरीकों से करवाई जा सकती है।

साहित्यकार मोनिका गौड़ को मिलेगा कन्हैयालाल सेठिया साहित्य सम्मान

बीकानेर(निसं)। सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाली कोलकाता की संस्था विचार मंचङ द्वारा वर्ष 2026 के राष्ट्रीय पुरस्कारों एवं सम्मानों की घोषणा कर दी गई है। इस आशय की जानकारी देते हुए संस्थान के मंत्री प्रदीप पटवा ने बताया कि समग्र साहित्यिक अवदान के लिए अर्पित किया जाने वाला वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित 'कन्हैयालाल सेठिया साहित्य सम्मान' इस वर्ष बीकानेर की वरिष्ठ साहित्यकार, समालोचक एवं साहित्यिक आयोजनों की कुशल संचालक मोनिका गौड़ को प्रदान किया जाएगा। विचार मंच प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करता है। आयोजक संस्था के अध्यक्ष सरदारमल कांकरिया ने बताया कि एस पी के जैन फ्यूचररिस्टिक अकादमी, कोलकाता में 15 मार्च को समाजसेवी हरिप्रसाद बुधिया की अध्यक्षता और प्रमोद कुमार सराफ के मुख्य आतिथ्य में आयोज्य समारोह में श्रीमती गौड़ को एक लाख रुपये की नकद राशि एवं सम्मान-पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर समादृत किया जायेगा।

संस्थान प्रतिनिधि किशोर ने जानकारी दी कि मोनिका गौड़ की हिंदी एवं राजस्थानी भाषा में 10 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं तथा वे विभिन्न साहित्यिक मंचों पर राजस्थानी भाषा का सशक्त प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। साहित्य सृजन, समालोचना और मंच संचालन के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है।

उनकी प्रमुख कृतियों में 'हथेली में चाँद', 'अंधारै री उधारी अर रीसाणों चाँद' शामिल हैं। उनकी रचनाओं का प्रसारण दूरदर्शन एवं आकाशवाणी से होता रहा है। गौड़ जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल तथा रेख्ता फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रमों में राजस्थानी कविता का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सम्मान समारोह आज

बीकानेर,(निसं)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला अधिकारिता विभाग, बीकानेर महिला उत्थान एवं जागृति समिति तथा अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में महिला सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को दोपहर 2 बजे से धरणीधर ऑडिटोरियम में किया जाएगा। कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुमन छाजेड़, कौशल शर्मा, दीपक पारीक, आदि मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर में रोडवेज कर्मचारियों का प्रदर्शन

■ लोक परिवहन बसों से सरकारी राजस्व को घाटा पहुंच रहा

श्रीगंगानगर(निसं)। यहा रोडवेज कर्मचारियों की ओर से लोक परिवहन बसों को केन्द्रीय बस स्टैंड से 5 किलोमीटर दूर हटाने की मांग को लेकर श्रीगंगानगर बस स्टैंड में विरोध-प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों ने लोक परिवहन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर 9 मार्च तक कार्रवाई नहीं हुई तो जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन और 10 मार्च से वहां अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा। रोडवेज कर्मचारियों का कहना है कि प्राईवेट बसें बस स्टैंड के मैन गेट पर खड़ी होकर सवारियां उठा रही हैं, जिससे रोडवेज को रोजाना लाखों का नुकसान हो रहा है। इससे न केवल निगम की आय प्रभावित हो रही है, बल्कि सड़क पर भीड़भाड़ से दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि उप शासन सचिव, परिवहन विभाग, राजस्थान जयपुर के पत्र क्रमांक प.12 (26) परि/2019 पार्ट, दिनांक 25.02.2021 में स्पष्ट निर्देश थे कि मुख्यमंत्री कार्यालय के संदर्भ में निजी बसों के स्टैंड को रोडवेज बस स्टैंड से 2-5 किमी दूर घोषित किया जाए और अवैध संचालन पर कड़ी कार्रवाई हो। लेकिन पांच साल बीत जाने के बावजूद जिला प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग ने कोई कदम नहीं उठाया। पूर्व में हुए समझौतों की भी पालना नहीं हो रही है।

अरजनसर स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं

■ फुटओवरब्रिज का भी अभाव, ग्रामीण बोले- 24 से ज्यादा गांवों के लोग निर्भर

अरजनसर,(निसं)। यहा रेलवे स्टेशन पर कई एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से यात्री परेशान है।

अरजनसर रेलवे स्टेशन पर कई एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां केवल लोकल ट्रेनों और बाड़मेर-ऋषिकेश एक्सप्रेस का ही ठहराव होता है, जबकि जयपुर, दिल्ली, गंगानगर और अहमदाबाद की ओर जाने वाली कई प्रमुख ट्रेनें बिना रुके गुजर जाती हैं।

स्थानीय विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया कि जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कई बार रेलवे प्रशासन से ट्रेनों के ठहराव की मांग की है। हालांकि अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

कस्बे के सुनील तावणिया का कहना है कि अरजनसर स्टेशन पर फुटओवरब्रिज का भी अभाव है। इस कारण यात्रियों को मजबूरन ट्रेनों के नीचे स गुजरना पड़ता है, जिससे सुरक्षा संबंधी जोखिम बना रहता है।यह स्टेशन अरजनसर कस्बे के साथ-साथ आसपास के करीब दो दर्जन से अधिक गांवों के लोगों के लिए एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। पलू, जेतपुर, फूलेजी और साबनिया जैसे बड़े कस्बों के लोग भी अपनी यात्रा के लिए इसी स्टेशन पर निर्भर हैं। पास में स्थित फील्ड फायरिंग रेंज का नॉर्थ कैंप होने के कारण सेना के जवानों की आवाजाही भी इसी स्टेशन से होती है। एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से इन जवानों को भी आवाजाही में असुविधा झेलनी पड़ती है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने रेलवे प्रशासन से कई बार मांग भी की है कि अरजनसर स्टेशन पर प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया जाए।

बाल विवाह मुक्त भारत रथ यात्रा का शुभारम्भ

बीकानेर, (निसं)। बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान के तहत बाल विवाह मुक्त रथ यात्रा का शुभारम्भ व पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को हुआ।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) चक्रवर्ती सिंह, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष एड. जुगल किशोर व्यास, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य अरविंद सेंगर, राजकीय संप्रेषण गृह अधीक्षक रामनारायण बिश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से इस रथ रवाना किया।

राजस्थान महिला कल्याण मंडल, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के जिला समन्वयक अमित कुमार ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बाल विवाह मुक्त भारत रथ यात्रा आगामी दिनों में जिले के अलग-अलग ब्लॉक क्षेत्रों में जाएगा। रथ के माध्यम से ऑडियो संदेश, पोस्टर, पंपलेट जनसंवाद एवं शपथ कार्यक्रम के द्वारा आम जन को जागरूक किया जाएगा व आमजन को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की व 21 वर्ष से कम आयु के लड़के की शादी नहीं करवाने व बाल विवाह के दुष्परिणाम जी बारे में जानकारी दी जाएगी व शपथ दिलाकर जागरूक किया जाएगा।

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास ने बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई व शपथ दिलवाई। बाल विवाह मुक्ति रथ खारा व बीछवाल गाँव, अंत्योदय नगर, नयाशहर आदि क्षेत्रों मे पहुंचा व ग्रामीणों द्वारा रथ का स्वागत किया गया। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति से जंमजय व्यास, हाजरा बानो, सुनीता, किशोर न्याय बोर्ड से किरण गौड़, कमल, चाइल्ड हेल्पलाइन से प्रवेश व राजस्थान महिला कल्याण मंडल से पिंकी जनागल, बाबूलाल, न्याय मित्र अनिल तिवारी, गुरसेवक, एडवोकेट सुनील भाटी मौजूद रहे।

मक्का मस्जिद में रमजान के तीसरे जुमे की नमाज अदा

■ नमाजियों ने एक-दूसरे को दी रमजान की मुबारकबाद, मुल्क में अमन-चैन की दुआ की

नोखा,(निसं)। यहा शहर की मक्का मस्जिद में पवित्र माहे रमजान के तीसरे जुमे पर विशेष नमाज अदा की गई। इस अवसर पर अकीदतमंदों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। जुमे की नमाज को लेकर सुबह से ही नमाजी मस्जिद पहुंचने लगे थे और नमाज के समय पूरा परिसर इबादत में डूबा नजर आया।

नमाज की इमामत मौलाना जमशेद आलम ने की। उन्होंने अपने संबोधन में माहे रमजान की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए लोगों को इंसानियत, भाईचारे और नेक राह पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना इबादत, सब्र और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का अवसर देता है। नमाज के बाद मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली और लोगों की सुकून भरी जिंदगी के लिए विशेष दुआ भी मांगी गई। नमाज के बाद मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली और लोगों की सुकून भरी जिंदगी के लिए विशेष दुआ भी मांगी गई। मौलाना जमशेद आलम ने नमाजियों से अपील की कि वे रमजान के पवित्र महीने में अधिक से अधिक इबादत करें और जरूरतमंदों की मदद करें। उन्होंने कहा कि समाज में शांति, भाईचारा और आपसी सम्मान बनाए रखना हर इंसान की जिम्मेदारी है। नमाज के बाद मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली और लोगों की सुकून भरी जिंदगी के लिए विशेष दुआ भी मांगी गई। इस दौरान नमाजियों ने देश और समाज की तरक्की के लिए भी प्रार्थना की। इस अवसर पर समाज के कई प्रमुख लोग भी मौजूद रहे। इनमें मेहताब मोर पठान, सदर जाकिर हुसैन, महबूब छीपा, मोहम्मद अली, रिंकू पेंटर, बाकीर अली, साबिर, साइन, सईद कुरैशी, अनीश मिरासी और साबिर सिक्का सहित बड़ी संख्या में नमाजी शामिल थे।

शाकद्वीपीय सार्वभौम पंचांग का विमोचन

■ नव विक्रम संवत 2083 अंग्रेजी वर्ष 2026 -27 के सार्वभौम भास्कर पंचांग का विमोचन

बीकानेर (निसं)। सार्वभौम शाकद्वीपीय कल्याण समिति द्वारा मुख्य पंडित श्री विमल कुमार मिश्र के निर्देशन ने निर्मित नव विक्रम संवत 2083 अंग्रेजी वर्ष 2026 -27 के सार्वभौम भास्कर पंचांग का विमोचन आज बीकानेर में राजस्थान प्रांतीय शाकद्वीपीय महासभा कार्यालय में हुआ

पंचांग का विमोचन करते हुए समाजसेवी कल्याण फाउंडेशन की निदेशक कामिनी विमल भोजक ने कहा कि सनातन संस्कृति का आधार होते है पंचांग इनसे हमारे जीवन के समस्त उतार चढ़ाव और त्यौहार को विशिष्ट समय में पूजन करने का मार्गदर्शन देता है हम गौरांवित है कि शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज अपनी परम्परा और विधा का बखूबी निर्वहन कर रहा है

राजस्थान प्रांतीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष गणेशदास सेवग ने कहा कि शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा निर्मित पंचांग अपनी गणनाओं के कारण विश्वशनीय है इसमें सुझाए गए मुहूर्त और व्रत विधान की गणना सटीक है शाकद्वीपीय ब्राह्मण बंधु ट्रस्ट अध्यक्ष आर के शर्मा ने कहा कि बंगाल की धरती पर शाकद्वीपीय पंडितों और पंचांग निर्माताओं द्वारा शास्त्रार्थ करके पंचांग का निर्माण किया जाता है जिसमें आज के समय अनुसार व्रत मुहूर्त का समावेश किया जाता हैवरिष्ठ समाजसेवी दुर्गादत भोजक ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमे अपनी विद्या और कौशल का बखूबी निर्वहन करना चाहिएकार्यक्रम का संचालन महासभा महासचिव राजेश शर्मा ने कियाइस अवसर पर नितिन वत्सस, जितेंद्र भोजक सहित समाज के गणमान्य जन उपस्थित थे

धर्मयात्रा 19 को निकाली जाएगी

बीकानेर(निसं)। चैत्र शुक्ल में इस बार 19 मार्च को धमर्यात्रा निकाली जाएगी। यह धमर्यात्रा पूर्व निर्धारित मार्ग से एम.एम. ग्राउंड से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जूनागढ़ पहुंचेगी। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर समाज के लोगों द्वारा स्वागत, तिलक एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था की जाएगी। इस धमर्यात्रा में विभिन्न सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, युवाओं, मातृशक्ति तथा विभिन्न समाजों की सहभागिता रहेगी। पारंपरिक वेशभूषा, आकर्षक झांकियां और धार्मिक वातावरण के साथ यह आयोजन पूरे शहर में आस्था, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक एकता का संदेश देगा। पत्रकार वार्ता में गणेश बोथरा ने बताया कि समिति की ओर से बीकानेर महानगर के सभी नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर भगवा ध्वज लगाकर भारतीय नव वर्ष का स्वागत करें, घरों में दीप प्रज्वलित करें तथा परिवार सहित धमर्यात्रा में शामिल होकर इस उत्सव को भव्य और सफल बनाएं।

करणी औद्योगिक क्षेत्र की 29 इकाइयों से रोज 260 केएलडी प्रदूषित पानी निकल रहा

■ जिन उद्योगों में ईटीपी काम नहीं कर रहे वे बंद होंगे

■ केंद्रीय भू जल बोर्ड ने भी जिला कलेक्टर से एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है।

बीकानेर,(निसं)। यहां करणी औद्योगिक विस्तार में प्रदूषित जल की निकासी करने वाली 29 औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है। केंद्रीय भू जल बोर्ड ने भी जिला कलेक्टर से एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है। करणी औद्योगिक क्षेत्र प्रथम, द्वितीय और एसजीसी (स्प्रीट ग्रोथ सेंटर) का प्रदुषित पानी करणी विस्तार के करीब 62 बीघा में सालों से पसरा पड़ा है। इसका निस्तारण करने के लिए एनजीटी के फैसले के बाद पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने राज्य स्तरीय पर्यावरण निगरानी एवं प्रत्युत्तर समिति का गठन किया है। इस समिति की पहली बैठक के मिनिट्स जारी हो गए हैं, जिसमें रीको और प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ सख्त निणर्य लिए गए हैं। मिनिट्स की कॉपी भास्कर के पास मौजूद है, जिसमें सीईटीपी की स्थापना की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने के निर्देश रीको को दिए गए हैं।

पर्यावरण स्वीकृति के तहत जीरो लिक्विड डिस्चार्ज आधारित तंत्र अनिवार्य कर दिया गया है। छह माह के भीतर सीईटीपी की स्थापना नहीं करना निरंतर उल्लंघन की श्रेणी में माना जाएगा। इस मामले में पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की ओर से समिति को रिपोर्ट दी गई है, जिसमें साफ लिखा गया है कि बिना उपचार अपशिष्ट जल का निस्तारण किया जा रहा है।

व्यक्तिगत ईटीपी (ईफल्यूएंट ट्रीटमेंट प्लांट) का प्रदर्शन भी अपर्याप्त है। इसे देखते हुए सीईटीपी (कॉमन ईफल्यूएंट ट्रीटमेंट प्लांट) की विधि सम्मत स्थापना को आवश्यक बताया गया है। राज्य स्तरीय समिति ने जरूरत पड़ने पर उन उद्योगों को बंद करने के निर्देश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को दे दिए हैं, जिनमें ईटीपी काम नहीं कर रहा है। रीको के करणी औद्योगिक क्षेत्र में 29 इकाइयों से प्रदूषित जल की निकासी होती है। समिति के फैसले से औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

केंद्रीय भू जल प्राधिकरण की ओर से राज्य स्तरीय समिति को दी गई रिपोर्ट के आधार पर समिति ने जिला कलेक्टर से रीको औद्योगिक क्षेत्र में भू जल दोहन के संबंध में एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ अनधिकृत बोरवेल को तत्काल सीज करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा रीको से भूजल दोहन एवं आपूर्ति की स्थिति के संबंध में 14 दिन में विस्तृत लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। दूसरी तरफ समिति के निर्देश के बाद जिला कलेक्टर ने सभी उपखंड अधिकारियों को पत्र लिखकर अनधिकृत भूजल दोहन के संबंध में कार्यवाही की सूचना मांगी है। भूजल दोहन के लिए जिले में 32 व्यावसायिक इकाइयों के पास एनओसी है। रीको की ओर से एनओसी के लिए किए गए आवेदन भी निरस्त कर दिए गए हैं। बिना अनुमति भूजल दोहन को अवैध माना गया है।

रीको के करणी औद्योगिक क्षेत्र में प्रथम, द्वितीय और एसजीसी का सर्वे हो चुका है। इनमें 29 औद्योगिक इकाइयों से प्रदूषित पानी निकलता है। इसमें अधिकांश वूलन इंडस्ट्रीज हैं। करणी में कुल 361 इकाइयां संचालित हैं। इन इकाइयों का पानी करणी विस्तार में जमा होता है।

हैरानी की बात है कि करणी विस्तार का अब तक सर्वे ही नहीं हो पाया है। वहां भी वूलन और फूड इंडस्ट्रीज से प्रदूषित पानी निकलता है। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की। जीरो लिक्विड डिस्चार्ज का पालन नहीं किया जा रहा। ग्रीन बेल्ट तक विकसित नहीं की गई है। ग्रे वॉटर और ब्लैक वाटर का मिश्रण हो रहा है। वर्षा जल निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। यही कारण है कि करणी विस्तार के 62 बीघा क्षेत्र में केमिकल युक्त प्रदूषित पानी पसरा पड़ा है, जिसका असर आसपास की फूड इंडस्ट्रियों पर पड़ रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई निविदा सूचना

वरि. मंडल बिजली इंजीनियर/टीआरडी. उ. प. रेलवे बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। 1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: http://www.ireps.gov.in 2. ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय: 01.04.2026 को 15.00 बजे तक। 3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय: 01.04.2026 को 15.00 बजे के बाद। **Tender Notice No.** 42-TRD-BKN-ETender-2025-26 **Name of work:** TRD modification work in c/w Goods shed. Additional Platform & FOB and Ballast less track work at Hanumangarh station of Bikaner Division. **Approx. Cost of the work:** 70,69,858.61, **EMD/SD (Rupees):** 1,41,400.00, सं. 42-TRD-BKN-ETender-2025-26, Dated: 05.03.2026 **329-PM/26**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/5198 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक :5-3-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सिमरन मदान एवं जिया मदान पुत्रीयां श्री नवनीत मदान निवासी 71 लक्ष्मीनगर, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 39/41 के किला नं. 07 में माप 30 इन्टू 65 फीट भूखण्ड संख्या बी-80, लक्ष्मीनगर, श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का आवासीय का पट्टा संख्या 2600 दिनांक 06.2.2013 को श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज के नाम से जारी है।	सिमरन मदान एवं जिया मदान द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 25.06.2020 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में सिमरन मदान एवं जिया मदान पुत्रीया श्री नवनीत मदान निवासी 71 लक्ष्मीनगर, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/1359 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्र. :- नियमन/2026/5193 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 05.03.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गौरीशंकर पुत्र श्री ज्योति राम निवासी म.नं. 4-सी-29, जवाहरनगर, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 4/5 के किला नं. 23 में माप 30 इंटू 75 फीट में से माप 15 इंटू 75 फीट भू.सं. 155 पार्ट, श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का आवासीय पट्टा सं. 6579 दिनांक 18.9.2017 को श्री इमीलाल पुत्र श्री निकूराम के नाम से जारी है।	श्री गौरीशंकर द्वारा पंजीकृत बैयनामा दिनांक 04.09.2025 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखंड के नामांतरण बाबत न्यास में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्री गौरीशंकर पुत्र श्री ज्योति राम निवासी म.नं. 4-सी-29, जवाहरनगर, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/ दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा।

आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/1020 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कोटपूतली में टैंकर से केमिकल खाली करते समय फैक्टरी में भीषण आग लगी

केशवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एरोमेटिक एग्रो एलाइड कम्पनी की घटना, नुकसान का पता नहीं लगा

कोटपूतली, (निसं)। जिले के केशवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एरोमेटिक एग्रो एलाइड कम्पनी में शुक्रवार दोपहर केमिकल टैंक में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और प्लांट से उठती ऊंची लपटें व धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने से पहले तेज धमाके की आवाज भी सुनाई दी। आग बुझाने के लिये बहरोड़, कोटपूतली, पावटा, नीमराणा व बानसूर से दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची, जिनकी मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

जानकारी के अनुसार हादसा टैंकर से केमिकल खाली करते समय रिसाव होने के कारण हुआ। इसी दौरान धमाके के साथ आग लग गई और तेज हवा के कारण लपटें तेजी से फैल गईं। आग केमिकल से भरे एक हिस्से में लगने के कारण कुछ ही देर में धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। सुरक्षा के मद्देनजर फैक्टरी परिसर के आसपास मौजूद लोगों को दूर कर दिया गया। वहीं बचाव के तौर पर पड़ौसी कंपनी श्रीनाथ लाइफ साइंस में रखे केमिकल के ड्रमों पर भी पानी का छिड़काव किया गया, ताकि आग वहां तक नहीं पहुंचे। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। वहीं प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा हुआ है। घटना में हुये नुकसान का आकलन अभी नहीं हो पाया है।

जिला कलैक्टर प्रियंका गोस्वामी ने बताया कि केशवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी में अज्ञात कारणों से आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग की सहायता से आग पर नियंत्रण पाया गया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई, एडीएम ओ.पी. सहारण, एएसपी नाजिम अली, एसडीएम रामावतार मीणा, तहसीलदार रामधन गुर्जर सहित विभिन्न थानों की पुलिस भी मौजूद रही। आग पर काबू पाने के बाद फायर ऑफिसर ने टीम के साथ फैक्टरी के अंदर जाकर स्थिति का जायजा लिया।

दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

- बहरोड़, कोटपूतली, पावटा, नीमराणा व बानसूर से दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची, जिनकी मदद से आग पर काबू पाया
- फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई है

सरसों के तेल से भरा टैंकर पलटा, केबिन में फंसा ड्राइवर

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना इलाके में शुक्रवार को सरसों के तेल से भरा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में टैंकर ड्राइवर घायल हो गया। टैंकर पलटने की सूचना मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण खाली बर्तन, बाल्टी और ड्रम लेकर मौके पर पहुंच गए और तेल लूटने की होड़ मच गई जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने खदेड़ा और ड्राइवर को हॉस्पिटल पहुंचाया।

घटना गोगुंदा थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे 27 पर कीर्तिराज होटल के पास शुक्रवार सुबह आठ बजे की है। जहाँ सरसों के तेल से भरा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में टैंकर ड्राइवर भाई ठाकुर (40) निवासी पालनपुर, गुजरात घायल हो गया। इस दौरान वह केबिन में बुरी तरह से फंस गया। घटना की सूचना मौके पर गोगुंदा थाना पुलिस के उपनिरीक्षक हितेश यादव जाब्ते के साथ पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने एक्शन लेते हुए तेल भर रहे लोगों को मौके से खदेड़कर स्थिति को काबू किया। इसी के साथ पुलिस ने केबिन में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला और हॉस्पिटल पहुंचाया। पुलिस ने क्रेन की मदद से टैंकर को साइड में खड़ा करवाया। जानकारी के अनुसार टैंकर गुजरात के कांडला से सरसों का तेल लेकर मध्यप्रदेश के नीमच जा रहा था। इसी दौरान गोगुंदा हाईवे पर टैंकर अनियंत्रित हो गया। माना जा रहा है कि ड्राइवर ने ढलान पर टैंकर को न्यूट्रल कर दिया, जिससे टैंकर बेकाबू होकर चट्टान से टकराया गया।

जोधपुर में दो साल से फरार तस्कर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। फलोदी पुलिस ने एमडीएमए तस्करी के एक मामले में दो साल से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 25.90 ग्राम एमडीएमए बरामद किया गया था। उसके खिलाफ चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा जिलों में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं।

फलोदी के पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह चारण और वृत्ताधिकारी लोहावट नगेंद्र कुमार के सुपरविजन में भोजासर थानाधिकारी जमील खान की टीम ने यह कार्रवाई की। मामला 2 मई 2024 का है, जब भोजासर पुलिस ने ऑपरेशन अनामिका के तहत मिली सूचना पर कार्रवाई की थी। उस समय चाडी निवासी भोमाराम पुत्र रणुराम की जेब से 25.90 ग्राम एमडीएमए बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया था। भोमाराम ने पुलिस पूछताछ में बताया था कि यह अवैध मादक पदार्थ अशोक ने उसे सप्लाई किया था। इसके बाद, सप्लायर अशोक की गिरफ्तारी के लिए भोजासर थानाधिकारी जमील खान के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए नागौर जिले के श्री बालाजी थाना क्षेत्र के सथेरण निवासी अशोक पुत्र फुलाराम को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद, अशोक को अनुसंधान के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ पहले भी चार अन्य मामले दर्ज हैं।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर

पी.एच.ई.डी. कैम्पस, इण्डस्ट्रीयल एरिया, के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानीबाजार, बीकानेर (334001)
फोन नं. 0151-2226475 ई-मेल-pheddriibkn@gmail.com, cediv2.bik.phed@ralasthan.gov.in Latitude 28.0005250 Longitude 73.3249120

क्रमांक :- 7744-59 दिनांक :- 25/02/26

Notice Inviting Bid :- 226 to 232/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 09.03.2026 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http:/eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 180.22 lacs.

NIT No.	226	227	228	229	230	231	232
UBN No.	PHE2526 WSOB 14883	PHE2526 WSOB 14884	PHE2526 WSOB 14885	PHE2526 WSOB 14886	PHE2526 WSOB 14888	PHE2526 WSOB 14890	PHE2526 WSOB 14892

(नरेश कुमार रैगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग
जिला ग्रामीण खण्ड-II बीकानेर

DIPR/C/4580/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर

एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624 E-mail.: eephedscr@gmail.com
कमांकः अ.अ./ जन स्वा./ सॉ/निविदा/2025-26/1749 दिनांकः- 26/02/2026

निविदा सुचना संख्या - 17/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Providing laying, Jointing and Testing DI K-7 pipe line under division Sanchore
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 01 रु. 35.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	26.02.2026 से 09.03.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएं खोलने की तिथी व समय	10.03.2026 को 15.00 बजे से
UBN No	PHE 2526WSOB14574

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर

DIPR/C/4605/2026

राजस्थान सरकार

कार्यालय सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण ईकाई, धौलपुर (राज.)

पताः- प्रथम तल, सान्याअवि परिसर, आर.ए.सी के पास बजरिया रोड़ धौलपुर, पिनकोड़-328001
टेलिफोन नम्बरः- 05642-299112 ई-मेलः icpsdholpur@gmail.com

क्रमांक-जि.बा.सं.इ./ धौलपुर / चाईल्ड हैल्पलाईन एवं हेल्प डेस्क/जोब बेस/ई-निविदा/2025-26/1917
दिनांकः- 27/02/2026

ई-निविदा सूचना सं. 01/2025-26

कार्यालय सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एंव बाल अधिकारिता विभाग धौलपुर के अधीन संचालित चाईल्ड हेल्प लाईन एवं चाईल्ड हेल्प डेस्ट, रेल्वे 1098 (24x7) सेवा के संचालन हेतु एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस पर मानव संसाधन (प्रोजेक्ट मेनेजमेंट यूनिट) उपलब्ध कराने हेतु ई-निविदा के माध्यम से पंजीकृत / रजिस्टर्ड संवेदक / बोलीदाताओं से निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र. सं.	जॉब बेसिस पदों का विवरण	अनुमानित वार्षिक लागत	बोली प्रतिभूति राशि (रूपये में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये में)	ई- निविदा प्रकिया शुल्क (रूपये में)
1	2	4	5	6	7
1	चाईल्ड हेल्प लाईन यूनिट 1098 (24x7) हेतु मानव संशाधन (प्रोजेक्ट कार्डिनेटर (1 पद), काउंसलर (1 पद), चाईल्ड हेल्प लाईन सुपरवाईजर (3 पद) एवं केस वर्कर (3 पद) एवं रेल्वे चाईल्ड हेल्प डेस्क हेतु सुपरवाईजर (3) पद) एवः केस वर्कर (3) पद) उपलब्ध कराने बाबत	38.00 लाख	76000/-	500/-	500/-

NIB NO. CEP2526A0101
UBN NO. CED2026520800101

1	डाक्यूमेंट डाउनलोड प्रारम्भ तिथि एवं समय	27 फरवरी 2026	सांय 4.00 बजे
2	बिड सबमिशन स्टार्ट तिथि एवं समय	27 फरवरी 2026	सांय 5.00 बजे
3	डाक्यूमेंट डाउनलोड की अंतिम तिथि एवं समय	10 मार्च 2026	सांय 5.00 बजे
4	कार्यालय में प्रतिभूति राशि प्रोसेसिंग फीस एवं टेंडर फीस जमा कराने की अंतिम तिथि एवं समय	11 मार्च 2026	दोप. 2.00 बजे
5	बिड समिशन की अंतिम तिथि एवं समय	10 मार्च 2026	सायं 5.00 बजे
6	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	11 मार्च 2026	सायं 5.00 बजे
7	वित्तीय बिड खोलने की तिथि एवं समय	Will be intimate later to the Technically. Qualified Bidders	

निविदा संबंधी विस्तृत सूचना दस्तावेज मय शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। निविदा https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है। तकनीकी निविदा उन्ही निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा निविदा प्रतिभूति राशि का मूल डिमाण्ड ड्राफ्ट जो की Assitant Director, District Child Protection Unit & ch?d Emp. Department Dholpur के नाम एंव धौलपुर में देय हो कार्यालय में भौतिक रूप से जमा कराया जायेगा तथा निविदा प्रपत्र शुल्क ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500/- रूपये Assitant Director, District Child Protection Unit & child Emp. Department Dholpur के नाम से एवं RISL ई निविदा प्रक्रिया शुल्क राशि ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500/- रूपयें Managing Director, RISL, Jaipur (Payable at Jaipur) के नाम से हो निर्धारित तिथी एवं समय तक कार्यालय में प्रस्तुत कर दी गई होगी। यह निविदा निर्धारित तिथि व समय को जो निविदादाता उपस्थित होंगे, के समक्ष खोली जावेगी।

किसी बोली को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति को सम्पूर्ण अधिकार होगा। उक्त निविदा के अन्तर्गत चाहा गया कार्य पूर्णतः जॉब बेसिस आधार पर है और यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया जाता है कि उक्त जॉब बेसिस कार्य हेतु संवेदक द्वारा उपलब्ध करवाये जाने वाले जॉब बेसिस वर्कर भविष्य में स्थायीकरण / राज्य कर्मचारियों के समकक्ष वित्तीय अथवा अन्य परिलाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी आधार पर विधिक अथवा प्रशासनिक रूप से अधिकृत नहीं होगें। यदि इस संदर्भ में जॉब बेसिस वर्करों द्वारा उक्तानुसार अंकित निर्देश व स्पष्टीकरण के विपरित कोई मांग अथवा विधिक दावा किया जाता है, तो उनके द्वारा किया जाने वाला ऐसा प्रयास अन्यथा प्रयोजनवश माना जाकर गैरकानूनी होगा और इसके लिए संबधित संवेदक/फर्म/एजेंसी ही उत्तरदायी होगी, यह कार्यालय / विभांग किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं होगा। तकनीकी एंव वित्तीय निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होने/घोषित होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जावेगी।

सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण ईकाई
एवं बाल अधिकारिता विभाग धौलपुर

DIPR/C/4773/2026

सुसाइड नोट छोड़कर दो बेटियों के साथ महिला लापता

बीकानेर, (निसं)। इंदिरा गांधी नहर किनारे चप्पल-लूगड़ी, सुसाइड नोट और ज्वैलरी छोड़कर महिला अपनी दो बेटियों के साथ लापता हो गई। नहर में कूदकर सुसाइड की आशंका पर एसडीएफआर और गोताखोरों की मदद से सर्च किया जा रहा है। फिलहाल महिला का कोई सुराग नहीं लगा है। सुसाइड नोट में लिखा कि मेरा पति और सास मिलकर मुझे रात में पीटते हैं। घंटों तक होश नहीं आता। मैं अपनी बच्चियों को आत्महत्या करने के लिए साथ ले जा रही हूं। मेरी सास शराब की आदी है, मेरी बच्चियों का वारिस कौन होगा पुलिस से अपील है पति और सास के अलावा किसी और को झूठा दोषी नहीं ठहराया जाए। मैं बहुत परेशान हूं।

खाजूवाला डीएसपी अमरजीत चावला ने बताया कि सतासर के पास नहर किनारे महिला के चप्पल और लूगड़ी मिले हैं। गले के हार से दबा हुआ सुसाइड नोट मिला है। सूचना मिलते ही छतरगढ़ थानाधिकारी नवनीत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के क्षेत्र में जांच शुरू की। फिलहाल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम नहर में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है और युवती का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीण भी अपने स्तर पर महिला की तलाश में पुलिस की मदद कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सुसाइड नोट में ससुराल पक्ष पर मारपीट और परेशान करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस परिजनों पूछताछ के साथ ही सुसाइड नोट में लिखी जानकारी की भी जांच कर रही है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं सुसाइड की आशंका पर नहर में महिला की तलाश की गई।

- सुसाइड नोट में लिखा कि मेरा पति और सास मिलकर मुझे रात में पीटते हैं, घंटों तक होश नहीं आता है
- नहर में कूदकर सुसाइड की आशंका पर एसडीएफआर और गोताखोरों की मदद से सर्च जारी

जैसलमेर में मोहन भागवत ने तीन दिवसीय चादर महोत्सव की शुरूआत की

जैसलमेर, (निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जैसलमेर के डेडानसर मैदान में तीन दिवसीय चादर महोत्सव की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने दादा गुरुदेव आचार्य जिनदत्त सूरी की स्मृति में पांच रुपये का विशेष डाक टिकट जारी किया। डाक टिकट के साथ-साथ एक स्मारक सिक्का और डॉ. विद्युत प्रभा द्वारा लिखित पुस्तक दादा गुरुदेव का भी विमोचन किया गया।

सर्वप्रथम जैन समाज द्वारा भागवत को माला एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर महाराज की निश्रा में आयोजित कार्यक्रम में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक एकात्मता, सामाजिक सद्भाव एवं समरसता में दादागुरु परंपरा का अहम योगदान है। आज सैकड़ों की संख्या में दादाबाड़िया धार्मिक अनुष्ठानों, परंपरा, लेखन, आध्यात्म और संस्कृति की वाहक बनी हुई है। महोत्सव स्थल पहुंचने से पूर्व मोहन भागवत ने जैसलमेर किले में दादा जिनदत्त सूरि की पवित्र चादर का दर्शन किया। मंच से देशभर में चल रहे संघ के शताब्दी वर्ष आयोजन का भी जिक्र हुआ। जैन समाज के चादर महोत्सव की सफलता के लिए मोदी सरकार द्वारा चेन्नई से जैसलमेर स्पेशल रेल का फेरा स्वीकृत कर लगभग 2 हजार श्रद्धालुओं को आने-जाने में मदद की है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 7 मार्च को विश्वभर में एक साथ 1 करोड़ 8 लाख श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक दादागुरु इकतीसा पाठ का महासंकल्प है। आयोजन में संघ के अमृत देया सहित अनगिणित स्वयं सेवकों की उपस्थिति रही।

चादर महोत्सव समिति के चेयरमैन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने भी सम्बोधन दिया। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि ने सम्बोधन में कहा कि दादा जिनदत्त सूरि ने समाज में एकता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने आगे कहा कि देश के युवाओं को सही दिशा और सन्मार्ग की प्रेरणा देना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मंच पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि, आचार्य मनोज्ञसागर सूरि, मंगल प्रभात लोढ़ा, जैसलमेर की पूर्व महारानी रासेश्वरी राज्ये लक्ष्मी, पद्मश्री डॉ. डी. आर. मेहता, तेजराज गोलेच्छा, प्रकाशचंद लोढ़ा और महेंद्र भंसाली मौजूद रहे।

- मोहन भागवत ने चादर महोत्सव पर विशेष डाक टिकट का विमोचन किया

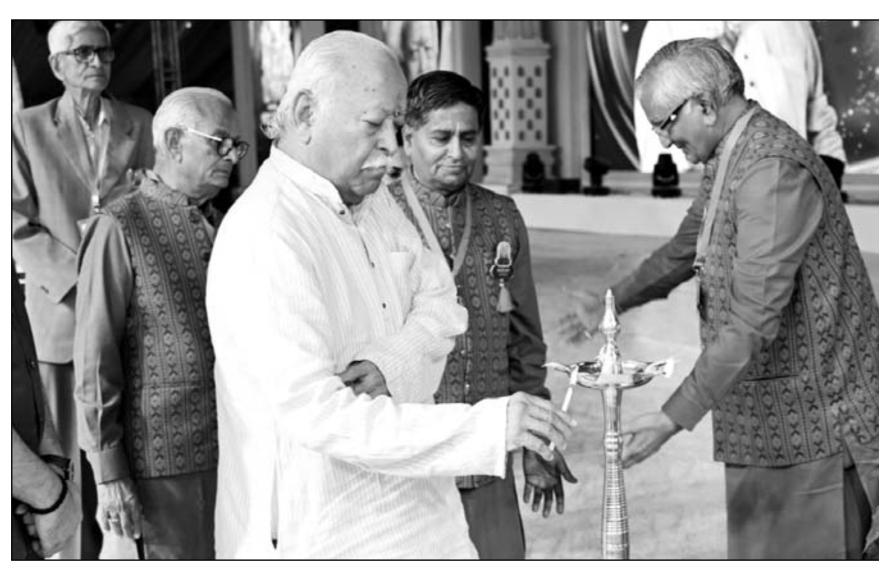

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत सहित अतिथियों ने कार्यक्रम की शुरुआत की।

दुकान से चांदी के जेवर चोरी

गजसिंहपुर, (निसं)। कस्बे की धान मंडी स्थित ज्वैलर्स की दुकान से चांदी के जेवर चोरी हो गए। यह वारदात महिला और पुरुष ने ग्राहक बनकर अंजाम दी। चोरी की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी ग्राहक बनकर दुकान पर आए थे। उन्होंने चांदी की पाजेब सहित अन्य जेवर देखने शुरू किए। एक पाजेब पसंद करने का बहाना बनाकर उन्होंने दुकानदार से उसका मूल्य पूछा। दुकानदार जैसे ही कीमत पता करने के लिए काउंटर की ओर बढ़ा, महिला ने इस मौके का फायदा उठाया। महिला ने चुपचाप लिफाफे में रखे चांदी के जेवर उठा लिए। कुछ देर बाद दोनों दुकान से निकलकर फरार हो गए। जब दुकानदार को कुछ शक हुआ, तो उसने सीसीटीवी फुटेज देखी। फुटेज में महिला द्वारा जेवर उठाते हुए चोरी की पूरी घटना रिकॉर्ड मिली। दुकान मालिक ने चोरी का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी कर दी। दोनों आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

महिला की मौत पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

अनूपगढ़, (निसं)। घडसाना पंचायत समिति के गांव खानुवाली निवासी सुदेश कुमारी की 25 फरवरी को डिलीवरी के दौरान मौत हो गई थी। बच्चे की भी जान नहीं बचाई जा सकती थी।

मामले में परिजनों और ग्रामीणों ने डॉक्टर्स के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाया है। इसको लेकर उन्होंने घडसाना के एसडीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी निजी अस्पताल के डॉक्टर राजेश गौड़ और सरकारी अस्पताल के एक डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर द्वारा फर्जी रेफर कार्ड बनाया गया था। एसडीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन की सूचना पर एडीएम अशोक सांगवा और डीएसपी प्रशांत कौशिक पीड़ित परिवार से बातचीत करने मौके पर पहुंचे। पीड़ित परिवार दोषियों के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज करने की मांग पर अड़ा है।

युवक का शव मिला

बीकानेर, (निसं)। सदर थाना पुलिस को मकान की पहली मंजिल पर एक व्यक्ति का शव मिला है, जिसके दो-तीन पुराना होने की आशंका जताई जा रही है। सादुल कॉलोनी में एक्स-रे वाली गली के पास विवेक सहल का मकान है। गुरुवार को पड़ोसियों को मकान से दुर्गंध आने लगी तो शक हुआ और सदर थाना पुलिस को फोन किया और पुलिस मौके पर पहुंची।

टोंक में मकान से 300 किलो नकली घी पकड़ा

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस स्पेशल टीम एवं चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने संयुक्त कार्रवाई कर गुरुवार शाम को निवाई थाना क्षेत्र के एक मकान से विभिन्न ब्रांड के नकली घी का जखीरा पकड़ा है।

डीएसटी टीम ने बताया कि काली का बाग रोड निवाई में एक मकान पर छापामार कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में नकली घी पकड़ा। बाद में जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर को बुलाया गया। इनमें सरस, कृष्णा, लोटस, सहित विभिन्न ब्रांड के देसी घी के टीन किए जब्त किए हैं, विभाग के अनुसार, 300 किलो नकली घी और 300 किलो पाम ऑयल जब्त किया गया है। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर ने बताया कि निवाई में मीठा लाल गुर्जर का मकान में घी का जखीरा मिला है, इसके साथ सरस के पैकिंग मेटेरियल मिला है, जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कार्रवाई में लोटस के 14 टीन, सरस के 3 टीन, कृष्णा के आधा-आधा लीटर के 17 पैकेट, 1-1 लीटर के 17 पैकेट, पाम ऑयल के 10 टीन जप्त किये है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि यह घी बरवाड़ा से तैयार होकर यह सप्लाई होता था यहां सरस घी के रेपर भी मिले हैं, जो प्रारंभिक तौर पर यह नकली ही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी गुर्जर ने बताया कि इस मामले में नमूनों की जांच आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

- सरस, कृष्णा, लोटस, सहित विभिन्न ब्रांड के देसी घी के टीन जब्त किए

जिला पुलिस स्पेशल टीम एवं चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने मकान में छापा मारकर नकली घी जब्त किया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN

File No. 4320-28 Date: 26/02/2026

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 13/2025-26) for "Construction and Development of Sports Stadium in Hindaun District Karauli" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 10.03.2026. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 126.05 lacs.

NIB NO.-PWD2526A5928
UBN NO. PWD2526WSOB24636

(Lalit Kumar Meena)
Executive Engineer
PWD Division Hindaun

DIPR/C/4614/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI

PH NO.-07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for transportation of water through tanker under Division Karauli are invited from interested bidders up to 09.03.2026 other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE:-PHE2526A6919

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	169/2025-26	PHE2526WSOB14946	2	170/2025-26	PHE2526WSOB14947
01	Total work		02		
02	Total Estimate Cost		40.00 Lac		
03	Bid submission end date		09.03.2026 up to 12.00 PM		
04	Bid opening date		09.03.2026 at 04.00 PM		

(Vijay Kumar Meena) Executive Engineer
PHED Division Karauli

DIPR/C/4910/2026

Office of the G.K. Gowani Govt. College Bhinmal, Dist.-Jalore (Raj)

E-mail:- gkggc66bhinmal@gmail.com Phone:-02969-220041
Letter N:- 206 Date:27-02-26

NOTICE INVITING BID

Bids for Verious Items is invited from interested bidders. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in and https://eproc.rajasthan.gov.in. The approximate value of the procurement is below-

S.N.	UBN	Bid Submit Date and Time	Amount
1.	ECD2526WSOB00529	27.02.2026 TO 10.03.2026 AT 10 AM	3.00 Lakh
2.	ECD2526WSOB00530	27.02.2026 TO 10.03.2026 AT 10 AM	1.20 Lakh
3.	ECD2526GLOB00531	27.02.2026 TO 10.03.2026 AT 10 AM	40.00 Lakh
4.	ECD2526GLOB00532	27.02.2026 TO 10.03.2026 AT 10 AM	24.00 Lakh

Principal
Govt. College Bhinmal

DIPR/C/4829/2026

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राज0 जयपुर (राईस) द्वारा संचालित

कार्यालय प्रधानाचार्य देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय देवलेन जिला करौली

ई-मेल-SHRAWANGARGSITAPUR@GMAIL.COM, Mob. 9166232666

क्रमांक-निविदा 2025-26/590 दिनांक- 27.02.2026

खुली निविदा सूचना संख्या- 09/2025-26

राजस्थान रेजिडेन्सियल एजुकेशन इन्सटीट्यूशनल सोसायटी (राईस) जयपुर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन संचालित देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय, देवलेन जिला करौली में Rajasthan Transparency in Public Procurement Act 2012 तथा Rajasthan Transparency In Public Procurement Rule 2013 एवं मानव संसाधन की सेवाओं के उपापनों के संबंध में वित विभाग के आदेश कमांक एफ.2 (1) वित्त / एसपीएफसी/2017 जयपुर दिनांक 30.04.2018, 09.07.2021 एवं एफ2 (1)/एफडी/एसपीएफसी/2017 जयपुर दिनांक 14.11.2018 के तहत विविध मानव सेवा (चौकीदार, प्लम्बर व इलेक्ट्रिशियन, मैस कर्मी (हेड कुक, कुक), सफाईकर्मी, बागवान, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं प्रयोगशाला सेवक कार्य) की सेवाएं कार्यादेश जारी होने की दिनांक से एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस पर उपलब्ध करवाये जाने हेतु इच्छुक श्रम आपूर्ति कर्ताओं / स्वयं सहायता समूहों / संवेदकों से निम्नानुसार ई निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	जॉब बेसिस कार्य का नाम	स्वीकृत छात्रा संख्या	कार्मिकों की संख्या	अनुमानित राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रोसेसिंग राशि	अमानता राशि (2 प्रतिशत)
1	चौकीदार-4, प्लम्बर व इलेक्ट्रिशियन-1. मैस कर्मी (हेड कुक-1, कुक-4), सफाईकर्मी-3, बागवान-1. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी-3 एवं प्रयोगशाला सेवक-2	280	19	27 लाख	1000/-	500/-	54000/-
2	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डेटाशीट इत्यादि डाउनलोड करने की तिथि व समय					27.02.2026, 01 PM	
3	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि व समय					27.02.2026, 01 PM	
4	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डेटाशीट अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय					09.03.2026, 02 PM	
5	अमानता राशि, निविदा शुल्क, आर.आई.एस.एल. प्रकिया शुल्क एवं निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय					09.03.2026, 04 PM	
6	तकनीकि निविदा खोलने की तिथि व समय					10.03.2026, 11 AM	

ऑनलाइन बिडिंग के लिये निविदादाता का सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर होना आवश्यक है। निविदा दस्तावेज मय शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। तकनीकी निविदा उन्हीं निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा निर्धारित दिनांक एवं समय तक निविदा प्रतिभूति राशि 54000/- रु. के डिमाण्ड ड्राफ्ट (Principal Devnarayan Govt. Girls Residential School Devien, Karauli के नाम) एवं निविदा प्रपत्र शुल्क राशि 1000/-रू के डिमाण्ड ड्राफ्ट / ई-ग्रास भुगतान चालान (Principal Devnarayan Govt. Girls Residential School Devlen, Karauli के नाम) तथा ई. निविदा प्रोसेसिंग प्रक्रिया शुल्क 500/-रू के डिमाण्ड ड्राफ्ट/ई-ग्रास भुगतान चालान Managing Director RISL jaipur (payable at jaipur) के नाम कार्यालय में बंद लिफाफे में डाक द्वारा अथवा व्यक्तिशः मूल जमा करवाये हो। तकनीकी/वित्तीय निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित हो जाने अथवा तकनीकी समस्या होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। उक्त निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अथोहस्तारकर्ता को होगा। निविदा प्रपत्र में वांछित समस्त कॉलमो की पूर्ति अनिवार्य होगी। किसी भी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार उपापन समिति को होगा। निविदा प्रपत्र को वेबसाइट htpp://eproc.rajasthan.gov.in एवं htpp://sppp.rajsthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। इन निविदाओ में भाग लेने वाले संवेदकों को निविदा इलैक्ट्रोनिक फार्मेट में वेबसाइट htpp://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते कार्यालय में कार्यालय समय एवं www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN NO. SOC2526SLOB00442
NIB-SOC2526A0411

प्रधानाचार्य
देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय
देवलेन, जिला करौली

DIPR/C/4735/2026

स्वदेशी की ताकत से भारत बनेगा दुनिया की महाशक्ति : भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री मोदी का ''मेक इन इंडिया'' का उद्घोष बना आत्मनिर्भर भारत का आह्वान : मुख्यमंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वदेशी हमारी संस्कृति का हिस्सा है और यह हमारी सनातन परंपरा है। स्वदेशी की इसी ताकत से हमारा देश आत्मनिर्भर बनने के साथ ही दुनिया की महाशक्ति बनेगा। शर्मा शुक्रवार को जगतपुरा में स्वदेशी जागरण मंच के उद्यमी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि स्वदेशी और स्वावलंबन भारत की आत्मा में हजारों वर्षों से समाए हुए है। सदियों पहले जब यूरोप के देश व्यापार के नाम पर दुनिया में भटक रहे थे, तब भारत के मुर्शिदाबाद की मलमल, बनारस का रेशम, राजस्थान की लहरिया और बंधेज पूरी दुनिया के बाजारों की शान थे।उन्होंने कहा कि इसी पहचान और आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी जागरण मंच लगातार परिश्रम कर रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड का उद्घोष कर पुनर्जागरण का आह्वान किया है। कोरोना के समय हमारे देश ने दुनिया के कई देशों को दवाइयां और वैक्सीन भेजी। यह आत्मनिर्भर भारत की ताकत थी और प्रधानमंत्री की उस सोच का परिणाम भी जिसने भारत को उपभोक्ता से उत्पादक बनाने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग और कार्यों से देश आत्मनिर्भरता में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जगतपुरा में स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित उद्यमी सम्मान समारोह में भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का आगाजा किया।

- **भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''सदियों पहले जब यूरोप के देश व्यापार के नाम पर दुनिया में भटक रहे थे, तब भारत के मुर्शिदाबाद की मलमल, बनारस का रेशम, राजस्थान की लहरिया और बंधेज पूरी दुनिया के बाजारों की शान थे।''**

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। विश्व में देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई है। आज भारत रक्षा क्षेत्र से लेकर सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर बन रहा है। यह प्रधानमंत्री की नीतियों, दृढ़ इच्छाशक्ति और देशवासियों की मेहनत का ही फल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े उद्योगों के साथ ही छोटे एवं स्थानीय उद्यमियोंसे आत्मनिर्भरता आती है। यही स्वदेशी की आत्मा और ग्रामोद्योग की ताकत है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों की खरीददारी से उस उत्पाद से जुड़ीपूरी श्रृंखला को सहारा मिलता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने स्थानीय उत्पादोंको बढ़ावा देने के लिए पंच गौरव कार्यक्रम लागू किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले वर्ष में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। जिसके तहत 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश एमओयू हुए। इनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की हस्तशिल्प कला भी हमारी पहचान है, जिसके उत्पादों की विश्व में मांग है। वहीं किले, महल, अभ्यारण्य और मंदिरों से हमारा पर्यटन क्षेत्र निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियों हमारी धरोहर है।हमारी सरकार इन हवेलियों को चिन्हित करते हुए इनके संरक्षण का काम कर रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक आर. सुंदरम, राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल, अखिल भारतीय महिला प्रमुख अर्चना मीणा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जयपुर प्रांत के संघचालक महेन्द्र सिंह मग्गोसहित प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

राजस्थान विधानसभा में पारित हुआ ''डिस्टर्ब एरिया बिल''

दंगा-सांप्रदायिक तनाव वाले इलाकों में एडीएम-एसडीएम की मंजूरी के बिना प्रॉपर्टी खरीद-बेच नहीं सकेंगे

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा में शुक्रवार को बहस के बाद डिस्टर्ब एरिया बिल पारित कर दिया गया। ''द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ ट्रांसफर ऑफ इमूवेबल प्रॉपर्टी एंड प्रोविजन फोर प्रोटेक्शन ऑफ टेनेन्ट्स फ्रॉम एविक्शन फ्रॉम प्रिमाइसेज इन डिस्टर्ब्ड एरियाज बिल, 2026'' के प्रावधानों के तहत राज्य सरकार दंगा प्रभावित इलाकों को डिस्टर्ब एरिया घोषित कर सकेगी। डिस्टर्ब एरिया में एडीएम या एसडीएम की मंजूरी के बिना कोई भी प्रॉपर्टी की खरीद और बेचान नहीं हो सकेगा, न रजिस्ट्री हो सकेगी।

बिल के प्रावधानों के अनुसार, दंगा प्रभावित और जनसंख्या असंतुलन से हिंसा के हालात बनने पर एक क्षेत्र, कॉलोनी या वार्ड को डिस्टर्ब एरिया घोषित किया जाएगा। क्षेत्र विशेष को डिस्टर्ब एरिया घोषित किए जाने के बाद वहां एडीएम-एसडीएम की मंजूरी के बिना प्रॉपर्टी की खरीद-बेचान नहीं किया जा सकेगा। बिना अनुमति अगर प्रॉपर्टी का ट्रांसफर हो भी जाता है तो उसे अमान्य कर शून्य घोषित किया जा सकेगा। बिल में समुदाय विशेष की जनसंख्या बढ़ने और डेमोग्राफी प्रभावित होना भी डिस्टर्ब एरिया घोषित करने का आधार बन सकता है।

- **बिल के प्रावधानों के मुताबिक एडीएम-एसडीएम की मंजूरी के बिना अगर प्रॉपर्टी का ट्रांसफर हो भी जाता है तो उसे अमान्य कर शून्य घोषित किया जा सकेगा।**
- **इस बिल में समुदाय विशेष की जनसंख्या बढ़ने और डेमोग्राफी प्रभावित होना भी डिस्टर्ब एरिया घोषित करने का आधार बन सकता है। हालांकि बैंकों और वितीय संस्थानों के पास गिरवी प्रॉपर्टी पर कानून लागू नहीं होगा।**

बाजार दर से कम पर प्रॉपर्टी नहीं बिकेगी

ऐसे इलाकों में एडीएम-एसडीएम से मंजूरी मिलने के बाद ही प्रॉपर्टी ट्रांसफर हो सकेगी। डिस्टर्ब एरिया में एडीएम-एसडीएम संबंधित प्रॉपर्टी के बारे में पूरी रिपोर्ट ली जाएगी। अफसर यह सुनिश्चित करेंगे कि बाजार कीमत से कम में प्रॉपर्टी नहीं बिके। किसी दबाव में या स्थानीय लोगों के दबाव में प्रॉपर्टी नहीं बिके यह भी जांच होगी। डिस्टर्ब एरिया में एडीएम-एसडीएम प्रॉपर्टी खरीद-बेचान के आवेदन पर 3 महीने में फैसला करेंगे, इस अवधि को बढ़ाया भी जा सकेगा।

कानून के उल्लंघन पर सजा व जुर्माना

राज्य सरकार द्वारा बनाए गए कानूनी प्रावधानों के उल्लंघन पर 3 से 5 साल की सजा, 1 लाख जुर्माना कानून के इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर अपराध गैर जमानती और संज्ञेय होगा, जिसमें 3 साल से 5 साल तक जेल और जुर्माने की सजा होगी। साथ ही 1 लाख तक जुर्माना भी लगेगा।

हालांकि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के प्रॉपर्टी गिरवी होने पर यह कानून लागू नहीं होगा। डिस्टर्ब एरिया में गिरवी प्रोपर्टीज को बैंक और एनबीएफसी नीलाम कर सकेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि, दंगे नहीं तो डिस्टर्ब एरिया घोषित नहीं होगा। प्रॉपर्टी का बाजार मूल्य मिल रहा है या नहीं, बाजार मूल्य से कम नहीं मिले। अफसर यह देखेगा कि प्रॉपर्टी बाजार मूल्य से कम में नहीं मिले। यह कानून कमजोर लोगों की रक्षा करता है। पटेल ने कहा कि जोधपुर में एक ऐसा भी क्षेत्र है, जहां कोई घुस नहीं सकता। राजस्थान में ऐसे क्षेत्र लगातार बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस सत्ता में आई तो खत्म करेंगे कानून : डोटासरा

जयपुर (विसं)। डिस्टर्ब एरिया बिल का विरोध करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सदन में कहा कि, ''2028 में कांग्रेस सत्ता में आएगी तो इस बिल को खत्म करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि, सरकार धार्मिक उन्माद फैलाकर ऐसे बिल लाकर बहुसंख्यक वोटों को अपनी तरफ करके गुजरात का मॉडल यहां पर अपनाने जा रही है। जमीन जायदाद पर सरकार की नजर है, इससे बड़ा दुर्भाग्य नहीं हो सकता। संपत्ति खरीद बेचने के अधिकार संविधान से हमें मिले हैं। इस पर सरकार का नियंत्रण करना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए शांत क्षेत्र को अशांत करने का षड्यंत्र है।''

डोटासरा ने कहा कि डिस्टर्ब एरिया कौन सा होगा, समुदाय विशेष कौन सा होगा ,जिससे डिस्टर्ब करना चाहते हो? 2028 में कांग्रेस सत्ता में आएगी, हम इस बिल को खत्म करेंगे। राजस्थान में यह परंपरा है, अगली बार हम आएंगे। राजस्थान में आपकी सरकार है फिर भी ऐसा बिल लाकर राजस्थान को क्यों जलाना चाह रहे हो।डोटासरा ने कहा कि इस बिल के जरिए आप समुदाय विशेष को इंगित करना चाहते हैं, आपकी मंशा क्या है? कानून में मंशा स्पष्ट करनी पडेगी, जो नहीं की गई है। इस बिल की धारा 5 में जिस तरह के प्रावधान है, उससे भ्रष्टाचार के दरवाजे खुल जाएंगे। कोर्ट में भी नहीं जा सकेंगे।

बूंदी के कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने तो बहस के दौरान यहां तक कह दिया कि, ''अगर राजस्थान में सांप्रदायिक दंगे होते हैं तो उसकी जिम्मेदार मौजूदा सरकार होगी।'' उनकी इस टिप्पणी के बाद सदन में माहौल गर्मा उठा, मंत्री अविनाश गहलोत और पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी समेत सत्ता पक्ष के तमाम विधायकों ने उनके बयान पर कड़ी नाराजगी जताई।

कलेक्टर और एसपी ने क्या कोर्ट को पोस्ट ऑफिस समझ रखा है : हाईकोर्ट

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने पैरोल प्रार्थना पत्रों को लापरवाही से खारिज करने से जुडे मामले में भरतपुर कलेक्टर और एसपी पर नाराजगी प्रकट की। अदालत ने कहा कि आप लोगों ने कोर्ट को क्या पोस्ट ऑफिस समझ रखा है। आपके इसी रवैये के चलते कोर्ट में पैरोल से जुडे प्रकरण लगातार बढ़ रहे हैं और हम जरूरी मामलों की सुनवाई नहीं कर पाते हैं। जस्टिस महेन्द्र गोयल व जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह टिप्पणी शुक्रवार को अनिल कपूर उर्फ रिंकू की याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

सुनवाई के दौरान अदालत आदेश की पालना में भरतपुर कलेक्टर व एसपी कोर्ट में हाजिर हुए। अदालत ने दोनों अफसरों को कहा कि वे इन मामलों में अपना मस्तिष्क काम में क्यों नहीं लेते हैं। मौजूदा मामले में याचिकाकर्ता कैदी 12 साल की सजा काट चुका हैं और वह पिछले 4 साल से ओपन जेल में हैं, लेकिन एक पुलिसकर्मी की रिपोर्ट पर आप लोगों ने भरोसा कर लिया। आपने अपना मस्तिष्क इस्तेमाल नहीं किया। यदि आप किसी चीज को लेकर आशंका जता रहे हैं तो उसके ठोस सबूत भी पेश करें। वहीं कलेक्टर की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता की 20 दिन की पैरोल मंजूर कर ली गई है। इसके साथ ही एसीएस गृह और डीजीपी की ओर से विधानसभा सत्र में व्यस्त होने का हवाला देते हुए उपस्थिति से छूट चाही। जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि कई बार दोनों अफसरों को इस व्यवस्था में सुधार के लिए कहा जा चुका है, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। ऐसे में वे 16 मार्च को पेश होकर इस लापरवाही पूर्ण रवैये पर अपना स्पष्टीकरण दें और साथ ही भविष्य में ऐसी लापरवाही से बचने के उपायों के बारे में भी बताए। मामले से जुडे अधिवक्ता गोविंद प्रसाद रावत ने बताया कि याचिकाकर्ता कैदी का आचरण संतोषजनक है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग भरतपुर के संयुक्त निदेशक ने भी रिपोर्ट में पैरोल देने की सिफारिश की थी, लेकिन भरतपुर एसपी की रिपोर्ट पर उसे पैरोल नहीं दी गई। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने चारों अफसरों को तलब करते हुए याचिकाकर्ता के पैरोल पर विचार करने को कहा था।

भट्टा बस्ती में जुमे की नमाज के दौरान ढही मस्जिद की दीवार, 15 नमाजी घायल हुए

छह लोगों की हालत गंभीर, घायलों को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी के भट्टा बस्ती थाना इलाके में स्थित फिरदौस मस्जिद में शुक्रवार दोपहर जुमे की नमाज के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मस्जिद की एक दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से करीब पन्द्रह नमाजी घायल हो गए। हादसे के समय मस्जिद में सैकड़ों लोग मौजूद थे। दीवार गिरते ही मस्जिद परिसर में अफरा-तफरी मच गई और चीख-पुकार सुनाई देने लगी।

- **चीख-पुकार के बीच लोगों ने खुद शुरू किया रेस्क्यू, मलबे से लोगों को बाहर निकाला**
- **हादसे की सूचना पर भट्टा बस्ती पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया**

एडिशनल डीसीपी नॉर्थ बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 2:30 बजे जुमे की नमाज समाप्त होने के बाद कुछ नमाजी मस्जिद से बाहर निकल रहे थे, जबकि कुछ लोग वजूखाने के पास भीड़ कम होने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक दीवार का एक हिस्सा ढह गया और वहां खड़े लोग मलबे की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद नमाजियों और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और मलबा हटाकर घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को ई-रिक्शा, ट्राई साइकिल और अन्य वाहनों की मदद से तुरंत कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया। भीड़ अधिक होने के कारण राहत कार्य में कुछ देर तक मुश्किल भी आई, लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी घायलों को जल्द अस्पताल पहुंचा दिया गया।

भट्टा बस्ती इलाके में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद की दीवार ढहने से एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कांवटिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.एस. तंवर ने बताया कि कुल 15 घायलों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से 6 लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल रेफर किया गया, जबकि मामूली चोट वाले लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं गंभीर घायलों में रुस्तम (40), ईशान (34), खुर्शीद (25), सुहैल (25), इमाम जफर (20) और इकबाल (18) शामिल हैं।

एसएमएस अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. जगदीश मोदी ने बताया कि 11 घायलों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन मरीज आईसीयू में भर्ती हैं, जबकि आठ का इलाज मास कैजुअल्टी वार्ड में चल रहा है।

हादसे की सूचना मिलते ही भट्टा बस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस के अनुसार मस्जिद की दीवार का केवल एक हिस्सा गिरा है, जिससे बड़ा जानी नुकसान टल गया। प्रारंभिक जानकारी में दीवार के कमजोर होने और उस पर अचानक अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की तकनीकी जांच कर रही है और सुरक्षा के मद्देनजर मस्जिद के प्रभावित हिस्से की घेराबंदी कर दी गई है। साथ ही पुलिस ने पुरानी इमारत में सावधानी बरतने की अपील की।

इधर घटना की जानकारी मिलने पर विधायक अमीन कागजी, विधायक हाकम अली और असरार कुरैशी भी विधानसभा से सीधे एसएमएस अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

फिरदौस मस्जिद कमेटी से जुड़े लोगों का कहना है कि जुमे की नमाज के बाद अचानक बच्चे भागने लगे तो दीवार पर अतिरिक्त लोड पड़ गया व दीवार गिर गई। जहां दीवार गिरी है। उस जगह चप्पलें उतारी जाती हैं, लेकिन लोग नमाज पढ़कर निकल रहे थे तो उन पर दीवार गिर गई।

जयपुर शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी ने कहा कि ईश्वर का शुक्र है कि बड़ा हादसा नहीं हुआ। कुछ लोगों के चोट लगी, जिनका उपचार चल रहा है।

गौरतलब है कि जुमे की नमाज का इस्लाम में विशेष महत्व है। इसी के चलते जुमे की नमाज पर अन्य दिनों के मुकाबले भीड़ ज्यादा होती है।

डेगाना में दरी पट्टियों की खरीद पर सदन में हंगामा

शिक्षा मंत्री ने विधानसभा में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को निलंबित करते हुए पूरे प्रकरण की जांच की घोषणा की

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कई मुद्दों पर तीखी बहस और हंगामा देखने को मिला। सबसे ज्यादा चर्चा डेगाना विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में दरी पट्टियों की खरीद को लेकर हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने तत्कालीन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को निलंबित करने के आदेश देते हुए पूरे प्रकरण की जांच कराने की घोषणा की। प्रश्नकाल के दौरान डेगाना से विधायक अजय सिंह किलक ने भेरूंडा क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों में दरी वितरण में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां अधिक दरी की जरूरत थी, वहां कम दरियां खरीदी गईं और वितरण में भी गडबड़ी हुई।

किलक ने बताया कि वर्ष 2022-23 में विधायक कोष से 399 दरी पट्टियां वितरित करने का दावा किया गया था, लेकिन भेरूंडा सीबीईओ ब्लॉक में 171 दरियां दी जानी थीं, जबकि केवल 104 ही दी गईं। उन्होंने कहा कि करीब 5 लाख रुपए से अधिक कीमत की दरियां अब तक वितरित नहीं हुई हैं। इस संबंध में उन्होंने 17 दिसंबर 2022 का एक रिकॉर्ड पत्र भी सदन में पेश करने की बात कही, जिस पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भेरूंडा के प्रधानाचार्य और स्टोर इंचार्ज के हस्ताक्षर हैं। विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि कई स्कूलों में जहां 200 से 300 छात्रों का नामांकन है, वहां केवल 10 15 फीट की एक दरी दी गई, जबकि कुछ ऐसे स्कूल भी हैं जहां नामांकन बहुत कम या शून्य है, वहां भी एक-एक दरी भेज दी गई। इस पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि दरी पट्टियों की खरीद में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं और इसमें भ्रष्टाचार की बू आ रही है। उन्होंने कहा कि यह मामला पिछली कांग्रेस सरकार के समय का है और उस दौरान सरकारी धन की लूट हुई है। मंत्री ने मामले की जांच के आदेश देते हुए तत्कालीन बीईओ को निलंबित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि करीब 35 लाख रुपए की दरियां खरीदी गई थीं। उस समय के विधायक की सिफारिश पर स्कूलों के लिए दरी पट्टियां देने की बात थी, लेकिन बाद में उनकी जगह फर्श खरीदे गए। रिकॉर्ड के अनुसार 288 फर्श स्कूलों तक पहुंचे, जबकि 171 फर्श का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। मदन दिलावर ने आरोप लगाया कि उस समय के विधायक विजयपाल मिर्धा के कार्यकाल में जिन शिक्षकों ने दरी लेने से मना किया, उनके तबादले तक करवा दिए गए थे। इस पर उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने सवाल उठाया कि यदि संबंधित व्यक्ति अब भाजपा में शामिल है तो क्या उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने जान दी

जयपुर । करधनी थाना इलाके में स्थित कनकपुरा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक युवक ने एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान करीब 35 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। लेकिन पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि युवक ने अचानक स्टेशन पर आ रही एक्सप्रेस ट्रेन के सामने छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्टेशन परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर करधनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से घटना के बारे में जानकारी भी जुटाई। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मृतक की पहचान और उसके परिजनों की जानकारी जुटाने के साथ ही पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

10 मार्च तक जारी रहेगी विधानसभा की कार्यवाही

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही अब 10 मार्च तक चलेगी। शुक्रवार को स्पीकर वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में हुई विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में आगामी दिनों का कार्यक्रम तय किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 7 और 8 मार्च को विधानसभा की छुट्टी रहेगी, जबकि 9 और 10 मार्च को महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा कर उन्हें पारित कराया जाएगा। 9 मार्च को सदन में राजस्थान पंचायतीराज संशोधन बिल-2026 और राजस्थान आयुर्वेद एवं योग चिकित्सा विश्वविद्यालय बिल-2026 पर चर्चा होगी और बहस के बाद इन्हें पारित कराया जाएगा।

आई.ओ.आर.ए. इकोलोजिकल सोल्यूशन और कृषि विभाग के बीच सहमति बनी

जयपर (कासं)। कृषि विभाग और आईओआरए ईकोलोजिकल सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के मध्य राजस्थान में एग्रीकल्चरल लैंड मैनेजमेंट कार्बन प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए सहमति हुई। इस प्रकार की गतिविधियों में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम 2023 के तहत् राजस्थान के किसानों को सुगमता से कार्बन फाइनेंस उपलब्ध कराने हेतु राज्य के चयनित ब्लॉकों में कार्बन उत्सर्जन को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जा रहा है। इनमें कोटपुतली-बहरोड़ का बानसुर ब्लॉक, दौसा का महुवा और टोंक का मालपुरा ब्लॉक शामिल है। किसान पौधारोपण, सुक्ष्म सिंचाई, फार्म पौण्ड और सोलर पम्प जैसी कई कार्बन उत्सर्जन की गतिविधियां करता है। इन गतिविधियों से कृषकों को कुछ मात्रा में कार्बन फाइनेंस प्राप्त हो सकता है। इसे प्रदेश के तीन ब्लॉकों में प्रोबायो बेसिस पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है, जिसे जल्द ही पूरे राज्य में लागू किया जायेगा। जिससे कृषकों की आय में वृद्धि होगी। कार्बन क्रेडिट जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए बनाया गया एक आर्थिक और पर्यावरणीय तंत्र है।

भरतपुर के इन्द्रा नगर में जलभराव के कारण कई मकानों में आई दरारें

लोगों को मकान गिरने का डर सता रहा है, आसपास के सभी नाले ब्लॉक हुए

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर नगर निगम के पूर्व मेयर अभिजीत के वार्ड इन्द्रा नगर के लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। हीरादास कुंडा का पानी अब इंद्रा नगर कॉलोनी की तरफ बढ़ने लगा है, जिससे लोगों के मकानों में दरारें आने लगी हैं। फर्श चटकने लगे हैं। ऐसे लोगों को अब मकान गिरने का डर सता रहा है। स्थानीय निवासी कई बार अधिकारियों से इसकी शिकायत कर चुके हैं। उसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई है, जिसके बाद अब लोग आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं। साथ ही नगर निगम और बीडीए के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

स्थानीय निवासी कुंवर सिंह ने बताया कि इंद्रा नगर कॉलोनी में 25 से 30 साल पहले मकान बने थे। कॉलोनी के पास हीरादास का कुंडा है। कुंडा ओवरफ्लो हो गया है, जिसका पानी नालियों से कॉलोनी की तरफ आ रहा है। पानी मकानों तक आ गया है, जिसके कारण कॉलोनी के मकानों में दरारें आने लगी है।

भरतपुर के इन्द्रा नगर के लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं।

स्थानीय लोग कई बार प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। अब जल्द से जल्द कुंडा के पानी को निकाला जाए, साथ ही नालियों की सफाई की जाए। जिससे कॉलोनी के लोगों के मकान सुरक्षित रह सके।

■ **स्थानीय निवासी समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, उसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई है, जिसके बाद अब लोग आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे है**

लोगों ने बताया कि जलभराव के कारण मकानों में दरारें आ गई हैं। साथ ही मच्छरों का आतंक मचा हुआ है। लोग मलेरिया की बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। प्रशासन हमारी सुनवाई नहीं करता। कुंडा में सेवर की तरफ से पानी आ रहा है। आसपास के नाले बंद पड़े हुए हैं। भरतपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी और नगर निगम कोई सुनवायी नहीं करती।

भारतीय सेना का गौरव सेनानी समारोह कल चूरू में

■ **आयोजन का उद्देश्य जिले की सभी आठ तहसीलों से आने वाले पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं का सम्मान करना तथा उनसे संवाद स्थापित करना है**

जयपुर/चूरू। सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा आठ मार्च को चूरू के साई स्पोर्ट्स स्टेडियम में गौरव सेनानी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य जिले की सभी आठ तहसीलों से आने वाले पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं का सम्मान करना तथा उनसे संवाद स्थापित करना है। इस रैली में 6000 से अधिक पूर्व सैनिकों के अभूतपूर्व संख्या में भाग लेने की संभावना है। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के लिए विभिन्न कल्याणकारी सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह तथा भारतीय सेना एवं नागरिक प्रशासन के अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति भारतीय सेना द्वारा अपने पूर्व सैनिक समुदाय की गरिमा और कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी।

वर्तमान के जिओ-पॉलिटिकल परिस्थितियाँ अत्यंत अनिश्चित और परिवर्तनशील हैं। विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि राष्ट्र की सुरक्षा के सभी आयामों में हम पूर्ण रूप से तैयार रहें। ऐसे परिदृश्यों में हमारे पूर्व सैनिक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राष्ट्र की सुरक्षा के द्वितीय एवं तृतीय सुरक्षा पंक्ति के रूप में दृढ़ता से खड़े रहते हैं। उनका अनुभव, क्षेत्रीय विशेषज्ञता और अटूट राष्ट्रभक्ति उन्हें राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर एक सशक्त शक्ति बनाती है। यह रैली पूर्व सैनिकों को पुनः राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण व्यक्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

पूर्व सैनिक रैली के माध्यम से भारतीय सेना अपने पूर्व सैनिकों के देशभक्ति पूर्ण योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक व्यापक कल्याणकारी व्यवस्था उपलब्ध कराएगी। इस दौरान स्पर्श पेंशन सेवाएँ, रिकॉर्ड कार्यालयों तथा सीडीए द्वारा सहायता और पेंशन तथा बैंकिंग संबंधी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। नागरिक प्रशासन के स्टॉल राजस्व एवं विधिक मामलों से संबंधित शिकायतों के समाधान, आधार सेवाएँ तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट आर्गेनाईजेशन, कॉर्पोरेट क्षेत्र और बैंकों के प्रतिनिधि पूर्व सैनिकों को सम्मानजनक पुनः रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहयोग करेंगे। रैली के दौरान एक व्यापक चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ परामर्श तथा विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पूर्व सैनिकों के जीवन को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से ई-स्कूटर, वॉकर, श्रवण यंत्र, मरीजों के लिए बेड तथा व्हीलचेयर जैसी सहायक सामग्री भी प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर आधुनिक सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन तथा एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जो भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं, जज़्बे और युद्धक क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा। इस समारोह के दौरान पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं को राष्ट्र के प्रति उनके निःस्वार्थ योगदान के लिए सम्मानित भी किया जाएगा। गौरव सेनानी समारोह भारतीय सेना और उसके पूर्व सैनिकों के बीच अटूट संबंध को पुनः सुदृढ़ करेगा तथा उनके सम्मान, गरिमा और कल्याण के प्रति सेना की अड़िग प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करेगा।

प्रदेश में नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू करने की तैयारी

■ **नए शिक्षा सत्र में बच्चों और शिक्षकों के अवकाश में भी कटौती की संभावना जताई**

■ **शिक्षकों और बच्चों को 45 दिनों की जगह इस बार 36 दिन का ही अवकाश मिलेगा**

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू करने की तैयारी कर ली है। पिछले साल नया शिक्षा सत्र एक जुलाई से शुरू हुआ था। नए शिक्षा सत्र में बच्चों और शिक्षकों के अवकाश में भी कटौती की संभावना जताई जा रही है। नए शिक्षा सत्र में ग्रीष्मावकाश 17 मई से 20 जून तक किए जाने की संभावना है। 21 जून को रविवार है। ऐसे में शिक्षकों और बच्चों को 45 दिनों की जगह इस बार 36 दिन का ही अवकाश मिलेगा। पिछले साल 17 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश निर्धारित किया गया था। नए शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए शिविरा पंचांग के प्रस्ताव शिक्षा निदेशालय की ओर से राज्य सरकार को भिजवा दिए गए हैं। राज्य सरकार की मंजूरी के बाद शिक्षा निदेशालय की ओर से शिविरा पंचांग जारी किया जाएगा।

उधर, शिक्षक संगठनों का कहना है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश 45 से घटाकर 36 दिन किया जाना नियमों के विपरीत है। स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को 45 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश, 12 दिन मध्यावधि अवकाश और 14 दिन शीतकालीन अवकाश मिलता है। इसीलिए शिक्षकों को एक वर्ष में केवल 15 उपार्जित अवकाश दिए जाते हैं, जबकि अन्य कार्मिकों को 30 उपार्जित अवकाश मिलते हैं। 1 अप्रैल 2026 से राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों में नया सत्र शुरू होने जा रहा है। इस संबंध में निदेशालय माध्यमिक ने सभी शिक्षक संघों को बुलाया है। 6 मार्च दोपहर 12.30 बजे शिक्षा संकुल जयपुर के सभागार में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई है। जिसमें प्रवेशोत्सव, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यालय व विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर चर्चा की जाएगी।

अलवर : उमरैण की 16 ग्राम पंचायतों पर 1.13 करोड़ का बिजली बिल बकाया

■ **बकाया वसूली के लिए बिजली विभाग ने सख्ती शुरू की, पंचायतों में हलचल मची**

अलवर, (निसं)। उमरैण सहायक अभियंता कार्यालय के अधीन आने वाली पंचायत समिति क्षेत्र की 16 ग्राम पंचायतों पर करीब 1 करोड़ 13 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया है। बकाया वसूली के लिए बिजली विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है, जिससे पंचायतों में हलचल मच गई है।

एईएन कमलेश कुमार शर्मा ने बताया कि क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में पिछले कई सालों से बिजली बिल का भुगतान लंबित है। राज्य सरकार के निर्देश पर ग्राम विकास अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को नोटिस जारी कर जल्द बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर एकल बिंदू थ्री-फेज कनेक्शन और जल जीवन मिशन के तहत संचालित बोरवेल मोटरों पर बिजली बिल का बड़ा बकाया चल रहा है। विभाग ने चेतावनी दी है कि 20 से 25 मार्च तक भुगतान नहीं होने पर संबंधित गांवों की पानी सप्लाई की बिजली काट दी जाएगी और ट्रांसफार्मर भी उतार लिए जाएंगे।

विभाग के अनुसार तय समय में भुगतान नहीं होने पर ट्रांसफार्मर उतारकर विभागीय ऑफिस में जमा कराए जाएंगे और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद गांवों में पानी की किल्लत होने की स्थिति में जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों और ग्राम विकास अधिकारियों की मानी जाएगी। एईएन ने बताया कि सरकार हर साल ग्राम पंचायतों को बिजली बिल भुगतान के लिए बजट उपलब्ध कराती है। इसके बावजूद कई पंचायतों ने समय पर राशि जमा नहीं करवाई, जिससे बकाया लगातार बढ़ता गया।

अभियान के तहत जेईएन पूर्ण जांगिड़ ने बताया कि अब तक दो ग्राम पंचायतों ने करीब 10 लाख रुपए जमा करा दिए हैं। माधोगढ़ ग्राम पंचायत के सरपंच पेमाराम सैनी ने करीब 6 लाख रुपए और ढहलावास ग्राम पंचायत के सरपंच कमलेश गुर्जर ने करीब 4 लाख रुपए का भुगतान किया है। उन्होंने बताया कि बाकी पंचायतों से भी जल्द भुगतान कराने के लिए अभियान जारी है। तय समय तक बकाया जमा नहीं होने पर संबंधित पंचायतों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

हमले का आरोपी हिस्ट्रीशीटर व एक अन्य बदमाश गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने जानलेवा हमले के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए भीमगंजमंडी थाने का हिस्ट्रीशीटर मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी व आरोपी शुभम शर्मा उर्फ कन्नु बच्चा को गिरफ्तार किया है।

मामले में सामने आया कि फरियादी ने हमलावर मनोज के कलर का टीका लगा दिया था जिसको लेकर विवाद हो गया और हमलावर मनोज उर्फ जलेबी ने अपने साथियों के साथ मिलकर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया था। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 4 मार्च को परिवादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई, रिपोर्ट में कहा 3 मार्च को मुझे छोटी बाई का चौराहा डडवाड़ा में मनोज जलेबी मिल गया। धूलण्डी होने से मैंने कलर का टीका लगा दिया, जिससे मनोज जलेबी ने मेरे थप्पड़ मार दिया। रिपोर्ट में कहा कि उस समय तो मामला शांत हो गया, पर थोड़ी देर बाद दुकान पर सामान लेने गया तो मनोज जलेबी व उसके अन्य साथी मेरे को मारने आये और मनोज जलेबी व उसके साथियों ने रोक कर मारपीट की व उस पर तलवार से हमला किया। शहर एसपी ने कहा कि परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। घटना में हमलावरों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उप अधीक्षक डॉ. पूनम के सुपरविजन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने प्रकरण को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करते हुए डडवाडा निवासी मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी एवं शास्त्री कॉलोनी निवासी शुभम शर्मा को गिरफ्तार किया। शहर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में अभियुक्त ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि धूलण्डी पर्व पर अभियुक्त मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी के कलर का टीका लगाने से अचानक कहासुनी हो गई जिससे अकस्मात झगड़ा हो गया।

टोल नाका हटाने की मांग को लेकर धरना जारी

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर-श्रीगंगानगर स्टेट हाइवे पर स्थित 18 बीबी टोल नाके को हटाने की मांग को लेकर टोल संघर्ष समिति का धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी है। गुरुवार को प्रशासन और संघर्ष समिति के बीच हुई वार्ता में सहमति नहीं बन पाई, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने हाइवे पर चक्काजाम कर दिया। इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रुक गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि टोल प्लाजा का निर्धारित समय पूरा हो चुका है, इसके बावजूद वसूली जारी है, इसलिए टोल बूथ को हटाने की मांग की जा रही है। मौके पर पुलिस का भारी जाब्ता तैनात है और वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। गुरुवार को प्रशासन और संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई, लेकिन इसमें कोई सहमति नहीं बन सकी।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। देर रात तक भी लोग सड़क पर ही धरने पर बैठे रहे। आंदोलन को ट्रक यूनियन ने भी समर्थन दिया है। यूनियन के सदस्य भी धरनास्थल पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े रहे और टोल नाके को हटाने की मांग का समर्थन किया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए श्रीकरणपुर सर्कल से पुलिस का भारी जाब्ता तैनात किया है।

उदयपुर में तीज मेले में दो गुटों हुआ विवाद, तलवारें चली

एक बच्चा तलवार की चपेट में आ गया और घायल हो गया

■ **'मेला आयोजकों ने मेले के आयोजन के लिए पूर्व अनुमति नहीं ली थी, जिसके लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी'**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के झाड़ोल थाना क्षेत्र की मगवास पंचायत में तीज पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित मेले में गुरुवार शाम दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक गुट का युवक भागकर एक दुकान में घुसा जिसके पीछे दूसरे गुट का एक युवक तलवार लेकर दौड़ा और तलवार लहराने लगा। पास में खड़ा एक बच्चा तलवार की चपेट में आ गया और घायल हो गया। घटना गुरुवार शाम दह बजे की है, जिसके बाद मेला तुरंत बंद करवा दिया गया। घायल बच्चे को तत्काल उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। उसके पांच टांके आए हैं और हालत खतरे से बाहर है जिसे शुक्रवार सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

थानाधिकारी फेलीराम मीणा ने बताया कि जानकारी के अनुसार कमलनाथ रोड स्थित शंकरलाल पटेल की कपड़े की दुकान है। वह अपने 5 वर्षीय बेटे कार्तिक को साथ में लेकर दुकान पर बैठा हुआ था। उसी दुकान पर हमारा एक जवान भी बैठा था। इसी दौरान मेले में दो गुटों में आपस में झगड़ा हो गया। झगड़ते हुए उनमें से एक गुट का युवक दौड़ते हुए शंकरलाल की दुकान के अंदर घुस गया। तभी दूसरे पक्ष का युवक तलवार लेकर उसके पीछे दौड़ा और तलवार लहराने लगा। तभी पास में खड़ा शंकरलाल का बच्चा चपेट में आ गया। वहां मौजूद हमारे पुलिसकर्मी ने हमलावर को पकडने की कोशिश की लेकिन बदमाश भाग गया। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस को अभी तक घटना की रिपोर्ट नहीं मिली है, लेकिन परिजनों से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा मेला आयोजकों ने मेले के आयोजन के लिए पूर्व अनुमति नहीं ली थी, जिसके लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इंटेक के विशेषज्ञों ने करौली की गिरवर सिंह विशाल सिंह हवेली का निरीक्षण किया

■ **विशेषज्ञों ने इसे वास्तुशिल्प की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और अद्वितीय संरचना बताते हुए इमारत के विभिन्न हिस्सों का सूक्ष्म अध्ययन किया**

■ **इमारत के भीतरी भाग में दीवारों पर बने कलात्मक चित्र देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं**

जयपुर/करौली। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) के नई दिल्ली मुख्यालय से आए कंजर्वेशन आर्किटेक्ट और संरचनात्मक इंजीनियरों की टीम ने करौली की ऐतिहासिक धरोहर गिरवर सिंह-विशाल सिंह हवेली का स्थल निरीक्षण कर इसकी स्थापत्य एवं ऐतिहासिक विशेषताओं का अध्ययन किया।

इंटेक चैप्टर करौली के कन्वीनर और राजपरिवार के वर्तमान प्रमुख कृष्णचंद्र पाल के आग्रह पर इंटेक के स्ट्रक्चरल इंजीनियर बच्चू सिंह, कंजर्वेशन आर्किटेक्ट प्रभा चौधरी तथा स्थानीय विशेषज्ञ राव शिवराज पाल सिंह के तीन सदस्यीय दल ने हिंडौन दरवाजा के पास स्थित लगभग 300 वर्ष पुरानी इस ऐतिहासिक इमारत का गहन अवलोकन किया। विशेषज्ञों ने इसे वास्तुशिल्प की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और अद्वितीय संरचना बताते हुए इमारत के विभिन्न हिस्सों का सूक्ष्म अध्ययन किया।

उल्लेखनीय है कि दो शताब्दी से अधिक पहले तत्कालीन करौली नरेश द्वारा निर्मित इस विशाल हवेली में लाल पत्थर के नक्काशीदार जालीदार झरोखे, कलात्मक शिल्पकारी युक्त छतरी, जिसमें पंचमुखी महादेव की संगमरमर की प्रतिमा नादिया के साथ स्थापित है तथा छतरी के चारों कोनों पर लाल पत्थर से निर्मित चार शेर इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। परिसर में भैरोंजी का मंदिर और कुछ प्राचीन भग्न प्रतिमाएँ भी विद्यमान हैं।

इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज के नई दिल्ली मुख्यालय से आई इंजीनियरों की टीम ने करौली की गिरवर सिंह-विशाल सिंह हवेली का स्थल निरीक्षण किया।

इमारत के भीतरी भाग में दीवारों पर बने कलात्मक चित्र देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। विशेषज्ञ दल ने भवन की संरचनात्मक स्थिति का भी परीक्षण किया। उन्होंने बताया कि भवन संरचनात्मक रूप से कमजोर नहीं है, बल्कि नियमित देखरेख और उपयोग के अभाव में इसकी वर्तमान स्थिति खराब हुई है। भवन की मजबूती, क्षतिग्रस्त भागों के पुनरुद्धार तथा संरक्षण से संबंधित अपनी विस्तृत रिपोर्ट इंटैक दिल्ली मुख्यालय द्वारा शीघ्र ही जिला प्रशासन और राज्य सरकार को सौंपी जायेगी।

निरीक्षण के पश्चात विशेषज्ञों ने चैप्टर कन्वीनर कृष्णचंद्र पाल, पूर्व विधायक रोहिणी कुमारी तथा करौली चैप्टर के अन्य सदस्यों के साथ बैठक कर इमारत की धार्मिक, ऐतिहासिक और संरचनात्मक विशेषताओं व संभावित उपयोग पर चर्चा की। दल का मत था कि ऐतिहासिक और कलात्मक दृष्टि से समृद्ध ऐसे भवनों का संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान टीम ने गंगापुर मार्ग स्थित प्राचीन माँच की बावड़ी, हिंडौन गेट तथा शहर के परकोटे के कुछ हिस्सों का भी निरीक्षण किया और इन धरोहरों की वर्तमान दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि स्थानीय चैप्टर को जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष इन तथ्यों को रखते हुए इनके संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

चैप्टर के को-कन्वीनर राव शिवराज पाल सिंह ने विशेषज्ञों को करौली की अन्य रियासतकालीन ऐतिहासिक इमारतों की स्थिति से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पूर्व में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी स्थानीय चैप्टर के निवेदन पर धरोहर संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया था व करोड़ों रुपए की लागत से कई धरोहरों का जीर्णोद्धार कार्य करवाया था।

गौरतलब है कि देखरेख के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रही इस ऐतिहासिक इमारत को गिराकर पार्किंग बनाने के प्रशासनिक निर्णय का पूर्व विधायक रोहिणी देवी सहित अनेक विरासत प्रेमियों ने विरोध किया था, जिसके बाद जिला कलेक्टर ने भवन को गिराने की कार्रवाई स्थगित कर दी थी। इस अवसर पर इंटैक के सचिव गोविन्द सिंह सेंगर, पुष्पेन्द्र बंसल, राजेन्द्र दीवान तथा कृष्णावतार सिंह सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

अंबेडकर की मूर्ति खंडित की

अलवर, (निसं)। अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बड़ौदामेव थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा छोटा गांव में गुरुवार रात करीब 12 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित कर दिया। प्रारंभिक जांच में दो नाबालिगों पर शक है। वहीं दलित समाज में घटना के बाद से आक्रोश है। मौके पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि रात करीब 12 बजे मूर्ति को तोड़ने की आवाज सुनाई दी तो आसपास के लोग आए। तब दो युवक भागते हुए दिखे। पता चला कि अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया गया है। उसके बाद पुलिस को बुलाया गया। अब सुबह से ग्रामीणों का विरोध जारी है। शुक्रवार सुबह लक्ष्मणगढ़ एसडीएम अर्चना भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने थाना अधिकारी मोहन सिंह गुर्जर के साथ ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों की मांग है कि खंडित मूर्ति को हटाकर उसकी जगह नई मूर्ति स्थापित की जाए। प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि क्षतिग्रस्त मूर्ति को हटाकर उसी प्रकार की नई मूर्ति प्रशासन की ओर से लगवाई जाएगी।

सरपंच जयसिंह जाटव ने बताया कि दो नाबालिगों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया है। जिससे दलित समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

कोटा में युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

■ **धुलंडी के दिन शराब पीने की बात को लेकर हुये झगड़े में युवक की हत्या कर दी थी**

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के बुढादीत थाना इलाके में धुलंडी के दिन झगड़े में हुए युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए बुढादीत पुलिस टीम ने कार्रवाई कर हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बुढादीत थाना इलाके में 4 मार्च को हुए राकेश हत्याकांड के मामले का खुलासा करने के लिये पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश सरावग के सुपरविजन में बुढादीत थानाधिकारी दीप्ती रानी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। मामले में जुटी पुलिस टीम को हत्या के आरोपी सोनू गुर्जर के बारे में जानकारी मिली कि आरोपी कोटा बडोद होते हुए सुल्तानपुर की ओर जा रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम ने हत्या के आरोपी देदीयाहेड़ी निवासी सोनू गुर्जर (34) को उम्मेदपुरा नहर के पास कोटा रोड़ से डिटेन कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी सोनू गुर्जर से पूछताछ के दौरान सामने आया कि मृतक व उसके बीच शराब पीने की बात को लेकर झगड़ा हुआ था। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 4 मार्च धुलंडी के दिन फरियादी ने बुढादीत थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि उसका भाई राकेश धुलंडी पर रंग लगाकर घूम रहा था, बाद में पता चला कि उसका भाई राकेश पाली की पुलिया के पास पड़ा हुआ है, जाकर देखा तो उसका भाई खून से लथपथ पड़ा हुआ था। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि इलाके में स्थित शराब के ठेके के पास उसके भाई राकेश के साथ सोनू गुर्जर ने मारपीट की है जिससे उसके भाई का मौके पर काफी खून बह गया और उसके भाई राकेश की मौत हो गई है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई के लिये टीम का गठन किया गया, मौके पर एफएसएल व एमओबी टीम को बुलाकर घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण कराया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले का खुलासा करने के लिये गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए देदीयाहेड़ी निवासी सोनू गुर्जर (34) को गिरफ्तार किया।

आप रन, पार्टनरशिप और स्ट्राइक रेट नाप सकते हैं, लेकिन असली काम इंटेंट का है। भारत का बैटिंग में पोजिटिव अप्रोच और बॉलिंग में शांत स्वभाव पसंद आया। नॉकआउट मैचों में यही माइंडसेट काम आता है। **- सचिन तेंदुलकर**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, भारत की जीत को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

नवजोत सिंह सिद्धू

भारत के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद आमिर की जमकर लताड़ा है। आमिर ने भविष्यवाणी की थी कि टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल तक नहीं पहुंच पाएगी, लेकिन जब भारत ने बेहतरीन जीत दर्ज कर फाइनल का टिकट कटाया तो सिद्धू ने पाकिस्तानी खिलाड़ी को ढोंगी बाबा कह डाला। सिद्धू ने कहा कि, हमारे आसपास के लोगों को झूठी भविष्यवाणियां करने की बहुत आदत है। लग गया तो ती, नहीं तो तुक्का। फिर भी ये लोग खुद को बहुत बड़ा ज्ञानी बाबा समझते हैं। सच तो ये है कि ऐसे लोग सिर्फ ढोंगी बाबा हैं।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस गेल और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी टी-20 प्रारूप में अपनी प्रभुत्व के कारण इस शीर्षक के प्रबल दावेदार माने जाते हैं।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

फाइनल कल

भारत व न्यूजीलैंड के बीच शाम 7 बजे

न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया की प्लेइंग 11, वरुण चक्रवर्ती का कटेगा पत्ता!

नई दिल्ली, 6 मार्च। रविवार, 8 मार्च को भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलना है। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया था। इस दौरान संजू सैमसन ने बेहतरीन पारी खेली जिस कारण वो बेहतरीन फॉर्म में है। जसप्रीत बुमराह से लेकर शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या ने भी अपना-अपना योगदान बखूबी निभाया है। भारतीय क्रिकेट टीम लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। वहीं अब रविवार, 8 मार्च को भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलना है।

इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया था। इस दौरान संजू सैमसन ने बेहतरीन पारी खेली जिस कारण वो बेहतरीन फॉर्म में है। जसप्रीत बुमराह से लेकर शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या ने भी अपना-अपना योगदान बखूबी निभाया है। अब भारत को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनकर इतिहास रचना है तो उसे 8 मार्च को न्यूजीलैंड की चुनौती से पार पाना होगा। लेकिन खिताबी भिड़ंत से पहले टीम इंडिया की कई सारी खामियां दुनिया के सामने उजागर हुई हैं, जिनके कारण से भारत को प्लेइंग इलेवन में बदलाव करना पड़ सकता है।

वरुण चक्रवर्ती का कटेगा पत्ता! - टीम इंडिया के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती आलोचकों के निशाने पर हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 4 ओवरों में 64 रन लुटा दिए थे। पिछले चारों मैचों में उन्होंने विकेट तो लिया है लेकिन जकर रन भी खर्च किए हैं। वाशिंगटन सुंदर को स्पिन गेंदबाजी विकल्प और चक्रवर्ती के रिप्लेसमेंट के तौर पर देखा जा सकता है। लेकिन टीम इंडिया मैनेजमेंट शायदही उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर करेगा। बता दें कि, वरुण अभी टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

दूसरी ओर मैनेजमेंट ने लगातार अभिषेक शर्मा पर भी भरोसा दिखाया है और फाइनल में भी उन्हें अवश्य ही मौका मिलेगा। दूसरी ओर संजू सैमसन और ईशान किशन भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ बने हुए हैं। मिडिल ऑर्डर में सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे ने लगातार छोटी लेकिन अहम पारी खेली हैं। गेंदबाजी लाइन अप में भी किसी बदलाव की उम्मीद कम है। बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या तीन तेज गेंदबाजी विकल्प होंगे, वहीं अक्षर पटेल स्पिन का भार संभालते हुए नजर आ सकते हैं।

फाइनल में भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन - संजू सैमसन, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

टी-20 वर्ल्डकप 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए ये खिलाड़ी नॉमिनेट, संजू सैमसन का नाम भी शामिल

नई दिल्ली, 6 मार्च। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का समापन होने वाला है। जिसका फाइनल मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। हालांकि, इस मुकाबले से पहले पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले 8 खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवार्ड के लिए शॉर्ट लिस्ट कर लिया गया है। इस लिस्ट में भारतीय ओपनर संजू सैमसन का भी नाम शामिल है। जिन्होंने अपने आखिरी दो मैच में धमाकेदार पारी खेली है। उनके अलावा पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान का नाम भी है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स ने अपनी टीम को टी20 वर्ल्ड कप में आठ में से 6 मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई। इशमें जैक्स को चार बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पॉप स्टार रिकी मार्टिन करेंगे परफॉर्म

नई दिल्ली, 6 मार्च। वर्ल्ड कप के समापन समारोह में विदेशी कलाकार अपनी प्रस्तुति देते हुए दिखेंगे। इसी कड़ी में प्यूर्टो के रिको के पॉप स्टार रिकी मार्टिन भी क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करते हुए दिखाई देने वाले हैं। वे फाइनल मैच की शुरुआत में अपनी परफॉर्मेंस का जादू बिखेरेंगे। 8 मार्च, रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वहीं वर्ल्ड कप के समापन समारोह में विदेशी कलाकार अपनी प्रस्तुति देते हुए दिखेंगे। इसी कड़ी में प्यूर्टो के रिको के पॉप स्टार रिकी मार्टिन भी क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करते हुए दिखाई देने वाले हैं। वे फाइनल मैच की शुरुआत में अपनी परफॉर्मेंस का जादू बिखेरेंगे।आईसीसी ने मार्टिन के नाम का ऐलान करते हुए खुशी जताई है। बता दें कि, क्लोजिंग सेरेमनी की शुरूआत शाम 5.30 बजे होगी। अहमदाबाद में एक बेहतरीन मुकाबला होने की उम्मीद है लेकिन चौकों और छक्कों की बारिश से पहले मार्टिन अपनी प्रस्तुति देंगे और दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। वहीं आईसीसी ने रिकी मार्टिन के नाम का ऐलान करते हुए एक पोस्ट शेयर किया जिसमें लिखा है कि, टी20 वर्ल्ड कप 2026 का जश्न और भी बड़ा हो गया है। हमें ये घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वर्ल्ड आइकन और सुपरस्टार रिकी मार्टिन वर्ल्डकप के फाइनल में अपनी प्रस्तुति देंगे। वे फाइनल में मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगे।

आईसीसी ने किया मैच अधिकारियों का ऐलान, दिग्गजों के कंधों पर होगी खिताबी जंग की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 6 मार्च। आईसीसी ने अहमदाबाद में होने वाले भारत बनाम न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ मैदानी अंपायर होंगे, जबकि जिम्बाब्वे के एंडी पाइक्रॉफ्ट मैच रेफरी की भूमिका निभाएंगे। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल के लिए अमीरात आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच ऑफिशियल्स की घोषणा कर दी गई है। इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ इस महत्वपूर्ण मैच में ऑन-फील्ड अंपायर होंगे। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार, इलिंगवर्थ लगातार दूसरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में अंपायरिंग करेंगे। इससे पहले उन्होंने 2024 संस्करण के फाइनल में क्रिस गैफेनी के साथ अंपायरिंग की थी।

यह नियुक्ति आईसीसी के प्रमुख आयोजनों में इलिंगवर्थ के शानदार प्रदर्शन को जारी रखती है। हाल के वर्षों में, उन्होंने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 और आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में भी अंपायरिंग की है। व्हार्फ ने इससे पहले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 और आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में अंपायरिंग की है और पिछले साल उन्हें अमीरात आईसीसी एलीट पैनल ऑफ अंपायर्स में शामिल किया गया था।

इस सप्ताह की शुरुआत में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका पर न्यूजीलैंड की शानदार सेमीफाइनल जीत के दौरान इलिंगवर्थ और व्हार्फ एक साथ अंपायर थे। मैदान पर मौजूद अधिकारियों का सहयोग करते हुए, दक्षिण अफ्रीका के अल्लाहुद्दीन पालेकर को तीसरा अंपायर नियुक्त किया गया है। 48 वर्षीय पालेकर को मार्च 2025 में व्हार्फ के साथ अमीरात आईसीसी एलीट पैनल ऑफ अंपायर्स में शामिल किया गया था और उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान छह मैचों में अंपायरिंग की है। दक्षिण अफ्रीका के ही एड्रियन होल्डस्टॉक चौथे अंपायर के रूप में सहायता करेंगे, जबकि एंडी पाइक्रॉफ्ट अहमदाबाद में मैच रेफरी की भूमिका निभाएंगे।

भारत चौथी बार फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम

नई दिल्ली, 6 मार्च। भारत ने इंग्लैंड को हराकर चौथी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली। टीम इंडिया 4 वर्ल्ड टी-20 फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से मात दी। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में इस बार 88 छक्के भी पूरे कर लिए। टीम ने एक एडिशन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बना दिया। वहीं संजू सैमसन ने 89 रन की पारी खेलते हुए टी-20 वर्ल्ड कप में किसी भारतीय द्वारा सबसे बडी पारी खेलने के मामले में विराट कोहली की बराबरी कर ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे मैत्री क्रिकेट मैचों का उद्घाटन

कुल पांच टीमें ले रही है भाग, विधानसभा बजट सत्र के दौरान मैत्री मैच खेलने की है परम्परा

जयपुर, 6 मार्च। मुख्यमंत्री-राजस्थान भजन लाल शर्मा सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित क्रिकेट अकादमी पर पाँच टीमों के बीच तीन दिन तक खेले जाने वाले मैत्री क्रिकेट मैचों का उद्घाटन शनिवार शाम पाँच बजे करेंगे। विगत काफ़ी वर्षों से विधानसभा बजट सत्र के दौरान है मैत्री मैच खेलने की परंपरा है। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग तथा अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद डा. नीरज के. पवन ने इस आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें कुल पाँच टीमें माननीय विधायकगण (भाजपा), विधायकगण (कांग्रेस), आईएएस अधिकारीगण, मीडिया प्रतिनिधिगण (इलेक्ट्रॉनिक) एवं मीडिया प्रतिनिधिगण (प्रिंट) भाग ले रहे है। उन्होंने बताया कि 9 मार्च तक चलेंगे वाले इस आयोजन में कुल चार मैच होंगे, जिसमें पहले और दूसरे दिन जहां एक मैच होगा, वही आख़िरी दिन फाइनल मैच सहित दो मैच खेले जायेंगे। इसका आयोजन राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा किया जा रहा है।इस अवसर पर मंत्रीगण, विधायकगण, वरिष्ठ अधिकारीगण और मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे।

डी गुकेश ने ईरान के खिलाफ ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, 6 मार्च। प्राग इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2026 के सातवें राउंड में भारत के वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने ईरान के परहम मगसूदलू के खिलाफ ड्रॉ खेला। गुकेश प्राग में अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने तीन मैच हारे और चार ड्रॉ खेले हैं। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के लिए यह टूर्नामेंट काफी कठिन रहा है। सातवें राउंड के बाद गुकेश ने फैंस से माफी मांगी और खराब प्रदर्शन को इसकी वजह बताया। मैच के बाद ग्रैंडमास्टर केटी त्सात्सालाशविली से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे रोज आने वाले फैंस की सराहना करते हैं, लेकिन कुछ दिनों वे अकेले रहना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आमतौर पर वे मैच के बाद ऑटोग्राफ और फोटो देते हैं, लेकिन यहां उनका मूड ठीक नहीं रहा, इसके लिए वे माफी चाहते हैं। हालांकि फैंस का समर्थन उनके लिए बहुत मायने रखता है। अपने फॉर्म पर गुकेश ने माना कि वे अच्छा नहीं खेल पाए और मिले मौकों का फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए खराब टूर्नामेंट रहा।

राजस्थान यूथ ने सबा क्लब हराया तथा सुराना एकेडमी ने राजीव गांधी क्लब को हराया

जयंत ताम्बी का दोहरा शतक, गौरव पूनिया की हैट्रिक

जयपुर, 6 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी स्मृति ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में राजस्थान यूथ ने सबा क्लब को 321 रनो के विशाल अंतर से हराया तथा सुराना एकेडमी ने राजीव गांधी क्लब को 4 विकेट से हराया।

राजस्थान यूथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जयंत ताम्बी के शानदार दोहरे शतक 230 रन (125 गेंद, 18 चौक व 18 छक्के), भावित कुमावत के 72 रन, अभय शर्मा के 18 रन, शुभम पटवाल के 27 रनो से 47 ओवर में 7 विकेट पर 416 रन बनाए। सबा क्लब के लिए सुमित भगेरिया ने 61 पर 3, मिहित अग्रवाल ने 71 पर 3 विकेट लिए। जवाबी पारी में सबा क्लब की टीम राजस्थान यूथ के गेदबाजों के सामने 18.3 ओवर में मात्र 95 रनों पर सिमट गई। कैफ गुडएज ने 16 पर 3, गौरव पुनिया ने 1 पर 3, शुभम पटवाल ने 23 पर 2 व हिमांशु राणा ने एक विकेट लिया।

के एल सैनी स्टेडियम पर राजीव गांधी क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आर्यन जैन के 20 रन, शिफॉन खान के 27 रन, जवाबी पारी रक्षित लुनावत के 51 रन, विजय शर्मा के 47 रनो से 43.3 ओवर में 254 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए आदित्य झाला ने 53 पर 2, आदित्य वाधवा ने 55 पर 2, प्रशांत यादव ने 45 पर 2 व आर्यमन शर्मा ने 8 पर 2 विकेट लिए। सुराना एकेडमी ने आर्यमन कटारिया के 52 रन, प्रशांत यादव के 94 रन व दियांशु गौड़ के 46 रनो से 45.1 6 विकेट पर 255 रन बनाकर मैच जीत लिया। राजीव गांधी क्लब के लिए अथर्व सिंह 45 पर 3, मनय कटारिया ने 52 पर 2 विकेट लिए।

एएफसी महिला एशियाई कप : भारतीय महिला फुटबॉल टीम की अग्निपरीक्षा, दो बार की चैम्पियन जापान से होगी टक्कर

नई दिल्ली, 6 मार्च। वियतनाम के खिलाफ पिछले ग्रुप मैच में दमदार प्रदर्शन से भारतीय महिला फुटबॉल टीम का द्वआत्मविश्वास जरूर बढ़ा होगा लेकिन शनिवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप के दूसरे मैच में जापान की मजबूत टीम से होने वाला मुकाबला उसके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। भारत ने ग्रुप सी के शुरूआती मैच में बुधवार को वियतनाम के खिलाफ हूटर से ठीक तीन मिनट पहले 'इंजुरी टाइम' में गोल गंवा दिया जिससे उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा और उसने अहम अंक गंवा दिया। वियतनाम 2023 फीफा विश्व कप में खेला था और उनके खिलाफ मैच में पदार्पण कर रही सैनफिडा नोंग्रम के बराबरी गोल से टीम का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन दुनिया की आठवें नंबर और दो बार की चैंपियन टीम जापान पूरी तरह से अलग टीम होगी और भारत से कहीं बेहतर होगी। अब कोच अमेलिया वाल्वरडे का काम अपनी टीम को मजबूत बनाए रखना और रक्षात्मक मजबूती पर काम करना होगा। इसके साथ ही उन्हें जवाबी हमले पर भी ध्यान देना होगा। फीफा विश्व कप 2011 की विजेता टीम जापान ने अपने पिछले मैच में चीनी ताइपे के पेनल्टी क्षेत्र में 87 बार प्रवेश किया था जिससे शनिवार को कप्तान स्वीटी देवी की अगुआई वाला भारतीय डिफेंस काफी व्यस्त रहेगा। भारतीय टीम जापान के गोल की संख्या पर भी लगाम लगाने की कोशिश करेगी। वियतनाम और चीनी ताइपे शनिवार को एक और मैच में आमने-सामने होंगे। तीनों ग्रुप में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीम और तीसरे नंबर की दो बेहतर टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीम ब्राजील में होने वाले 2027 फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। वहीं क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीम विश्व कप के लिए एएफसी को दिए गए दो बचे हुए स्थानों के लिए प्लेऑफ खेलेंगी। प्लेऑफ हारने वाली दो टीम के पास प्लेऑफ टूर्नामेंट के जरिए ब्राजील के लिए क्वालीफाई करने का एक और मौका होगा।

इंडो-मलेशिया बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज में भारत का शानदार प्रदर्शन

पुरुष व महिला दोनों वर्गों में जीता स्वर्ण

जयपुर, 6 मार्च। सेलांगोर (मलेशिया) में 27 फरवरी से 4 मार्च 2026 तक आयोजित इंडो-मलेशिया बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज 2025-26 में भारतीय पुरुष एवं महिला टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को सभी टेस्ट मैचों में पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राजस्थान से हेमलता बाकोलिया (जयपुर) भारतीय महिला टीम की सदस्य रहीं, जबकि गणेश शर्मा (टोंक) एवं चिराग सोलंकी (बीकानेर) भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करने वाले इन खिलाड़ियों को राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के संरक्षक स्वामी बालमुकुंद आचार्य (विधायक, हवामहल), अध्यक्ष डॉ. राजपाल शर्मा, महासचिव शौकत अली मंसूरी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा सहित संघ के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

स्पोर्ट्स कार्निवल 2026 का भव्य आगाज

जयपुर, 6 मार्च। जयपुर रीजनल चैप्टर के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय स्पोर्ट्स कार्निवल 2026 का आगाज़ शुक्रवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में जोश और उत्साह के साथ हुआ। पहले दिन, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस और टेबल टेनिस के मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। क्रिकेट के खेले गए तीन मैचों में तालुका फाइटर ने मंगल टाइटंस को, प्रिमार्क सुपर किंग ने तालुका फाइटर को, जबकि एल्फेन रॉयल्स ने वर्सेटाइल वाइकिंग्स को मात देकर मुकाबले अपने नाम किए। तीनों मैचों में खिलाड़ियों की बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी देखने को मिली। टेनिस प्रतियोगिता में सिंगल्स वर्ग में अंशुमान शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में युगांश देवरथ को 6-2 से हराकर खिताब जीता। इससे पहले अंशुमान शर्मा ने शालीन को 6-2 से हराया, जबकि युगांश देवरथ ने अभिनव चतुर्वेदी को 6-0 और केसरी नंदन शर्मा को 6-2 से मात दी थी। सिंगल्स में युगांश वर्ग में देवरथ उपविजेता रहे।

कानोता पोलो को हराकर फाइनल में पहुंची कृष्णा पोलो

एचएमएस गोल्ड वार्स कप टूर्नामेंट

जयपुर, 6 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर एसएमएस गोल्ड वास (आउट ऑफ हैट) कप टूर्नामेंट का सेमीफाइनल मुकाबला टीम कानोता पोलो और कृष्णा पोलो के बीच खेला गया। इस मुकाबले में टीम कृष्णा पोलो ने कानोता पोलो को 7-5 के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बना ली। विजेता टीम कृष्णा पोलो से विशाल सिंह राठौड़ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 गोल दागे।

वहीं, आरके सिद्धांत सिंह और अश्विनी शर्मा ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम से यशोवर्धन सिंह गुलर भी खेले। दूसरी ओर टीम कानोता पोलो से प्रताप सिंह कानोता और एलन शॉन माइकल ने 2-2 गोल किए।विक्रमादित्य सिंह बरकाना ने टीम के लिए 1 गोल किया। टीम से लक्ष्यराज सिंह भी खेले। शनिवार, 7 मार्च को टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला टीम आरपीसी और जयपुर के बीच शाम 5 बजे से राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर होगा। वहीं, टूर्नामेंट का फाइनल रविवार, 8 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में होगा।

कार्यालय नगरपालिका,मारवाड़ जंक्शन (पाली)

क्रमांक / नपामाजं. / विद्युत / 2025-26 / 751 दिनांकः 18.02.2026

ई-निविदा सूचना:

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका, मारवाड़ जंक्शन के विकास शाखा की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सम्बंधित विस्तृत जानकारी पालिका के नोटिस बोर्ड अथवा वेब पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है, जिसके यू.बी.एन. नम्बंर निम्नानुसार है :-
DLB2526WSOB35264

राज.संवाद / सी / 25 / 21773 अधिशाषी अधिकारी

ADPC, Karauli (Rajasthan)

Add. - Keshavpura Puliya, Mandrayal Road, Karauli, E-Mail: adpcsamsakarauli@gmail.com

File No. :- {Ref. No.} 1892 Date :- 27/02/2026

NOTICE INVITING e-BID (NIB : 25 /2025-26)

Request for proposal invited for Supply, Installation, Testing, Commissioning of Digital Library in 12 Govt. Schools from 27.02.2026 to 06:00 PM of dated 09.03.2026. Other details may be seen in the Bidding Document at State Public Procurement Portal website www.sppp.rajasthan.gov.in and e-proc portal. Estimated cost:79.56 Lacs

UBN NO. RSE2526GLRC0750 Additional District Project Coordinator Karauli (Rajasthan)

Raj.Samwad/C/25/21801

Municipal Board Of Bagru (Jaipur)

क्रमांकः- न.पा.ब. / 2025-26 / 918 दिनांक :- 01.03.2026

:: E- Notice Inviting Bid ::

Bid for Municipal Board Of Bagru For Works (01) Date 01.03.2026 invited form interested bidders Date 10.03.2026 Upto 11:00 AM And Works (03) Date 01.03.2026 invited form interested bidders Date 11.03.2026 Upto 11:00 AM Other particulars of the bid may be invited on the procurement portal, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state.

UBN CODE :- DLB2526WSOB36828, DLB2526WSOB36829, DLB2526WSOB36830.

Raj.Samwad/C/25/21881 Executive officer

कार्यालय नगर पालिका मारवाड़ जंक्शन (पाली)

पंचायत समिति के सामने मारवाड़ जंक्शन-306001

क्रमांक / नपामाजं. / विकास / 2025-26 / 755 दिनांकः 20.02.2026

: ई-निविदा सूचना :

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका, मारवाड़ जंक्शन के विकास शाखा की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सम्बंधित विस्तृत जानकारी पालिका के नोटिस बोर्ड अथवा वेब पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है, जिसके यू.बी.एन. नम्बंर निम्नानुसार है :-
DLB2526WSRC35499

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 25 / 21774 नगर पालिका,मारवाड़ जंक्शन

कार्यालय नगर पालिका, खेजरोली-जयपुर (राज.)

क्रमांक / न.पा.खेज. / निर्माण शाखा / 2025 / 165 दिनांकः- 27.02.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका कार्यालय खेजरोली द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु दर संविदा के माध्यम से कार्य करवाने हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंन्ट प्रकिया द्वारा ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं। निविदा सूचना एवं शर्ते http://sppp.rajasthan.gov.in पर NIB Code DLB2526B2295 तथा UBN NO : DLB2526WSRC36469 पर डाउनलोड कर देखा जा सकता है।

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 25 / 21788 नगरपालिका खेजरोली

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज.)- 345001

क्रमांकः- नपजै / एसबीएम / 2025-26 / 608 दिनांक :- 27.02.2026

-:: निविदा सूचना संख्या 06/2025-26 ::-

NIB Code DLB2526B2329

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से मान्यता प्राप्त अनुभवी फर्मो / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से "Installation of twin bins at various place in Jaisalmer" के कार्य की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन ई-निविदा से संबंधित कार्य की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.in पर देखी जा सकती है। उक्त कार्य के UBN No. :- DLB2526GLOB36613 है।

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 25 / 21837 नगर परिषद् जैसलमेर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति देई, जिला-बून्दी (राजस्थान)

क्रमांक :- 868 - 877 दिनांक :- 27/02/2026

ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति देई में कम्प्यूटर कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर विद मषीन हेतु बजट 12.00 लाख एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु बजट 30.00 लाख की सीमा में सेवा प्रदाताओं पंजीकृत संवेदकों / सहकारी संस्थाओं / स्वयंसेवी संस्थाओं / भूतपूर्व सैनिक सहकारी संस्थाओं आदि से मानव संसाधन राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत सेवाओं के उपापन के संबंध में ई-प्रोक्यूरमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से ऑन लाईन निविदाएं दिनांक 11.03.2026 को सांय 4.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। सफल बोलीदाता की तकनीकी बिड दिनांक 12.03.2026 को दोपहर 2.00 बजे खोली जायेगी। निविदाओं से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.agriculture.rajasthan.gov.in/dam/ पर भी देखा जा सकता है।

1. कम्प्यूटर मेन विद मशीन - DAM2526SLOB01338
2. सुरक्षा व्यवस्था - DAM2526WSOB01337

राज.संवाद/सी/25/21828 प्रशासक सचिव

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा / निविदा / 2026 / 8024-26 दिनांक : 25.02.2026

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 23.02.2026 से दिनांक 06.03.2026 तक सांय 06 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 09.03.2026 को सांय 05 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी. डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526B2024

UBN:- DLB2526WSOB35536, DLB2526WSOB35537, DLB2526WSOB35538, DLB2526WSOB35540, DLB2526WSOB35541, DLB2526WSOB35542, DLB2526WSOB35543, DLB2526WSOB35544, DLB2526WSOB35545, DLB2526WSOB35546, DLB2526WSOB35547, DLB2526WSOB35548, DLB2526WSOB35549, DLB2526WSOB35550, DLB2526WSOB35552, DLB2526WSOB35554

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 25 / 21802 नगरपालिका रतनगढ़

RAJMATA VIJYARAJE SINDHIYA KRISHI UPAJ MANDI SAMITI (G) JODHPUR

E-mail Id : www.krishimandi@yahoo.in, kums.jodhpgr@rajasthan.gov.in, Tel. :- 0291-2571999 Fax :- 0291-2570754

No. :- K.U.M.S. (G) JOD/2025-26/5212 Date :- 27/02/2026

E-Tender No. 17/2025-26

As per departmental approval, the undersigned invites technical & financial bid for the work of supply, installation and commissioning of equipment of testing laboratory at premises of R.V.S. K.U.M.S.(G) jodhpur. **UBN : DAM2526GLOB01335**

Sr. No.	Detail of work	Estimated cost	Earnest Money	Cost of bid document	Fee of RISL	Bid download start date & Time	Bid submission last date & Time	Technical bid opening date & time
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	The work of supply, installation and commissioning of equipment of testing laboratory at R.V.S. K.U.M.S. (G) jodhpur	40.00 Lacs	Rs. 80000	Rs. 1180 (1000 + GST 18%)	Rs. 500	28.02.2026 10.00 AM	11-03-2026 up to 05.00 PM	12-03-2026 at 11.00 AM

1. Rules and conditions related to bid can be seen & download on portal http://sppp.rajasthan.gov.in and department website www.livelihoods.rajasthan.gov.in.
2. Demand draft of bid document charges Rs. 1180/- in favour of R.V.S. KUMS(G) Jodhpur, demand draft of bid processing fee Rs. 500/- in favour of MD, RISL payable at Jaipur and demand draft of earnest money Rs. 80000/- in favour of R.V.S. KUMS(G) Jodhpur must be submitted up to 10-03-2026 (up to 05.00 PM) in office of R.V.S. KUMS(G) Jodhpur positively. In absence of such technical part will not be opened, for which concerned bidder will fully responsible.

Raj.Samwad/C/25/21827 Secretary

'आर्मी डे परेड ने देशभक्ति व सैन्य गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाया'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सेना दिवस परेड -2026 संकलन पुस्तक व लघु फिल्म का विमोचन किया

जयपुर, 06 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 78वें सेना दिवस पर आयोजित हुई ऐतिहासिक आर्मी डे परेड ने भारतीय सेना और जनमानस के बीच सेतु बांधने का काम किया तथा इस परेड ने राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और सैन्य गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार आर्मी डे परेड का छावनी क्षेत्र के बाहर आम नागरिकों के बीच जयपुर में सम्पन्न होना हम सब के लिए गौरव की बात है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सेना दिवस परेड-2026 संकलन पुस्तक एवं लघु फिल्म के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी 2026 की तारीख राजस्थान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो गई है। भव्य और व्यापक आर्मी डे परेड आयोजित कर हमने राजस्थान में नई परंपरा की शुरुआत की है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन भागीदारी ही किसी भी राष्ट्रीय उत्सव की असली शक्ति होती है। आर्मी डे परेड को आम लोगों ने अपने स्नेह और उत्साह से सफल बनाया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 78वें सेना दिवस पर "आर्मी डे परेड संकलन" पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान सप्तशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भी उपस्थित रहे।

शर्मा ने कहा कि जनभागीदारी ही किसी भी राष्ट्रीय उत्सव की असली शक्ति होती है। आर्मी डे परेड को आम लोगों ने अपने स्नेह और उत्साह से सफल बनाया। उन्होंने इस परेड की सफलता को विभिन्न विभागों के समन्वय का परिणाम बताया। उन्होंने भारतीय सेना के सभी सैनिकों और अधिकारियों का अभिनंदन किया और कहा कि सेना का अनुशासन व समर्पण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा उनके कठिन परिश्रम ने इस परेड को उत्कृष्ट बनाया।

शर्मा ने सेना दिवस परेड-2026 की संकलन पुस्तक एवं लघु फिल्म का विमोचन किया। इस दौरान कार्यक्रम में लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, सप्तशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी सहित, सेना के अधिकारी भी उपस्थित थे।

ईरान ने बहरीन, कतर व यूएई पर हमले तेज किए

तेहरान/तेल अवीव, 06 मार्च। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष ने पश्चिम एशिया के अधिकांश इलाके को अपनी चपेट में ले लिया है। ईरान खाड़ी के देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों और उससे संबंधित इलाकों को लगातार निशाना बना रहा है। गुरुवार देर रात बहरीन की राजधानी मनामा में फाइनेंशियल हार्बर टावर्स को निशाना बनाया गया। वहीं बहरीन, कतर, सऊदी अरब और जॉर्डन में एयर डिफेंस सिस्टम लगातार उसके हमलों को इंटरसेप्ट कर रहे हैं। मौजूदा हालात के मद्देनजर कई देशों ने सुरक्षा अलर्ट जारी कर लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

- **अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त हमले के बाद ईरान ने बदले की कार्यवाही में कई पड़ौसी देशों को निशाना बनाया**

सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सेंट्रल अल-खारज गवर्नरेट के पूर्व में एक क्रूज मिसाइल को इंटरसेप्ट कर दिया। बाद में मंत्रालय ने यह भी जानकारी दी कि रियाद क्षेत्र के पूर्व में तीन ड्रोन को भी मार गिराया गया।

उधर कतर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसकी एयर डिफेंस फोर्स ने दोहा स्थित अल उदीद एयर बेस को निशाना बनाकर किए गए एक ड्रोन हमले को विफल कर दिया। यह एयर बेस अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाना माना जाता है। दोहा में सुबह करीब 4 बजे धमाकों की जोरदार आवाजें सुनीं गयीं, जो ईरान से आए ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के दौरान हुई थीं। पिछले पांच दिनों में सैन्य बेस को निशाना बनाकर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई।

सुखोई-30 फाइटर जैट क्रैश, दोनों पायलट की मौत

वायु सेना की टीम को हादसा स्थल तक पहुंचने में चार घंटे का समय लगा

कार्बी आंगलोंग (असम), 06 मार्च। असम के कार्बी आंगलोंग जिले के पहाड़ी इलाके में गुरुवार देर शाम को सुखोई-30 एमकेआई फाइटर एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से दोनों पायलटों की मौत हो गई।

दोनों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और को-पायलट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर के रूप में हुई है। लेफ्टिनेंट पूर्वेश भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग नेविगेटर थे। हादसे की आधिकारिक जानकारी आईएएफ ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए दी है। दुर्घटना स्थल से दोनों वायु सैन्य कर्मियों के शव मिल गए हैं।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की एक्स पोस्ट में भारतीय वायु सेना ने स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुर्वेश दुरागकर के निधन की जानकारी दी गई है। कहा गया है कि दोनों को सुखोई-30 दुर्घटना में घातक चोटें आईं।

- **जोरहट से टेकऑफ करने के कुछ देर बाद ही प्लेन कार्बी आंगलोंग जिले के दुर्गम पहाड़ी इलाके में क्रैश हो गया।**

हादसा गुरुवार रात लगभग 7 बजे के आसपास हुआ। विमान से संपर्क टूटने के बाद जोरहाट वायुसेना की टीम ने दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। हादसास्थल पर वायु सेना की टीम को पहुंचने में लगभग चार घंटे का समय लगा। हालांकि, हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है।

बताया गया है कि जोरहाट से टेक-ऑफ करने के कुछ ही देर बाद प्लेन कार्बी आंगलोंग जिले के दुर्गम पहाड़ी इलाके में क्रैश हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने तुरंत सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

सूत्रों ने बताया कि एयरक्राफ्ट सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट था, जिसने शाम को जोरहाट से उड़ान भरी थी। क्रैश साइट इनसानी आबादी से दूर एक जंगली और पहाड़ी इलाके में है, जिससे वहां के लोगों के लिए तुरंत पहुंचना मुश्किल था।

राजनाथ सिंह व राहुल गांधी ने लड़ाकू विमान हादसे के पायलटों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 06 मार्च। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित कई नेताओं ने असम के कार्बी आंगलोंग जिले में हुए लड़ाकू विमान हादसे में वायु सेना के दो पायलटों की शहादत पर दुख व्यक्त किया।

राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सुखोई-30 विमान हादसे में दोनों पायलटों स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुर्गाकर के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। देश के लिए उनकी हिम्मत और सेवा को हमेशा गर्व और आभार के साथ याद किया जाएगा। दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

- **रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों पायलटों को उनकी हिम्मत और सेवा के लिए हमेशा आभार व गर्व के साथ याद किया जायेगा।**

राहुल गांधी ने अपनी शोक संवेदना में कहा कि भारतीय वायुसेना के वीर जवान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश का विमान दुर्घटना में शहीद होने का समाचार अत्यंत दु:खद और पीड़ादायक है। इन वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि असम में हुई विमान दुर्घटना में दोनों वीर जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक-संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की।

'मैं कांग्रेस का राज्यसभा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घर की छत पर इसी पार्टी का झंडा फहराया करता था।

बाद में वे कांग्रेस में शामिल हुए और फिर के. राजू, एक पूर्व आईएएस अधिकारी से मिले, जो सभी उभरते हुए दलितों के गॉडफादर हैं और राहुल गांधी के चारों ओर दलितों की एक दुनिया बनाने की कोशिश कर रहे हैं, "दलितों के लिए, दलितों द्वारा, दलितों के साथ।"

के. राजू ने उन्हें राहुल गांधी से मिलवाया और उन्हें राज्यसभा भेजने के लिए मनाया।

राहुल गांधी ने हरियाणा के किसी वरिष्ठ नेता से सलाह किए बिना ही अपनी सहमति दे दी।

करमवीर बौद ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा को फोन किया और उन्हें सूचित किया कि "मैं करमवीर बौद हूं और मैं राज्यसभा का उम्मीदवार हूं, कल नामांकन दाखिल करने के लिए आइए।" हुड्डा जी हैरान रह गए और सामान्य होने में समय लिया।

इसी तरह रणदीप सिंह सुरजेवाला, शैलजा और हरियाणा के अन्य पार्टी नेताओं के साथ भी हुआ।

नेता असमंजस में रहे, विधायक नहीं जानते थे कि वे कौन हैं, लेकिन राहुल गांधी खुश हैं कि उन्हें एक दलित मिल गया जो उनके एजेंडा के अनुरूप है।

इस एजेंडा के प्रति वे बेहद जूनूनी हैं और किसी भी कीमत पर इसे लागू करना चाहते हैं।

के. राजू वे व्यक्ति हैं जो कांग्रेस में दलितों के नरेटिव को नियंत्रित करना चाहते हैं। वे पार्टी में स्थापित दलित नेताओं, जैसे उदय भान और अशोक तंवर को प्रोत्साहित नहीं करना चाहते। वे एक नए व्यक्ति को चाहते थे, जिसे वह नियंत्रित कर सकें।

- **हरियाणा में राज्यसभा चुनाव का नतीजा इस सवाल का जवाब ढूंढने में शायद कुछ मदद करेगा।**

ठीक है यह भी, लेकिन क्या राहुल गांधी कोई विचार नहीं करते, या क्या उनका विश्वास इतना अंधा है कि वे हर निर्णय को के.सी. वेणुगोपाल, के. राजू या "जय जगत" जैसों को सौंपते रहते हैं?

जय जगत अपनी ताकत दिखा रहा है और यह संकेत देना चाहता है कि वह पार्टी में निर्णयों को नियंत्रित कर रहा है और वह बॉस है क्योंकि बॉस उसके साथ है।

जय जगत ने तमिलनाडु की राज्यसभा सीट भी हासिल कर ली है, जो एक ईसाई दलित को मिली है, जो जय जगत से है और के. राजू द्वारा समर्थित है।

भाजपा ने कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार को हराने के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार खड़ा किया है, जो बुनियादी तौर पर भाजपा से है, उसके पास ढेर सारा पैसा है और वह कांग्रेस के विधायकों को खरीदने के लिए तैयार है।

क्या राहुल गांधी जीवन से कोई सबक नहीं सीखते? या क्या वे बस इस कारण से परवाह नहीं करते, क्योंकि वे इतने विशेषाधिकार प्राप्त हैं? हरियाणा का घटनाक्रम रोमांचक रहेगा, क्योंकि यहां पैसे, सत्ता, निराशा और गुस्से का खेल होगा।

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खेड़ा ने कहा कि जब रूस भारत को तेल देने के लिए तैयार था, तब मोदी सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया, लेकिन अमेरिका की अनुमति मिलने के बाद ही सरकार सक्रिय हुई। अमेरिका ने भारत को छूट दी है, जबकि छूट वहीं दी जाती है , जहां प्रतिबंध लागू होते हैं।

कोटा का डॉक्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिविल सेवा के लिए चयनित किया गया था, जहां वे वर्तमान में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

स्व-अनुशासन और दृढ़ता में विश्वास रखने वाले अनुज ने अपनी तैयारी के लिए ऑनलाइन कोचिंग पर भरोसा किया और दिल्ली के "एंश्योर" आईएएस से इंटरव्यू गाइडेंस प्राप्त की।

साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले अनुज के पिता कोटा में न्यूक्लियर पावर प्लांट में काम करते हैं, जबकि उनकी मां गृहिणी हैं।

कुल 958 उम्मीदवारों ने आईएएस, आईएफएस, आईपीएस और अन्य सेवाओं के लिए क्वालीफाई किया है। परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवार यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइटों पर रोल नंबर के आधार पर परिणाम देख सकते हैं और डाउनलोड कर सकते हैं।

यूपीएससी ने एक बयान में कहा, "अंक, परिणाम की घोषणा के 15 दिनों के भीतर वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।"

लिखित सीएसई परीक्षा अगस्त 2025 में आयोजित की गई थी, जबकि व्यक्तित्व परीक्षण (पर्सनैलिटी टेस्ट) दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच हुआ था।

अनुज के अलावा प्रदेश के दस अन्य अभ्यार्थियों का भी चयन हुआ है। ये हैं, बहरोड़ के तरुण यादव (49 वीं रैंक), बालोतरा के गौरव चोपड़ा (83 वीं रैंक), बूंदी के सौरभ शर्मा (146 वीं रैंक), तिजारा के निशांत यादव (237 वीं रैंक), बालोतरा के जितेन्द्र प्रजापति (287 वीं रैंक), पोकरण के प्रवीण दान रत्नू (499 वीं रैक), सीकर के संजय कुमार (502 वीं रैक), जयपुर के संभव पाटनी (608 वीं रैंक), तिजारा के बादल यादव (665 वीं रैंक), दौसा के आशीष शर्मा (722 वीं रैक)।

'अमेरिका ने दया की, भारत को रुस से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साद अल काबी ने यह भी कहा कि अगर संघर्ष तुरंत समाप्त हो भी जाता है तो कतर को अपनी सामान्य आपूर्ति व्यवस्था को बहाल करने में "हफ्तों से महीनों" तक का समय लगेगा।

भारत में सभी तेल रिफाइनरियों से कहा गया है कि वे "यह सुनिश्चित करें कि उनके पास उपलब्ध प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग रसोई गैस उत्पादन के लिए किया जाए।" सामान्यत: भारत की अधिकांश एलपीजी मध्य पूर्व से ही आती है, जो प्रोपेन और ब्यूटेन का मिश्रण होता है।

भारत ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भागदौड़ कर रहा है, क्योंकि होर्मुज़ जलसंधि के माध्यम से टैंकर ट्रैफिक ठप हो गया है, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल शिपिंग मार्गों में से एक है।

यूएस ट्रेज़री सचिव ने कहा कि वह भारतीय रिफाइनरियों को पहले से समुद्र में मौजूद रूसी माल खरीदने के लिए एक शॉर्ट-टर्म छूट देगा। ट्रैज़री सचिव स्कॉर्ट बेसैंट ने कहा, "वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए, ट्रेजरी विभाग भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए अस्थायी तौर पर 30 दिन की छूट दे रहा है।"

"उन्होंने कहा जानबूझकर यह शॉर्ट-टर्म छूट दी गई है क्योंकि इससे रूस को कोई लाभ नहीं होगा। क्योंकि यह केवल समुद्र में पहले से फंसे हुए तेल की खरीद फरोख्त की अनुमति देता है।

बेसेंट ने इस छूट को एक अस्थायी उपाय के रूप में वर्णित किया, जबकि वॉशिंगटन भारत को अधिक अमेरिकी कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहा है।

उन्होंने "यह अस्थायी उपाय ईरान द्वारा वैश्विक ऊर्जा को बंधक बनाने के प्रयास के कारण उत्पन्न दबाव को कम करेगा," उन्होंने कहा।

गल्फ क्षेत्र में यूएस-इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है।

होर्मुज़ जलसंधि मार्ग भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कच्चे तेल और एलएनजी दोनों के लिए खाड़ी उत्पादकों पर भारी निर्भर है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत और एलएनजी की जरूरत का 45 से 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत सामान्यत: होर्मुज़ से गुजरता है, जहां टैंकर ट्रैफिक अब ठप हो चुका है।

चूंकि भारत द्वारा खरीदी जा रही कच्चे तेल की शिपमेंट पहले से ही बाजार में मौजूद हैं, दिल्ली को मौजूदा कीमतों पर भुगतान करना होगा, बजाय इसके कि वह रूस से पहले की तरह रियायती दरों पर सौदा कर सके।

यह भारत के लिए बुरी खबर है क्योंकि तेल अब 2022 के बाद अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि की ओर बढ़ रहा है, व्यापारियों के अनुसार। गोल्डमैन साक्स ने चेतावनी दी है कि कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जा सकती हैं, जबकि जेपी मॉर्गन ने कहा है कि कीमत 120 तक पहुंच सकती है।

भारत पहले ही रूसी कच्चे तेल के दो शिपमेंट्स को खरीद चुका है, जो पास के समुद्र में चल रहे थे।

प्रत्येक टैंकर में लगभग 700,000 बैरल तेल है। एक तीसरा रूसी टैंकर भी अपना रास्ता बदल चुका है और माना जाता है कि वह भारतीय बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है।

रॉयटर्स के अनुसार, कुल मिलाकर, लगभग 9.5 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल वर्तमान में भारत के पास स्थित जहाजों पर है।

वैश्विक स्तर पर, समुद्र में फंसे हुए रूसी तेल की मात्रा कहीं अधिक है। व्यापार खुफिया कंपनी केपलर के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में दुनिया भर में लगभग 130 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल टैंकरों पर मौजूद है। चीनी खरीदारों से प्रतिस्पर्धा, जो उसी तेल के लिए बोली लगा रहे हैं, भारत के लिए एक और चुनौती प्रस्तुत करता है।

इस बीच, घरेलू ईंधन आपूर्ति की सुरक्षा के लिए, भारत ने तेल रिफाइनरियों से एलपीजी का उत्पादन अधिकतम करने और इसे तीन राज्य-स्वामित्व वाली ईंधन खुदरा कंपनियों: इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम को आपूर्ति करने का आदेश दिया है।

अधिकारियों ने यह भी रिफाइनरियों से प्रोपेन और ब्यूटेन को पेट्रोकेमिकल उत्पादन में भेजने से रोकने के लिए कहा है, जिससे उन्हें औद्योगिक उत्पादन के मुकाबले एलपीजी को प्राथमिकता देने के लिए मजबूर किया गया है। तीन कंपनियों को केवल घरेलू ग्राहकों को ईंधन बेचने का निर्देश दिया गया है।

राज्य-स्वामित्व वाली कंपनियां, जिनमें इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलेश्वर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स शामिल हैं, भी व्यापारियों के साथ रूसी माल की त्वरित डिलीवरी प्राप्त करने के लिए बातचीत कर रही हैं। भारतीय राज्य रिफाइनरियों ने अब तक व्यापारियों से लगभग 20 मिलियन बैरल रूसी तेल खरीदा है।

क्या ट्रम्प ईरान युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे। यह एक ऐसे व्यक्ति की तस्वीर थी, जो पराजित महसूस कर रहा हो और जिसे मानो किसी दूसरी दुनिया से मदद की जरूरत हो।

वैसे भी ट्रंप अब कुछ भ्रमित से दिखाई दे रहे हैं और ऐसे दावे कर रहे हैं, जिन्हें शायद मौजूदा तथ्यों से साबित करना मुश्किल है। उन्हें यह कहते सुना गया है कि ईरान के अगले नेता के चयन में उनकी व्यक्तिगत भूमिका बिल्कुल जरूरी है। इसी के साथ, वे दुनिया भर में मौजूद ईरानी राजनयिकों से शरण लेने और एक नया ईरान बनाने के लिए कहीं और से मदद लेने की अपील कर रहे हैं।

इसी सांस में उन्होंने ईरानी सेना और इस्लामिक रिवॉल्यूश्नरी गार्ड कॉर्प्स (आई. आर. जी. सी.) सदस्यों को चेतावनी भी दी है कि वे हथियार डाल दें, क्योंकि उनके पास दूसरा विकल्प केवल मौत है। शुरुआत में ईरान के खिलाफ कुछ बढ़त हासिल करने के बाद अब अमेरिका को अपने हमले के कारण कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। अरब देशों में अमेरिका के सहयोगियों के खिलाफ ईरान के क्षेत्रीय तेल केंद्रों को लगभग ठप कर दिया है। इलाके की बड़ी तेल कंपनियां अपने उत्पादन संयंत्र बंद कर रही हैं और तेल की आपूर्ति बहुत कम हो गई है। स्टेट ऑफ होरमुज़ से नियमित जहाजों की आवाजाही भी रुक गई है और तेल का परिवहन लगभग ठहर गया है।

दुनिया भर के बड़े बाजारों में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। शुक्रवार को तेल का अंतरराष्ट्रीय मानक मूल्य 91 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जो हमले से पहले के दिनों की तुलना में काफी अधिक है। बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इससे प्रभावित होने की आशंका जता रही हैं और ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पैक्ट्स कमज़ोर पड़ते दिख रहे हैं।

- **अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में ऑयल की कीमत 91 डॉलर प्रति बैरल पार कर रही है तथा अमेरिका में भी, बाजार में मंहगाई व दाम बढ़ रहे हैं। जो अमेरिका की जनता की सोच का मानक माना जाता है और इससे ट्रंप की लोकप्रियता निःसंदेह गिरेगी, और ट्रंप के लिए यह चिन्ता का विषय है।**
- **साथ ही नाटो देश अब ट्रंप को समर्थन देने के मुद्दे पर बिखरे हुए हैं। ऐसा लग रहा है, ट्रंप अब ईरान की लड़ाई में अकेले खड़े हैं, युद्ध भूमि में।**

अमेरिका को भी इसके आर्थिक असर का सामना करना पड़ रहा है। ताजा रोजगार आंकड़े बताते हैं कि नौकरियों के सृजन में कमी आई है, जबकि कुछ समय पहले तक इनमें लगातार बढ़ोतरी हो रही थी। कीमतें भी धीरे-धीरे बढ़ रही हैं, जो जनता के मूड को प्रभावित करने वाला संकेत है। अमेरिकी लोग महंगाई से नाराज रहते हैं और इसका असर राष्ट्रपति की लोकप्रियता पर जरूर पड़ेगा, जो वैसे भी लगातार गिर रही है।

दूसरी ओर, यूरोप में भी अमेरिका के नाटो सहयोगियों ने ट्रंप के सामने अलग रुख अपना लिया है। पहले ट्रंप ने कहा था कि अगर किसी नाटो सदस्य पर हमला हुआ तो वे रक्षा की जिम्मेदारी से पीछे हट सकते हैं। लेकिन अब स्थिति उलट गई है और ट्रंप को ही अपने सहयोगियों से मदद मांगनी पड़ रही है।

हालांकि स्पेन ने साफ मना कर दिया है कि अमेरिका उसके किसी भी सैन्य अड्डे का इस्तेमाल नहीं कर सकता। यू. के. ने केवल सीमित उपयोग की अनुमति दी है। फ्रांस ने राष्ट्रपति से कहा है कि वे ईरान के साथ तुरंत युद्धविराम के लिए बातचीत शुरू करें। वहीं जर्मनी ने अब तक अपना स्पष्ट रुख नहीं बताया है। ऐसा लगता है कि ईरान के साथ इस टकराव में ट्रंप लगभग अकेले खड़े रह गए हैं।

प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ गया जो इस बार अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षण कठिन हो सकते हैं, लेकिन यह यात्रा का केवल एक पड़ाव है और आगे अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

बिहार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव करे। इस संदर्भ में सीमा गुप्ता का नाम उछाला जा रहा है, जो संघ पृष्ठभूमि से बताई जाती हैं।

नीतीश कुमार को उखाड़ फेंकने के लिए ताकत जुटाने के बाद, यह निश्चित माना जा रहा है कि भाजपा अपने उम्मीदवार को मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित करेगी। हालांकि, यह भी संभव है कि कुमार के बेटे को सत्ता की राजनीति में लाया जाये और नई सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाया जाए।

राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में एक नया और अप्रत्याशित चेहरा चुनकर भाजपा यह राजनीतिक संदेश दे सकती है कि बिहार में पूरी तरह से नयी शुरुआत की जा रही है। इन परिदृश्यों में नई सरकार को भाजपा नेतृत्व का प्रत्यक्ष आशीर्वाद प्राप्त भी माना जाएगा। वहीं, ऐसी सम्भावना नहीं है कि नेतृत्व जेडीयू को विभाजित करने की कोशिशों में लगेगी। हालांकि नीतीश कुमार जैसे किसी प्रभावशाली नेता के बिना पार्टी के पास लंबी अवधि तक अस्तित्व में रह पाना मुश्किल होगा। कुमार अब भी ईबीसी वर्ग में लोकप्रिय हैं और पिछले वर्षों में उन्होंने महिला वोटरों में एक मजबूत समर्थन आधार बनाया है। भाजपा इन वर्गों का समर्थन खोना नहीं चाहेगी। इसलिए, यह संभावना है कि भाजपा नेतृत्व कुमार के साथ सदाशयतापूर्ण और सुलझे हुये तरीके से ही पेश आएगा। इसके साथ ही, यह भी संभावना है कि समाजवादी पृष्ठभूमि के चलते बिहार में हिंदुत्व के कट्टर संस्करण को फिलहाल नहीं उतारा जाएगा।

अमेरिका के खिलाफ असंतोष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अड़ा रहा और उसने कहा कि ईरान के साथ संघर्ष नाटो की सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धताओं के दायरे में नहीं आता।

इस मतभेद का मूल कारण यह है कि नाटो की सदस्यता का मतलब यह नहीं है कि किसी सदस्य देश को हर उस युद्ध में शामिल होना पड़े, जिसमें कोई दूसरा सदस्य शामिल हो। नाटो की अनुच्छेद-5 वाली सामूहिक रक्षा धारा तभी लागू होती है, जब किसी सदस्य देश पर हमला हो। मौजूदा संघर्ष में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को नाटो क्षेत्र पर हमला नहीं माना जा रहा है। इसलिए स्पेन पर इसमें भाग लेने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है। मैड्रिड ने अपने रुख को नाटो के खिलाफ चुनौती नहीं, बल्कि उसके वास्तविक समझौते का पालन बताया है।

स्पेन का यह रुख उसके इतिहास और, विशेष रूप से, इराक युद्ध के अनुभव से भी जुड़ा है। सन् 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री होज़े मारिया अज़नार की कंज़रवेटिव सरकार ने अमेरिका के नेतृत्व में इराक पर हमले का समर्थन किया था और वॉशिंगटन तथा लंदन के साथ खड़ी हुई थी। इस फैसले के खिलाफ पूरे स्पेन में भारी विरोध प्रदर्शन हुए और यह देश के वर्तमान इतिहास की विदेश नीति के सबसे विवादित फैसलों में से एक बन गया। सन् 2004 की मैड्रिड ट्रेन बॉबिंग्स के बाद यह विरोध और तेज हो गया, जिसमें करीब 200 लोग मारे गए थे और जिसने पूरे स्पेन को झकझोर दिया था। इसके बाद जब समाजवादी नेता होज़े लुइस रॉड्रिगेज़ ज़ापाटेरो की सरकार सत्ता में आई तो उसने इराक से स्पेनिश सैनिकों को वापस बुला लिया। तब से स्पेन की सरकारें, चाहे किसी भी राजनीतिक दल की हों, मध्य-पूर्व में अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य अभियानों में शामिल होने को लेकर बेहद सावधान रही हैं।

यह ऐतिहासिक अनुभव प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज़ की मौजूदा नीति में भी साफ दिखाई देता है। उनकी सरकार बार-बार कह चुकी है कि इराक जैसी गलतियों को दोहराया नहीं जाना चाहिए। स्पेन के अधिकारियों का कहना है कि मध्य-पूर्व में एकतरफा सैन्य कार्रवाई से अक्सर शांति के बजाय अस्थिरता पैदा हुई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कूटनीति और तनाव कम करने पर ध्यान देना चाहिए।

मैड्रिड और वॉशिंगटन के बीच टकराव में आइडियोलॉजी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सांचेज़ एक सैंट्रल -लैफ्ट सोशलिस्ट सरकार का नेतृत्व करते हैं, जो बहुपक्षीय सहयोग, अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीति पर जोर देती है। इसके विपरीत ट्रंप की विदेश नीति अधिक आक्रामक और एकतरफा रही है। इसलिए ईरान को लेकर यह टकराव केवल रणनीति का मतभेद नहीं, बल्कि दोनों सरकारों की सोच में व्यापक अंतर को भी दिखाता है। तनाव का एक और अंदरुनी कारण नाटो के भीतर रक्षा खर्च को लेकर चल रहा पुराना विवाद है। ट्रंप बार-बार यूरोपीय सहयोगियों की आलोचना करते रहे हैं कि वे रक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं करते और उन्होंने उनसे सैन्य बजट बढ़ाने की मांग की है। स्पेन अपनी आर्थिक क्षमता की तुलना में नाटो के सबसे कम रक्षा खर्च करने वाले देशों में रहा है और उसने खर्च में बहुत बड़ी बढ़ोतरी करने के दबाव का विरोध किया है। इसलिए ईरान युद्ध को लेकर यह विवाद पहले से मौजूद मतभेदों की पृष्ठभूमि में सामने आया है।

स्पेन का रुख यूरोप में बढ़ती उस बहस को भी दर्शाता है, जिसमें "रणनीतिक स्वायत्तता" (स्ट्रैटेजिक ऑटोनोमी) की बात की जा रही है। कई यूरोपीय सरकारों का मानना है कि यूरोपियन यूनियन को यू.एस. मिलिट्री पहलों के साथ स्वत: जुड़ने के बजाय अपनी इंडिपैंडैंट सिक्यूरिटी और फॉरेन पॉलिसी डवलप करनी चाहिए। स्पेन उन देशों में से रहा है, जो ग्लोबल डिप्लोमेसी और झगड़े सुलझाने में यूरोप की मजबूत भूमिका की वकालत करते रहे हैं। ईरान के खिलाफ युद्ध से दूरी बनाकर मैड्रिड यह संकेत दे रहा है कि अंतरराष्ट्रीय संकटों में यूरोपीय सहयोगी हमेशा वॉशिंगटन का अनुसरण नहीं करेंगे। घरेलू राजनीति भी इसमें एक अहम कारक है। स्पेन में जनमत विदेशी सैन्य हस्तक्षेपों, खासकर मध्य-पूर्व में, को लेकर काफी संदेहपूर्ण है। मैड्रिड की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में ऐसे राजनीतिक दल भी शामिल हैं जो युद्ध के कड़े विरोधी हैं और अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान कूटनीति से करने के पक्ष में हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियान का समर्थन करना सांचेज़ सरकार के लिए राजनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है।

रणनीतिक गणनाओं ने भी स्पेन की प्रतिक्रिया को प्रभावित किया है। मैड्रिड को डर है कि ईरान के साथ लंबा युद्ध पूरे मध्य-पूर्व को अस्थिर कर सकता है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित कर सकता है और यूरोप की ओर नई प्रवासन लहर पैदा कर सकता है। इसलिए स्पेन के नीति-निर्माता तनाव कम करने को न केवल वैश्विक स्थिरता, बल्कि यूरोप की अपनी सुरक्षा के लिए भी जरूरी मानते हैं।

परिणाम यह है कि स्पेन कह रहा है कि अलायंस मेम्बरशिप का मतलब यह नहीं है कि वह हर अमेरिकी सैन्य अभियान में अपने-आप शामिल होगा। युद्ध में शामिल होने से इनकार करके मैड्रिड ने पश्चिमी गठबंधन के भीतर हो रहे व्यापक बदलाव को उजागर किया है, जहां नैशनल पोलिटिकल सोच और रीजनल स्ट्रैटेजिक प्रायोरिटीज़ तेजी से यह तय करती हैं कि नाटो के अलग-अलग मेम्बर ग्लोबल झगड़ों पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

जो विवाद शुरुआत में केवल सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल को लेकर था, वह अब एक बड़े सवाल में बदल गया है, गठबंधन की एकजुटता की असली प्रकृति क्या है, अमेरिकी नेतृत्व की सीमाएं क्या हैं, और क्या यूरोप के कुछ देश अब अपनी अधिक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाना चाहते हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908